● वर्ष-4
● अंक-65
रायपुर, गुरुवार
24 अक्टूबर 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

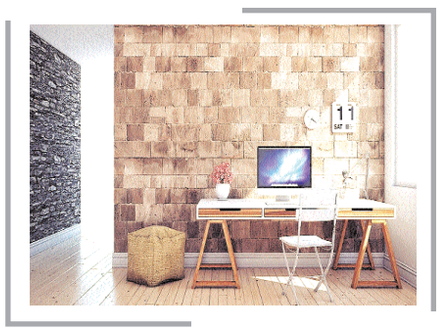

पेज-6» इन वास्तु उपायों को अपनाने से ....

बिजली कर्मियों का दीवाली पूर्व 12 हजार रुपए बोनस की घोषणा

पीएम सूर्यघर योजना का लाभ उठाएं: साय

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने चयनित कनिष्ठ यंत्रियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। उन्होंने विद्युत कर्मियों को 12 हजार रूपये तक बोनस/एक्सग्रेसिया दीपावली के पूर्व देने की घोषणा की। साथ ही 'मेरा घर-पीएम सूर्यघर' जनजागरण अभियान की शुरूआत की । प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत प्रदेश में वर्ष 2027 तक 5 लाख घरों में रूफटाप सोलर प्लांट लगाने का लक्ष्य दिया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि दीपावली का यह त्यौहार रोशनी का त्यौहार है, रोशनी बांटने का त्यौहार है, और विद्युत कर्मियों से बढ़कर भला ''रोशनी बांटने वाला'' कौन हो सकता है। उन्होंने कहा कि मैं जानता हूं कि दीपावली के समय आप लोगों का काम बहुत बढ़ जाता है, लेकिन आपने हर ऐसे अवसर पर

बहुत सुंदर तरीके से अपने दायित्वों का निर्वहन किया है। इस बार भी मुझे आपसे यही आशा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के आव्हान के अनुरूप हमने भी विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का संकल्प लिया है। हमें राज्य की अधोसंरचना को मजबूत करते हुए एक सुदृढ़ अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है। आने वाले दिनों में राज्य के कृषि और उद्योग के क्षेत्रों में तेज प्रगति होगी। ऐसे में हमें और भी अधिक ऊर्जा की आवश्यकता होगी।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य की विद्युत कंपनियों पर आने वाले समय में दायित्वों का और अधिक भार होगा, इसे ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार सभी कंपनियों को सभी जरूरी संसाधन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। 375 कनिष्ठ अभियंताओं की नियुक्ति से जाहिर है कि आगे भी बिजली कंपनियों में अधिकारियों-कर्मचारियों की कमी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की जनजागरण सामग्रियों का विमोचन तथा लोकार्पण किया। उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए रूफटॉप सोलर एक्प्लोरर एप का विमोचन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हितग्राहियों के घरों के आगे लगने वाली नाम-पट्टिकाओं का वितरण भी कर रहे हैं। यह केवल योजना का लाभ उठाने वालों की नाम-पट्टिका नहीं है। यह प्रदेश के बिजली उत्पादकों की नाम पट्टिका भी है। वे न केवल अपनी जरूरतों की बिजली पैदा करेंगे अपितु अतिरिक्त बिजली का विक्रय कर बिजली विक्रेता भी बनेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में इस योजना के अंतर्गत वर्ष 2027 तक पांच लाख घरों को रौशन करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही सोलर पैनल सप्लाई, इंस्टालेशन और मैन्यूफैक्चरिंग के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर रोजगार का सृजन होगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सौर ऊर्जा के अधिकाधिक इस्तेमाल से परंपरागत तरीकों से हो रहे उत्पादन पर आने वाला दबाव भी घटेगा तथा हम ग्रीन एनर्जी को अपनाने की दिशा में सतत बढ़ते रहेंगे। उन्होंने कहा कि शासकीय भवनों में एवं सार्वजनिक स्थलों में हम अधिकाधिक रूप से सौर ऊर्जा को अपनाएंगे। प्रदेश में डेढ़ लाख से अधिक कृषि पंपों के माध्यम से सिंचाई सुविधा किसानों को उपलब्ध करा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल के लिए भी सौर ऊर्जा का इस्तेमाल किया है।

स्वागत भाषण पॉवर कंपनीज के अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव ने दिया। उन्होंने कहा कि पॉवर कंपनी नई ऊर्जा के साथ काम कर रही है। ऐसे में नई नियुक्ति से उपभोक्ता सेवा के कार्य को और बेहतर किया जा सकेगा।

कार्यक्रम अध्यक्ष सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि पॉवर कंपनी में कैशलेस स्वास्थ्य योजना लागू की गई, वह काफी सराहनीय है, श्री अग्रवाल ने इसके लिए अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव को बधाई भी दी।

भारत-चीन के बीच तगड़ी डील

वैश्विक शांति के लिए भी हमारे संबंध बहुत अहमः मोदी

कजान। रूस के कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर भारत के प्रधानमंत्री माफी और चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सीमा पार पिछले 4 वर्षों में उत्पन्न हुए मुद्दों पर बनी सहमति का हम स्वागत करते हैं। सीमा पर शांति और स्थिरता बनाए रखना हमारी प्राथमिकता रहनी चाहिए। आपसी विश्वास, परस्पर आदर और आपसी संवेदनशीलता हमारे संबंधों का आधार बने

आज सभी विषयों पर बात करने का अवसर मिला। आपसे मिलकर खुशी हुई..हमारा मानना है कि भारत और चीन के संबंधों का महत्व केवल हमारे लोगों के लिए ही नहीं है लेकिन वैश्विक शांति-स्थिरता और प्रगति के लिए भी हमारे संबंध बहुत अहम हैं। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर पीएम मोदी ने राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। लगभग 5 वर्षों में प्रतिनिधिमंडल स्तर पर यह उनकी पहली उचित द्विपक्षीय बैठक थी, आखिरी बैठक 2019 में ब्रासीलिया में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के मौके पर हुई थी। यह बैठक सैनिकों की वापसी और गश्त समझौते और मुद्दों के समाधान के तुरंत बाद हुई। 2020 में भारत-चीन सीमा क्षेत्रों में तनाव उत्पन्न हुआ था। दोनों नेताओं ने पिछले कई हफ्तों से राजनयिक और सैन्य चैनलों पर निरंतर बातचीत के माध्यम से दोनों पक्षों के बीच बनी सहमति का स्वागत किया। पीएम मोदी ने सीमा संबंधी मामलों पर मतभेदों को हमारी सीमाओं पर शांति भंग न करने देने के महत्व को रेखांकित किया। दोनों नेताओं ने कहा कि भारत-चीन सीमा प्रश्न पर विशेष प्रतिनिधियों को सीमा प्रश्न के समाधान और सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ पीएम मोदी की द्विपक्षीय बैठक पर विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि दोनों नेताओं ने रणनीतिक और दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य से द्विपक्षीय संबंधों की स्थिति की भी समीक्षा की। उनका विचार था कि पृथ्वी के दो सबसे बड़े राष्ट्रों भारत और चीन के बीच स्थिर द्विपक्षीय संबंधों का क्षेत्रीय और वैश्विक शांति और समृद्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

ओटीटी को विनियमित करने के लिए नई नीति बना रहा केंद

चेन्नई। केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन ने बुधवार को बताया कि केंद्र उन शिकायतों के बाद एक नई प्रसारण नीति तैयार कर रहा है, जिनमें कहा गया है कि ओवर-द-टॉप (ओटीटी) प्लेटफॉर्म्स स्व-नियामक प्रथाओं का पालन नहीं कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार विभिन्न हितधारकों के साथ विस्तार से बातचीत कर रही है, ताकि निजी एफएम रेडियो चैनलों को समाचार बुलेटिन प्रसारित करने की अनुमति दी जा सके। मुरुगन ने चेन्नई में आयोजित एक कार्यक्रम में यह जानकारी दी। इस कार्यक्रम में वह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एफएम रेडियो नीलामी पर एक बैठक में शामिल हुए थे। इस बैठक का आयोजन परामर्शदात्री समिति सिटी चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने किया था। जिसमें

चेन्नई के छह उद्योग संगठनों के सदस्य शामिल थे। ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के नियमन से जुड़े एक सवाल के जवाब में मुरुगन ने कहा कि केंद्र ने आयु के अनुसार फिल्मों के वर्गीकरण जैसी स्व-नियमन प्रथाओं को पेश किया है। उन्होंने कहा, ओटीटी प्लेटफॉर्म्स आमतौर पर यह डिस्क्लेमर दिखाते हैं कि यह 18 साल से ऊपर के लोगों के लिए है। इसमें हिंसा के दृश्य हो सकते हैं। तो ए प्रमाणपत्र दिया जाएगा। यानी इस फिल्म को माता-पिता के मार्गदर्श के साथ देखा जा सकता है। इस प्रकार के वर्गीकरण हैं। लेकिन हमें जनता और उद्योग से शिकायतें मिलीं कि ओटीटी प्लेटफॉर्म्स स्व-नियमन की प्रथाओं का पालन नहीं कर रहे हैं। इसलिए मंत्रालय एक नई प्रसारण नीति तैयार कर रहा है, जो जनता और अन्य हितधारों से विचार प्राप्त करने के लिए सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध है। सूचना एवं प्रसारण और संसदीय कार्य राज्य मंत्री एल मुरुगन ने कहा, ओटीटी सामग्री को विनियमित करने के लिए सुझाव और उद्योग से जानकारी हासिल करने के बाद हम इसे संसद में पेश करेंगे।

निजी एफएम चैनलों को समाचार प्रसारित करने की अनुमति देने के सवाल पर मुरुगन ने कहा कि इस पर विस्तार से बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा, हम सभी हितधारकों से मिली जानकारी का विश्लेषण करने के बाद फैसला लेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि कुछ चयनित शहरों में कन्नूर, तिरुवन्नामलाई, थंजावुर और कन्याकुमारी शामिल हैं। आवेदन की फीस 50 हजार रुपये तय की गई है। नीलामी प्रक्रिया 28 अक्तूबर को शास्त्री भवन, नई दिल्ली में आयोजित एक पूर्व-नीलामी बैठक के बाद 10 जनवरी 2025 के आसपास शुरू होने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि विकसित भारत बनाने में किसानों का महत्वपूर्ण योगदान है। खेती-किसानी को आधुनिक बनाने के साथ ही किसानों की आमदनी बढ़ाना छत्तीसगढ़ सरकार की प्राथमिकता है।

प्रमुख समाचार

भारत को घेर रहे थे कनाडा-अमेरिका, एक दाँव पड़ा भारी!

कजान। भारत और चीन के बीच का विवाद पांच साल से बढ़ता गया। किसी को ये उम्मीद नहीं थी कि इतनी जल्दी ये विवाद सुलझ जाएगा। यकीन इन सबमें सबसे ज्यादा फायदा किसका हो रहा था ये समझने की जरूरत है। भारत और चीन के बीच के विवाद की बात करें तो इससे सबसे ज्यादा फायदा पाकिस्तान का हुआ। पाकिस्तान को चीन के और करीब जाने का मौका मिल गया। सबसे ज्यादा नुकसान किसी को हुआ तो वो रूस था। चीन और भारत दोनों ही रूस के अहम व महत्वपूर्ण साझेदार हैं। ऐसे में रूस के लिए बहुत मुश्किल हो रहा था कि वो भारत व चीन के साथ अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाए। भारत और चीन एक पेज पर आने के लिए तैयार नहीं थे। इसलिए पुतिन ने सबसे पहले तय किया कि वो इस विवाद को सुलझाने में भूमिका निभाएंगे। लेकिन ये सब इतने गुपचुप तरीके से होगा इसका अंदाजा तो पश्चिमी देशों को था ही नहीं। पश्चिमी देश शुरुआत से कहते आ रहे हैं कि ब्रिक्स को वेस्टर्न कंट्रीज के खिलाफ खड़ा किया है। लेकिन ब्रिक्स देश ये कहते हुए आए हैं कि भारत, चीन या रूस का मकसद वेस्टर्न वर्ल्ड के खिलाफ कोई भी लॉबी तैयार करने की नहीं है।

भाजपा सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष को लिखा पत्र

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तीन सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखा है और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद कल्याण बनर्जी के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने और उन्हें तत्काल निलंबित करने की मांग की है। इन सांसदों ने बनर्जी पर वक्फ विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की बैठक के दौरान अभूतपूर्व हिंसा का आरोप लगाया है। जिन भाजपा सांसदों ने पत्र लिखा है, उनमें निशिकांत दुबे, अपराजिता सारंगी और अभिजीत गंगोपाध्याय शामिल हैं। पत्र में भाजपा सांसदों ने कहा कि उन्होंने और अन्य ने बनर्जी को समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल पर कांच की बोतल फेंकते हुए देखा है। उन्होंने इसे गुंडागर्दी और अमानवीय हिसा का उदाहरण बताते हुए कहा कि यह घटना किसी सांसद से अपेक्षित सभ्य व्यवहार की सीमाओं को पार कर गई है। भाजपा सांसदों ने कहा, कल्याण बनर्जी का यह कृत्य न केवल अध्यक्ष जगदंबिका पाल पर एक जानलेवा हमला है, बल्कि यह हमारी लोकतांत्रिक संस्थाओं के लिए भी खतरनाक है।

साक्षी मलिक का बृज भूषण सिंह पर विस्फोटक आरोप

नई दिल्ली। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साक्षी मलिक ने भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख बृज भूषण शरण सिंह पर विस्फोटक आरोप लगाए हैं। हाल ही में जारी अपनी आत्मकथा विटनेस में पहलवान ने सिंह पर 2012 में उनका यौन उत्पीड़न करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। अपनी किताब में मलिक ने दावा किया है कि कजाकिस्तान के अल्माटी में एशियाई जूनियर चैंपियनशिप के दौरान सिंह ने उन्हें अपने माता-पिता से बात करने के बहाने अपने होटल के कमरे में बुलाया था। हालांकि, कॉल खत्म होने पर सिंह ने कथित तौर पर उनका यौन उत्पीड़न करने की कोशिश की। मलिक का दावा है कि उन्होंने उन्हें धक्का दिया और रोते हुए कमरे से भाग गईं। टाइम्स ऑफ इंडिया में प्रकाशित अंशों के अनुसार, उन्होंने किताब में लिखा है, सिंह ने मुझे मेरे माता-पिता से मिलाया। यह हानिरहित लग रहा था। जब मैंने उनसे बात की और अपने मैच और पदक के बारे में बताया, तो मुझे याद है कि मैंने सोचा था कि शायद कुछ भी अप्रिय न हो। लेकिन जैसे ही मैंने कॉल खत्म की, उसने मेरे साथ छेड़छाड़ करने की कोशिश की, जबकि मैं उसके बिस्तर पर बैठी थी।

नीतीश कुमार और गिरिराज पर जमकर बरसे लालू यादव

पटना। राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने बुधवार को केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर राज्य के विभिन्न हिस्सों में भाजपा नेता द्वारा दिए जा रहे भड़काऊ भाषणों को लेकर निशाना साधा। लालू ने गिरिराज पर आरोप लगाया कि वो इस तरह की बातें करने के आदी हैं। लालू यादव ने जेडी(यू) सुप्रीमो पर निशाना साधते हुए कहा, मुझे भाजपा के शासन और उनके (नीतीश) शासन में कोई अंतर नहीं दिखता। लालू यादव ने आगे कहा कि, जहां तक गिरिराज सिंह का सवाल है, उन्हें इस तरह की बात करने की आदत है। वह ऐसा करने से खुद को रोक नहीं पाते हैं। लालू ने यह भी कहा कि उनके रहते कोई भी दंगा-फसाद नहीं करा सकता है। हिंदू और मुस्लिम सब एक हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में जो कुछ भी हो रहा है, उसके लिए नीतीश कुमार जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा, मुट्ठी भर भाजपा नेता बिहार में सांप्रदायिक सद्भाव को नष्ट नहीं कर सकते। हिंदू और मुसलमान लंबे समय से एक साथ रहते आए हैं और आगे भी रहेंगे। बता दें कि गिरिराज सिंह ने सीमांचल में हिंदू स्वाभिमान यात्रा निकाली थी।

बीजेपी का वर्तमान विधायकों पर भरोसा कायम

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए बीते रविवार को अपने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी। इसमें पार्टी ने 99 प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की। इस लिस्ट में पार्टी ने कई विधायकों को फिर से टिकट दिया है। बीजेपी ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को नागपुर दक्षिण पश्चिम और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर कृष्णराव बावनकुले को कामठी से टिकट दिया है। तो वहीं पार्टी ने कृष्ण पंचम खोपड़े को नागपुर पूर्व विधानसभा क्षेत्र से अपना उम्मीदवार घोषित किया है। यह लिस्ट जारी होने से यह संकेत मिलते हैं कि सत्तारूढ़ गठबंधन महायुति में सीट बंटवारे का मसला करीब-करीब सुलझ चुका है। नागपुर पूर्व विधानसभा सीट से वर्तमान विधायक और बीजेपी के उम्मीदवार कृष्ण पंचम खोपड़े का जन्म 6 मार्च 1959 को कमला खोपड़े और पंचम खोपड़े के घर में हुआ था। वे भारत में 13वीं महाराष्ट्र विधानसभा के सदस्य हैं और नागपुर पूर्व विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं।

महा विकास अघाड़ी के बीच तय हुआ सीट शेयरिंग का फॉर्मूला

राहुल कुमार

महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाड़ी (एमवीए) में 255 सीटों पर आम सहमति बन गई है। एमवीए में शामिल कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (एसपी) प्रत्येक 85 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि 270 सीटों का बंटवारा हुआ है, जिसमें से 18 सीटें सहयोगी दलों को दी जाएगी।

एमवीए में 15 सीटों पर असमंजस की स्थिति अब भी बरकरार है। बुधवार शाम शिवसेना (यूबीटी) के संजय राउत, एनसीपी (एसपी) के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल और नाना पटोले ने संयुक्त प्रेसवार्ता कर सीटों के बंटवारे की घोषणा की। इससे पहले एमवीए के नेताओं की दक्षिण मुंबई के यशवंतराव चव्हाण सेंटर में पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार के साथ ढाई घंटे मैराथन बैठक चली। इसके बाद 85-85 सीटों के बंटवारे का फार्मूला सामने आया। संजय राउत ने कहा कि तीनों दलों को बंटवारे में 85-85 सीटें मिली हैं। वहीं, पटोले ने कहा कि 18 सीट एमवीए के सहयोगी दल जैसे शेतकरी (किसान) कामगार पार्टी, समाजवादी पार्टी और कम्युनिस्ट पार्टी को दी जाएगी। एमवीए की यह रणनीति विपक्ष के वोटों में बिखराव को रोकने की कवायद के रूप में देखी जा रही है। सूत्रों के अनुसार शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस के बीच विदर्भ और मुंबई की कुछ सीटों पर अब भी बात नहीं बन पाई है। इसलिए 85 का फार्मूला घोषित कर विपक्षी दलों में एकजुटता दिखाने की कोशिश की गई है।

उद्धव के दबाव में आई कांग्रेस

लोकसभा चुनाव के नतीजों में महाराष्ट्र में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी है, जिसके 17 सांसद हैं। जबकि शिवसेना (यूबीटी) के 9 और एनसीपी के 8 सांसद हैं। चर्चा थी कि महाराष्ट्र के चुनाव में इस बार कांग्रेस बड़े भाई की भूमिका निभाने की तैयारी में है। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। समझा जा रहा है कि उद्धव ठाकरे के दबाव के कारण कांग्रेस को झुकना पड़ा है।

ठाकरे ने घोषित किए 65 उम्मीदवार

एमवीए में सीटों के बंटवारे के साथ ही शिवसेना (यूबीटी) ने एमवीए में सीटों के बंटवारे की घोषणा से पहले ही अपने 65 उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी। ठाकरे ने ठाणे के कोपरी-पांचपाखाड़ी सीट पर एकनाथ शिंदे के सामने उनके राजनीतिक गुरु दिवंगत आनंद दिघे के भतीजे केदार दिघे को मैदान में उतारा है। केदार दिघे को उद्धव ठाकरे का हुकुम का एक्का माना जा रहा है, जबकि ठाणे शहर से पूर्व सांसद राजन विचारे को उम्मीदवार घोषित किया है।

इसके अलावा ठाकरे की शिवसेना की सूची में वरली से आदित्य ठाकरे, बांद्रा पूर्व से आदित्य के मौसी के बेटे वरुण सरदेसाई, गोरेगांव से कांग्रेस के दिवंगत नेता गुरुदास

कामत के भांजे समीर देसाई, विक्रोली से सांसद संजय राउत के भाई सुनील राउत, अंधेरी से ऋतुजी लटके का नाम शामिल है।

शिवसेना की सूची में छपाई की गलती?

शिवसेना (यूबीटी) की ओर से बुधवार को आनन-फानन में घोषित की गई 65 उम्मीदवारों की सूची को लेकर एमवीए की बैठक में नाराजगी प्रकट की गई। इस पर संजय राउत ने सफाई दी कि सूची को संशोधित किया जाएगा। इसमें कुछ गलती है। राउत ने कहा कि सांसद अनिल देसाई इस मामले को देखेंगे और इस सूची को अंतिम रूप दिया जाएगा।

फडणवीस करेंगे नामांकन दाखिल

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस शुक्रवार को नागपुर दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन दाखिल करेंगे। भाजपा ने 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली सूची पहले ही जारी कर दी है।

अजित पवार बारामती से मैदान में

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव- राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने बुधवार को उम्मीदवारों की पहली सूची घोषित की और अजित पवार को बारामती से और छगन भुजबल को येवला से मैदान में उतारा। पार्टी ने अम्बेगांव से दिलीप वलसे-पाटिल, कागल से हसन मुश्रीफ, परली से धनंजय मुंडे और डिंडोरी से नरहरि झिरवाल को भी मैदान में उतारा है। इस बीच, शिवसेना ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए 45 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की है, जिसमें मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को ठाणे शहर के कोपरी-पंचपाखड़ी से और आधा दर्जन से अधिक कैबिनेट सदस्यों को उनकी संबंधित सीटों से उम्मीदवार बनाया गया है। मंगलवार देर रात जारी सूची के अनुसार, सत्तारूढ़ पार्टी ने लगभग सभी विधायकों को फिर से नामांकित किया है, जिन्होंने जून 2022 में तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व करते हुए शिंदे का समर्थन किया था। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, एनसीपी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल, पार्टी के राज्य प्रमुख सुनील तटकरे और कैबिनेट के कई सदस्यों के नाम सत्तारूढ़ गठबंधन सहयोगी द्वारा 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए जारी 27 स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल हैं।

लाइसेंसधारी व्यापारियों ने आबादी वाले इलाकों में लगा रखा है पटाखों का ढेर

बारूद की ढेर पर बैठा महासमुंद! गोदाम की जगह कहीं खंडहर, कहीं पोल्ट्री फार्म, तो कहीं डामर प्लांट

महासमुंद। जिला और पुलिस प्रशासन की ऐसी अनदेखी कि जिला मुख्यालय में 22 व्यापारियों को स्थाई पटाखा लाइसेंस देकर इसका भौतिक सत्यापन कराना ही भूल गए। इन व्यापारियों ने गोदामों में पटाखा रखने की बजाए शहर के घनी आबादी के बीच पटाखों की ढेर लगा रही है, और इसकी भनक जिला प्रशासन तक को नहीं है। विस्फोटक नियमों को दरकिनार कर, सुरक्षा मानकों की अनदेखी कभी भी बड़े हादसा को जन्म दे सकती है।

प्रशासन ने जिन 22 व्यापारियों को गोदाम के आधार पर स्थाई पटाखा लाइसेंस दिया है, यह सभी व्यापारी गोदाम के बजाए पटाखा शहर में अपने घर, दुकान में डंप कर रखा है। प्रशासन को लाइसेंसधारियों द्वारा बताए गए स्थलों की पड़ताल करने पर एक भी गोदामों में पटाखों का स्टॉक ना पाया गया और ना ही मौके पर कोई गोदाम है।

दस्तावेज बताते हैं कि महासमुंद के 22 व्यापारियों को स्थाई पटाखा लाइसेंस प्रशासन अलग-अलग सालों में जारी किया है। स्थाई लाइसेंस के लिए व्यापारियों को घनी आबादी से दूर गोदाम बनाना होता है। शुरू में पुलिस और पटवारियों के द्वारा स्थल का निरीक्षण कर नजरी नक्शा के साथ गोदाम भी दर्शाना होता है। इसी के बिना पर पटाखा व्यापारियों ने सालों से प्रशासन की आंखों में धूल झोंककर लाइसेंस का रिन्यूअल करा रहे हैं।

मीडिया के संवाददाता जब स्थाई लाइसेंस लेने वाले 22 व्यापारियों के ठिकानों पर पहुंचा तो देखा कि कहीं पोल्ट्री फॉर्म, मछली पालन, राइस मिल, बेल्डिंग दुकान, डामर प्लांट मिला। ढाबा गांव में तो घनी आबादी के बीचोंबीच घर देखने को मिला। स्पष्ट है कि लाइसेंस के लिए व्यापारियों ने खानापूर्ति के लिए किरायानामा बनाकर लाइसेंस हासिल की। वहीं दूसरी ओर व्यापारियों ने गोदामों की आड़ में सारे के सारे बारूद शहर के बीच घनी आबादी में ही दुकान, घर और अपने चित-परिचित के ठिकानों पर पटाखा डंप किया हुआ है, और प्रशासन आंखें मूंद कर बैठी है।

इनमें से ऐसे कई पटाखा व्यापारी हैं, सालों से होलसेल का काम करते आ रहे हैं। जबकि एक लाइसेंसधारक को केवल 100 किलो ही बारूद रखने की अनुमति है, लेकिन यहां व्यापारी, आम ग्राहकों के अलावा कोचियों को

भी पटाखा सप्लाई करते हैं।

जिला प्रशासन से लाइसेंस लेने वाले पटाखा व्यापारियों ने बेमचा, तुमगांव, भोरिंग, बेलटुकरी, घोड़ारी, बेलसेंड़ा, साराडीह, पिटियाझर, गंजपारा, बरबसपुर, पतेरापाली, झालखमरिया, केसवा, खट्टी, बम्हनी, सोरिद और महासमुंद में गोदाम के पते के आधार पर स्थाई लाइसेंस लिए हुए हैं। इनमें से कुछ गोदाम के पते ऐसे हैं, जहां अलग-अलग नाम पर 2 से 3 लाइसेंस जारी किए गए हैं।

मामले में कलेक्टर विनय कुमार लंगेह का कहना है कि अगर नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ एसडीएम और तहसीलदार को प्रावधान के अनुसार कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया गया है।

स्वामी चौक रजा कांप्लेक्स निवासी गुलशन कृष्णानी ने लाइसेंस नंबर 384/ 2018, घोड़ारी जय मालेकर के मालेकर टाइल्स फैक्ट्री को बताया है। जो कई सालों से खंडहर पड़ा हुआ है। इसके अलावा जय मालेकर के दूसरे फर्शी पॉलिश फैक्ट्री को देखा तो वहां सिर्फ टीन शेड और कुछ बाउंड्री वॉल ही दिखाई दिए। भूमि स्वामी जय मालेकर से पूछा तो वे कुछ कहने से बचकर निकल गए।

गंजपारा वार्ड नंबर 19 निवासी आदित्य कृष्णानी ने स्थाई लाइसेंस नंबर 393/2023 के लिए ग्राम पंचायत सोरिद के कमार बस्ती में स्थित खसरा नंबर 23/3, रकबा 0.104 हे। भूमि स्टेशन रोड निवासी भूमि स्वामी मो। सरोज से किरायनामापर लिया है।जहां गोदाम बताया है, वहां पोल्ट्री फॉर्म संचालित है।

हरि कृष्णानी ने स्थाई लाइसेंस नंबर 367/2022 के लिए ग्राम खट्टी में विष्णु चंद्राकर के खसरा नंबर 398/2, रकबा 0.126 हे, भूमि पर गोदाम दिखाया है, जबकि वहां पर मछली पालन फार्म संचालित है। फार्म में काम करने वाले कर्मचारी वहां काम करने वाले परिवार के साथ रहते हैं।

गंजपारा वार्ड नंबर 19 निवासी राजेश कृष्णानी ने पिटियाझर दलदली रोड में भूखंड नंबर 31/2, 31/3, पर अभिषेक बाफना का पिछले 10 सालों से बंद पड़ा जिंदल राईस मिल को किरायानामा पर दर्शाया है। यही लाइसेंस नंबर 315/2013 सलामुद्दीन चौहान ने भी किरायानाम बताया है। यहां काम करने वाला चौकीदार भारत लाल का कहना है कि पिछले 4 साल काम कर रहा हूं, लेकिन यहां कोई भी पटाखा गोदाम नहीं है।

क्लबपारा के रहने वाले सुमन कुमार साहू ने अविनाश चंद्राकर के भूखंड नंबर 811 पर गोदाम बताकर लाइसेंस लिया है, लेकिन हकीकत में यहां डामर प्लांट और एक ढाबा संचालित है। डामर प्लांट में काम करने वाला संतोष कुमार का कहना है गोदाम होने की गलत जानकारी है। डामर प्लांट है, और स्टोर रूम है। वहीं ढाबा संचालक नेहरू देवांगन ने बताया यहां कोई पटाखा गोदाम नहीं है।

बाजार वार्ड नंबर 11 के रहने वाले अशफाक हुसैन ने लाइसेंस नंबर 321/2014 के लिए बम्हनी में घनी आबादी के बीच भूखंड नंबर 1579/2 में गणेशराम ध्रुव का घर का पता दिया है। इसी घर के पते पर लाइसेंस नंबर 44/61/2000 शेख मकसूद का भी गोदाम होना बताया है। वहीं भूमि स्वामी गणेशराम ध्रुव से जब पूछा तो उन्होंने किसी भी व्यक्ति को किराये पर देने की बात से इंकार कर दिया।

डीआरजी जवान के भाई पर अज्ञात लोगों ने किया हमला, मेकाज में कराया भर्ती

जगदलपुर। दंतेवाड़ा जिले के किरंदुल में रहने वाले डीआरजी जवान के भाई के ऊपर बीती रात 10 से 12 अज्ञात लोगों ने जानलेवा हमला किया। वही भाई को बचाने के लिए आये बड़े भाई को भी लोगों ने मारने के लिए दौड़ाया, लेकिन वह भागने में सफल रहा, घायल की माँ व पत्नी के शोर मचाने पर अज्ञात लोग भाग खड़े हुए, वही घायल को अस्पताल ले जाया गया, जहाँ से बेहतर उपचार के लिए मेकाज रेफर किया गया।

मामले की जानकारी देते हुए घायल लक्ष्मण कुंजाम पिता हूंगा कुंजाम 21 वर्ष के बड़े भाई हिड़मा ने बताया कि बीती रात खाना खाने के बाद लक्ष्मण अपने घर में बैठा हुआ था, पत्नी सुखी व माँ पोदे व 2 साल का बच्चा अपनी माँ के साथ था, तभी अचानक दरवाजा को खोलते हुए अज्ञात लोग अंदर आते साथ लक्ष्मण के ऊपर कुल्हाड़ी व चाकू से हमला करना शुरू कर दिया, लक्ष्मण के शोर मचाने से अंदर से माँ, पत्नी व भाई सोमारू आकर हमलावरों से लड़ने लगे, जहाँ हमलावरों ने सोमारू को मारने के लिए दौड़ाया, अपनी जान पर बनता देख सोमारू भाग गया, परिजनों के शोर शराबा के बाद एम्बुलेंस को फोन किया गया, जहाँ से उसे बेहतर उपचार के लिए पास के अस्पताल ले जाया गया, जहाँ से गंभीर हालत में उसे मेकाज लाया गया, जहाँ उसका उपचार जारी है,

घायल के परिजनों ने बताया कि ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि यह हमला नक्सलियो के द्वारा किया गया है, क्योंकि लक्ष्मण की किसी से कोई भी जाति दुश्मनी नही है, वह मजदूरी का काम करके अपने परिवार का भरण पोषण करता है, लक्ष्मण के ऊपर हमला करने का कारण उसके भाई गुड्डी के पुलिस में होने को बताया जा रहा है।

घटना की जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर पहुँच मामले की जांच कर रही है, घटना को लेकर अब तक किसी भी तरह से कुछ भी नही बताया जा रहा है, मामले की जांच के बाद ही कुछ कहे जाने की बात कही जा रही है,

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकुमार बर्मन ने कहा किरंदुल के हिरोली सरपंचपारा में ग्रामीण पर जानलेवा घटना घटी है, लेकिन इसे नक्सलियों ने मारा है यह अभी तक स्पष्ट नही हो पाया है, जांच जारी है, पुलिस दोनो एंगल से इसे जांच कर रही है, जांच के बाद ही आगे कुछ कहा जा सकता है।

महासमुंद में बदले जाएंगे लंबे समय से धान खरीदी केंद्रों में जमे ऑपरेटर-प्रबंधक

महासमुंद। प्रति वर्ष महासमुंद जिले में समर्थन मूल्य में होने वाली धान खरीदी में करोड़ों की गड़बड़ियां सामने आती है। कूटरचना कर सरकार को करोड़ों कह चपत लगाई जाती है। खरीदी केंद्रों में होने वाली गड़बड़ी को रोकने के लिए इस बार जिले के कलेक्टर विनय कुमार लंगेह एक्शन में हैं।

उन्होंने जिले के अलग-अलग धान खरीदी केंद्रों में आई अनियमितता को लेकर सख्ती बरतने की बात कही है। उनका कहना है कि जिन धान खरीदी केंद्रों में गड़बड़ियां सामने आई है, उनमें प्रबंधक और ऑपरेटर के अलावा अधिकारियों की मिलीभगत रहती है। जिसे देखते हुए इस बार धान खरीदी की अनियमितता को रोकने के लिए खरीदी केंद्रों में लंबे समय से जमें ऑपरेटर और प्रबंधकों को बदला जाएगा।

इनमें खास कर वह खरीदी केंद्र प्राथमिकता में रहेंगे, जिनकी शिकायतों की लिस्ट लंबी है। उन्होंने साफ तौर पर यह भी कह दिया कि मिलीभगत और रकबा को लेकर यदि इस बार कोई गड़बड़ियां सामने आती हैं, तो सीधे तौर पर अधिकारी जिम्मेदार होंगे। जिन्हें बख्शा नहीं जाएगा।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ की साय सरकार ने खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 के लिए समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन और कस्टम मिलिंग की नीति को मंजूरी दे दी है। महासमुंद जिले सहित प्रदेशभर में 14 नवंबर 2024 से राज्य के किसानों से नगद और लिंकिंग के जरिए धान खरीदी की प्रक्रिया शुरू की जाएगी, जो 31 जनवरी 2025 तक चलेगी।

प्रदेश में इस वर्ष 160 लाख टन धान उपार्जित किए जाने का अनुमान है। जिसमें महासमुंद जिले का लक्ष्य 12 लाख 45 हजार टन है। जिले में 14 नवम्बर से शुरू होने वाले धान खरीदी को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई है। कलेक्टर के इस एक्शन प्लान से अब लंबे समय से जमे धान खरीदी केंद्रों के ऑपरेटर और प्रबंधकों में हड़कंप मचने लगा है।

धान खरीदी में फर्जीवाड़ा करने वाला केन्द्र प्रभारी गिरफ्तार

मुंगेली। जिले के लोरमी विकासखंड के गुरुवाइनडबरी धान खरीदी केंद्र में फर्जीवाड़ा करने वाले आरोपी रामदास को पुलिस ने तिफरा बिलासपुर के पास घेरा बंदी कर गिरफ्तार किया। गुरुवाइनडबरी धान खरीदी केंद्र प्रभारी रहते हुए आरोपी ने फर्जीवाड़ा कर शासन को 91 लाख 68 हजार से अधिक का आर्थिक नुकसान पहुंचाया था।

धान खरीदी में गड़बड़ी का मामला सामने आने पर कलेक्टर राहुल देव के निर्देश पर केन्द्र प्रभारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया गया था। इसके बाद से आरोपी की गिरफ्तारी के लिए सभी संभावित जगहों पर छापेमारी की गई। एफआईआर के बाद से आरोपी लगातार अपना ठिकाना बदल रहा था। इस दौरान सूचना मिली कि आरोपी बिलासपुर के तिफरा के पास छिपकर अपना नाम पता बदल कर रह रहा था।

इस सूचना पर थाना लालपुर और साइबर सेल की टीम को गिरफ्तारी के लिए बिलासपुर भेजा गया और तिफरा के पास आरोपी को घेराबंदी करते हुए गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। मामले में सहायक आयुक्त सहकारिता हितेश श्रीवास ने बताया कि रामदास ने खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में धान खरीदी के दौरान बेईमानीपूर्वक 25 सौ क्विंटल से अधिक धान का गबन किया गया था।

उन्होंने बताया कि किसानों से खरीदे गए धान में से 600 बोरी धान को बेइमानी पूर्वक बिक्री करने के लिए श्याम राइस प्रोडक्ट बरेला के ट्रक में लोड कराया था। इसके लिए आरोपी के खिलाफ थाना लालपुर मुंगेली में आईपीसी की धारा 420, 409 तथा 511 के तहत अपराध दर्ज करते हुए जांच की जा रही थी। विवेचना में पाया गया था कि आरोपी केन्द्र प्रभारी ने लगभग 91 लाख 68 हजार रुपए के धान का फर्जीवाड़ा किया है। मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

चक्रवाती तूफान डाना के कारण 12 ट्रेनें रद्द

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से गुजरने वाली 12 रेल गाडियों का चक्रवर्ती तूफान डाना के कारण प्रभावित रहेगी। गाड़ी संख्या 18477 पुरी-ऋषिकेश उत्कल एक्सप्रेस 24 अक्टूबर को रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 20807 विशाखापटनम-अमृतसर हीराकुंड एक्सप्रेस 25 अक्टूबर को रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 22865 एलटीटी पुरी एक्सप्रेस 24 अक्टूबर को रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 18426 दुर्ग पुरी एक्सप्रेस 24 अक्टूबर को रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 09060 ब्रह्मपुर सूरत एक्सप्रेस 24 अक्टूबर को रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 20824 अजमेर पुरी एक्सप्रेस 29 अक्टूबर को रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 22973 गांधीधाम पुरी एक्सप्रेस 22 अक्टूबर को रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 18425 पुरी दुर्ग एक्सप्रेस 24 अक्टूबर को रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 20823 पुरी अजमेर एक्सप्रेस 24 अक्टूबर को रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 12844 अहमदाबाद पुरी एक्सप्रेस 26 अक्टूबर को रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 12843 पुरी-अहमदाबाद एक्सप्रेस 24 अक्टूबर को रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 08475 पुरी-निज़ामुद्दीन एक्सप्रेस 25 अक्टूबर को रद्द रहेगी।

मोबाइल टावर में लगी भीषण आग, फायर की टीम पहुंची

जगदलपुर। शहर के धरमपुरा स्थित विशाल मेगा मार्ट के पास बने मोबाइल टावर में आग लग गई। घटना की जानकारी लगते ही फायर टीम मौके पर पहुंची और आग को बुझाया गया। इस दौरान एक बड़ी हानि बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि बुधवार की सुबह विशाल मेगा मार्ट के पास एयरटेल, जिओ और आइडिया के कंबाइन मोबाइल टावर में अचानक से आग लग गई, अचानक से फैले आग और धुंए को देखकर आसपास के लोगों ने मामले की जानकारी नगर सेना सेनानी एस मार्बल को दी। मामले की जानकारी लगते ही फायर की एक टीम को तत्काल मौके के लिए रवाना किया गया, जहां एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग लगने की सूचना मिलते ही वहां लोगों की भीड़ लग गई। वहीं आग के फैलने के डर से लोग अपने घर से बाहर आ कर इकट्ठा हो गए। मामले की जानकारी लगते ही कोतवाली पुलिस टीम भी मौके पर पहुंच गई, फिलहाल आग को बुझा दिया गया है।

दिवाली पर कुम्हारों को मुनाफे की उम्मीद

कोरबा। कबीर ने कभी कहा था की माटी कहे कुम्हार से, तू क्यों रौंदे मोय, एक दिन ऐसा आएगा, मैं रौंदूंगी तोय। जिसका अर्थ है कि समय परिवर्तनशील है। कभी एक सा नहीं रहता। कबीर के यह दोहे कुम्हारों की आज की स्थिति को दर्शाते हैं। गीली मिट्टी को उंगलियों से नया आकार देने वाले कुम्हार आज अपनी कला को बचाने के लिए अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। कोरबा के सीतामणी में कुम्हारों का मोहल्ला है। जहां एक दशक पहले तक दूर-दूर से लोग आकर दीए खरीदते थे। अब वैसा माहौल नहीं रहा लेकिन इस साल अपनी-अपनी तैयारी के अनुसार कुम्हारों ने 10000 से लेकर 25 और 30000 की तादात में दीए तैयार किए हैं। उन्हें उम्मीद है कि इस दिवाली पर उन्हें अच्छा मुनाफा होगा। दिवाली को देखते हुए जी तोड़ मेहनत कर पूरा कुम्हार परिवार दीया बना रहे हैं। मुनाफे की उम्मीद और खुशी के बीच कुम्हारों के चेहरे पर शिकन भी है। यह दुख भी है कि उनके बच्चे अब विरासत में मिली इस परंपरा को आगे नहीं बढ़ाना चाहते।

नवोदय विद्यालय में पीलिया के साथ डेंगू के हुए शिकार बच्चे

जगदलपुर। धरमपुरा स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में कई बच्चे पीलिया और डेंगू से प्रभावित हो गए हैं। इस बात की जानकारी मिलते ही बच्चों के परिजन और एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने स्कूल में जमकर हंगामा मचाते हुए लापरवाही बरतने वाले स्कूल प्रबंधक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मंगलवार को जवाहर नवोदय विद्यालय के 10 बच्चों को पेट दर्द और उल्टी की शिकायत पर अस्पताल में भर्ती किया गया। डॉक्टर बच्चों के लक्षणों को देखते हुए पीलिया से ग्रसित होने की आशंका जता रहा हैं। इस बात की जानकारी मिलने पर स्कूल पहुंचे बच्चों के परिजनों ने बताया कि बच्चे कमजोर हो चुके हैं। उनके आंखों के नीचे काले धब्बे के साथ गड्ढे पड़ गए हैं। करीबन 25 बच्चे पीलिया और 3 बच्चे डेंगू की चपेट में हैं। परिजनों ने बताया कि बीमारी फैलने के बाद स्कूल प्रशासन ने 19 अक्टूबर से ही छुट्टी घोषित कर दिया, जबकि छुट्टियां 21 अक्टूबर से शुरू होनी थी। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि बच्चों को साधारण इलाज के बाद उनके हवाले कर दिया गया था।

जान हथेली पर रखकर बच्चे आते हैं स्कूल

भाटापारा। शासकीय प्राथमिक शाला नवीन मतादेवालाय भाटापारा के 80 छात्र-छात्राएं जान हथेली पर रखकर स्कूल में पढ़ाई करते हैं। स्कूल में न खेल का मैदान है और न ही स्कूल के बाहर छात्र-छात्राएं खेल सकते हैं। वहीं मौलिक अधिकारों से छात्र छात्राएं कोसो दूर हैं। शिक्षकों के द्वारा उच्च अधिकारियों को लिखित शिकायत करने पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। प्रशासन रसूखदारों पर मेहरबान है। भाटापारा में 52 वर्ष पूर्व सन 1972 में स्थापित हुआ था। शासकीय प्राथमिक शाला नवीन मतादेवालाय भाटापारा का ,न जाने कितने छात्र छात्राए इस स्कूल से शिक्षा ग्रहण कर उच्च स्थानों पर पदस्थ हैं। लेकिन अब यह स्कूल नाम मात्र का हो गया है, क्योंकि इस स्कूल के छात्र-छात्राएं अपने मौलिक अधिकारों से कोसो दूर हैं। इस स्कूल में 80 छात्र छात्राओं को न खेलने का मैदान नसीब हैं, न स्कूल के बाहर खेल सकते हैं, क्योंकि स्कूल के बाहर खुले बिजली ट्रांसफार्मर जमीन से कुछ ही दूरी पर लगे हैं। स्कूल के सामने कचरे का अम्बार लगा हुआ रहता है।

सक्ती में बड़ा हादसा, बच्चों से भरी स्कूल वैन सोन नदी में गिरी, सवार थे 18 छात्र

सक्ती। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में बड़ा हादसा हुआ है। जहां आज सुबह बच्चों से भरी स्कूल वैन अनियंत्रित होकर सोन नदी में जा गिरी। वैन में 18 बच्चे सवार थे। वहीं हादसे के वक्त नदी में नहा रहे ग्रामीणों ने दौड़कर वैन के अंदर से सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। वैन पूरी तरह से पानी में डूब चुकी थी, गनीमत की बात ये है कि सभी बच्चे सुरक्षित हैं।

हसौद थाना क्षेत्र के पिसौद में 18 बच्चों को स्कूल लेकर वैन जा रही थी तभी सोन नदी के डैम पर रोड सकरी होने के कारण अनियंत्रित हो गई। ड्राइवर वैन को संभाल नहीं पाया और वैन नदी में जा गिरी। वैन के नदीं में गिरते ही बच्चों में चीख पुकार मच गई। मौके पर ग्रामीण नहा रहे थे ग्रामीणों ने सभी बच्चों को बाहर सुरक्षित निकाल लिया। बच्चों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया

है। जहां सभी का इलाज जारी है।

मिली जानकारी के मुताबिक ग्राम पीसौद में निजी स्कूल हैप्पी पब्लिक स्कूल की वैन बच्चों को लेने के लिए गई थी सोन नदी के ऊपर बने डेम के पास पहुंचते ही वैन की स्टेयरिंग फेल होने से अनियंत्रित होकर सोन नदी में गिर गई। सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। इधर घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम भी मौके पर पहुंच गई। ड्राइवर घटनास्थल से फरार है।

बैकुंठपुर नगर पालिका में कांग्रेस पार्षदों का धरना

अध्यक्ष पर मनमानी का आरोप, बैठक नहीं होने से कई काम अटके

कोरिया। नगरपालिका परिषद बैकुंठपुर के कांग्रेस पार्षदों ने मनमानी और भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए धरना प्रदर्शन किया। पार्षदों का आरोप है कि नगरपालिका परिषद की मनमानी के कारण सत्रह महीने से परिषद की बैठक नहीं हुई है।प्रदर्शन में मौजूद नगरपालिका उपाध्यक्ष आशीष यादव ने कहा कि नगरपालिका परिषद के बंद होने के बाद इंजीनियरों ने अपने ठेकेदारों के जमा निविदा में छेड़छाड़ कर अपने पसंद के ठेकेदारों को ठेका दिया जा रहा है।

वहीं पार्षद संजय जायसवाल ने कहा कि परिषद की बैठक नहीं होने के कारण लोगों का वृद्धा पेंशन जाति और निवास प्रमाण पत्र और मृत्यु के उपरांत मिलने वाली राशि के सब काम अटके हुए हैं । प्रदर्शन में नगरपालिका उपाध्यक्ष नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस पार्षदों के अलावा कांग्रेस के नेता भी मौजूद थे। इधर कांग्रेस पार्षदों के प्रदर्शन और लगाए गए आरोपों को नगर पालिका अध्यक्ष ने नकारा है।

ये सारे आरोप गलत हैं। सभी पार्षदों से बिना भेदभाव के काम करवाया जा रहा है। परिषद की बैठक नहीं होने को लेकर मैंने खुद कलेक्टर और मंत्री को पत्र लिखा था।

नगरपालिका अध्यक्ष नविता शिवहरे ने कहा मंत्री अरुण साव ने खुद मौके से फोन लगाकर सीएमओ को कहा था कि आप मिल जुलकर काम क्यों नहीं करते हैं।लेकिन अब सीएमओ का ट्रांसफर हो गया है।नए सीएमओ को आए डेढ़ माह ही हुए हैं।उनसे बैठक के बारे में बात की गई है।जल्द ही नगर पालिका परिषद की बैठक होगी।

आपको बता दें कि नगर पालिका बैकुंठपुर में बीजेपी अध्यक्ष है।इसलिए कांग्रेस पार्षद अक्सर अध्यक्ष के खिलाफ मोर्चा खोले रहते हैं।जहां एक तरफ कांग्रेस पार्षद काम नहीं होने का आरोप लगा रहे हैं,वहीं दूसरी तरफ अध्यक्ष ने आरोपों को एक सिरे से खारिज किया है।

संक्षिप्त समाचार

दीवाली से पहले मिलेगा छत्तीसगढ़ के अधिकारी-कर्मचारियों को वेतन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के अधिकारी-कर्मचारियों को दीवाली से पहले वेतन मिल जाएगा। इसके लिए वित्त विभाग ने आदेश जारी कर दिया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर छत्तीसगढ़ के अधिकारियों, कर्मचारियों और मानसेवियों को दीवाली से पहले वेतन का भुगतान किया जाएगा। इस आशय का आदेश छत्तीसगढ़ शासन के वित्त विभाग की ओर से जारी कर दिया गया है। जारी आदेश के अनुसार अक्टूबर 2024 के वेतन और मजदूरी के भुगतान 28 अक्टूबर से करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि अधिकारियों-कर्मचारियों को दीवाली के त्यौहार से पूर्व वेतन मिल सके और वह अच्छे से त्यौहार मना सके। वित्त विभाग के आदेश अनुसार, व्यावसायिक सेवाओं से जुड़े कर्मचारियों को पारिश्रमिक, मजदूरी, और मानदेय का भुगतान भी 28 अक्टूबर से किया जाएगा। राज्य के निगम, मंडल, प्राधिकरण, विश्वविद्यालय, स्थानीय निकाय, सार्वजनिक उपक्रम और अन्य संस्थानों को भी अपनी वित्तीय स्थिति के अनुसार 28 अक्टूबर से भुगतान के संबंध में विचार करने को कहा गया है।

पुरखौती मुक्तांगन ओपन संग्रहालय 24 और 25 अक्टूबर को रहेगा बंद

रायपुर। पुरखौती मुक्तांगन ओपन संग्रहालय में 25 अक्टूबर को राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का आवगमन प्रस्तावित है। राष्ट्रपति के आगमन को देखते हुये पुरखौती मुक्तांगन संग्रहालय में आवश्यक मरम्मत, साफ सफाई तथा सुरक्षा दृष्टि से दर्शक एवं पर्यटकों के लिये 24 एवं 25 अक्टूबर को 2 दिनों तक बंद करने का निर्णय लिया गया है। 26 अक्टूबर से पुरखौती मुक्तांगन संग्रहालय पूर्ववत पर्यटकों के लिए खुला रहेगा।

दस्तावेज लेखक के साथ स्टाम्प वेंडर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे

रायपुर। दस्तावेज लेखक और स्टैंप वेंडर अपनी 9 सूत्रीय मांगों को लेकर संघ के बैनर तले तीन दिनों से राजधानी के तहसील कार्यालय के बाहर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे हैं। छत्तीसगढ़ दस्तावेज़ लेखक एवं स्टैंप वेंडर संघ ने दस्तावेज लेखक शुल्क निर्धारित करने, ई- स्टाम्प पर कमीशन बढ़ाने, बैठने की स्थाई व्यवस्था करने, डिजिटलाइजेशन में आ रही समस्याओं के समाधान समेत अन्य माँगों के साथ 10 अक्टूबर को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर अपनी मांगों से अवगत कराया था। मांगों पर विचार करने का आश्वासन भी मिला था, लेकिन सरकार की ओर से अभी तक संघ की माँगे पूरी नहीं की गई, जिसकी वजह से प्रदेश के हजारों दस्तावेज लेखक और स्टांप वेंडर हड़ताल पर चले गए हैं। इसके साथ ही मांगों के पूरा न होने तक हड़ताल पर ही बैठने का निर्णय लिया है।

बेहतर नेटवर्क कनेक्टिविटी हेतु 35 ग्राम पंचायतों में लगा मोबाइल टॉवर

बलौदाबाजार। कलेक्टर श्री दीपक सोनी के निर्देशानुसार ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर नेटवर्क कनेक्टिविटी की सुविधा बढ़ाने के उद्देश्य से 35 ग्राम पंचायतों में सूचना एवं प्रोद्योगकी विभाग के माध्यम से विभिन्न कंपनियों के द्वारा मोबाइल टॉवर लागए गए हैं । इनमे से 34 टॉवर को सक्रिय कर दिया गया है। ई -डिस्ट्रिक्ट मैनेजर से प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासखंड बलौदाबाजार अतर्गत ग्राम,पंचायत सलोनी,कंजी, कुकुरदी, सोनाडीह, खटियापाटी, नयापारा, मुण्डा, भरसेला एवं रिसदा में नया टॉवर लगाए गए हैं। इसीतरह विकासखंड भाटापारा अंतर्गत ग्राम अकोली, मल्दी, अकलतरा, सिंगारपुर,टोनाटार, मोपर, कोदवा एवं खपराडीह, पलारी विकासखंड अंतर्गत ग्राम सलोनी, टिपवन, सिसदेवरी, गिधपुरी, विकासखंड कसडोल अंतर्गत ग्राम बरेली, टुंडरा, सबर, देवरीकला, असनीद, मनाकोनी, विकासखंड सिमगा अंतर्गत ग्राम मुड़पार, लवर, बिलाईडबरी, ओटगन, रोहरा, मोहभट्टा, नेवधा एवं खिलोरा शामिल हैं।

दीपावली और छठ के दौरान 4 स्पेशल ट्रेनों का परिचालन

रायपुर। दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ पूजा के दौरान यात्रियों की सुगम आवाजाही के लिए भारतीय रेल द्वारा इस वर्ष 7350 स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। ये स्पेशल ट्रेनें 1 अक्टूबर से 30 नवंबर तक 2 महीनों के लिए चलाई जा रही है। हर साल त्योहारों के अवसर पर रेलवे द्वारा स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जाता है। इस वर्ष इन स्पेशल ट्रेनों की संख्या में भारी बढ़ोतरी की गई है इसी कड़ी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में भी दुर्गा पूजा, दीपावली एवं छठ के अवसर पर पर कुल 06 स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है, जिनमें दुर्गा पूजा के अवसर 02 स्पेशल ट्रेन का परिचालन (1) गोंदिया-सांतरागाछी (2) सांतरागाछी-गोंदिया के मध्य कुल 04 फेरों के लिए किया गया था। दीपावली एवं छठ के अवसर पर भी दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से 04 स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जाएगा, जिनमें (1) 08895 गोंदिया- छपरा छठ पूजा स्पेशल, (02 फेरे के लिए- गोंदिया से 03 एवं 04 नवंबर 2024) (2) 08896 छपरा - गोंदिया छठ पूजा स्पेशल, (02 फेरे के लिए - छपरा से 04 एवं 5 नवंबर 2024) (3) 08897 गोंदिया - पटना छठ पूजा स्पेशल, (02 फेरे के लिए - गोंदिया से 03 एवं 04 नवंबर 2024) (4) 08898 पटना - गोंदिया छठ पूजा स्पेशल, (02 फेरे के लिए - पटना से 04 एवं 05 नवंबर 2024) शामिल है गौरतलब है कि दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ पर्वों के दौरान लाखों की संख्या में यात्री सफर करते हैं ।

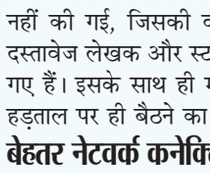

विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने किसानों का विकास जरूरी: साय

चार दिवसीय एग्री कार्नीवाल -'राष्ट्रीय किसान मेला एवं कृषि प्रदर्शनी'' का शुभारंभ

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा आयोजित चार दिवसीय एग्री कार्नीवाल - 2024 ''राष्ट्रीय किसान मेला एवं कृषि प्रदर्शनी'' का शुभारंभ आज छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता प्रदेश के कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी मंत्री रामविचार नेताम ने की। इस अवसर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय प्रबंध मण्डल के सदस्यगण सथा विमल चावड़ा, रामसुमन उइके एवं श्रीमती जानकी सत्यनारायण चन्द्रा भी गरिमामय रूप से उपस्थित रहे। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने अपने स्वागत भाषण में राष्ट्रीय किसान मेला के विभिन्न कार्यक्रमों की रूप-रेखा के साथ विश्वविद्यालय की गतिविधियों एवं उल्लेखनीय सफ्लताओं की जानकारी प्रदान की। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बताया कि विकसित भारत की परकिल्पना को साकार करने के लिए किसानों का विकास अनिवार्य है। किसानों की समस्या-समाधान एवं उनकी आमदनी बढ़ाना छत्तीसगढ़ की वर्तमान सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने किसानों से आव्हान किया कि धान की खेती के साथ-साथ आमदनी बढ़ाने के लिए मत्स्य पालन, पशुपालन एवं उद्यानिकी फ्सलों को अपनी खेती की एक भाग के रूप में अनिवार्य रूप से शामिल करें। उन्होंने छत्तीसगढ़ में इस वर्ष अच्छी बारिश के कारण धान के रिकार्ड उत्पादन एवं खरीदी की संभावना व्यक्त की। कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम बताया कि

कृषि में स्वरोजगार के लिए उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ फ्सल चक्र परिवर्तन, कृषि उत्पाद की पैकेजिंग एवं मार्केटिंग के लिए विशेष प्रयास की आवश्यकता है। श्री बृजमोहन अग्रवाल, सांसद रायपुर ने बताया कि हमारे मुख्यमंत्री एवं कृषि मंत्री जी स्वयं कृषक हैं इसलिए छत्तीसगढ़ में कृषि के क्षेत्र में निरंतर उन्नति हो रही है। छत्तीसगढ़ शासन की योजनाओं के कारण वर्तमान में धान की खेती फायदे का सौदा है और फ्सल चक्र अपनाकर उद्यानिकी फ्सलों को शामिल कर कृषकों को आय बढ़ाने का सुझाव दिया। उद्घाटन कार्यक्रम में 6 किसानों को मसूर की नई किस्म के मिनी किट प्रदान किये गये। एग्री कार्नीवाल में जॉब फेयर से चयनित 6 कृषि स्नातक विद्यार्थियों को भी विभिन्न कम्पनियों द्वारा आफ्र लेटर प्रदान किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कॉफी टेबलबुक ''अग्रसर'' सहित अन्य कृषक उपयोगी प्रकाशनों का अतिथियों द्वारा विमोचन भी किया गया। कृषि स्टार्टअप के युवा उद्यमियों को अनुदान राशि का चैक भी प्रदान किया गया।

आज एग्री कार्नीवाल में प्रदेश के विभिन्न जिलों से लगभग 4 हजार किसान भाई-बहनों एवं लगभग 1 हजार विद्यार्थियों ने प्रक्षेत्र भ्रमणएवं प्रदर्शनी द्वारा कृषि तकनीकों की जानकारी प्राप्त की।

मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से 29 को करेंगे अस्पताल का लोकार्पण

जगदलपुर। बस्तरवासियों की इस दीवाली के अवसर पर बड़ी सौगात बहुप्रतिक्षित बस्तर संभाग के पहले सुपर स्पेशलिटी अस्पताल की मांग पूरी होने की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। मिली जानकारी के अनुसार डिमरापाल जगदलपुर में 211 करोड़ की लागत से बना 10 मंजिला जिसमें कुल 245 बेड की क्षमता वाले सुपरस्पेशलिटी अस्पताल का 29 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इसका लोकार्पण करेंगे। दस मंजिला इस अस्पताल का काम लगभग अंतिम पड़ाव में है, आधुनिक मशीनों का इंस्टालेशन किया जा रहा है। मेडिकल कॉलेज जगदलपुर प्रबंधन के अंतर्गत चलने वाले इस सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के शुभारंभ के लिए तैयारी शुरू कर दी गई है। लेकिन सुपरस्पेसिलिटी अस्पताल में स्टाफ की अब तक अलग से भर्ती नहीं हुई है, फिलहाल मेकॉज के स्टाफ से ही इसे शुरू किया जाएगा। इसके लिए जहां मेकॉज के ही डीन इसके भी डीन होंगे। प्रदीप बेग ने सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के डीन जिम्मेदारी संभाल ली है। वहीं बताया जा रहा है कि इसके अधीक्षक अलग होंगे, टीकू सिंह इसके लिए जगदलपुर पहुंचकर अधीक्षक का प्रभार भी ले लिया है।

आकाश शर्मा को बाहरी बताने पर दीपक बैज ने किया पलटवार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट पर उपचुनाव को लेकर अब भाजपा और कांग्रेस ने अपने प्रत्याशी घोषित कर दिये हैं। भाजपा से पूर्व सांसद सुनील सोनी और कांग्रेस से युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा को चुनावी मैदान में उतारा है। इसी के साथ ही प्रदेश में चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है। भाजपा ने कांग्रेस प्रत्याशी आकाश शर्मा को बाहरी बताया था, जिसपर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने पलटवार किया है। उन्होंने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि ये राजस्थानी तो नहीं है, छत्तीसगढ़ का ही है नज छत्तीसगढ़ से कोई कहीं से भी हो सकता है, सरगुजा से हो सकता है, बस्तर से हो सकता है, पर राजस्थान से तो नहीं है कम से कम।

भाजपा प्रत्याशी एवं पूर्व सांसद सुनील सोनी ने आज नामांकन भरा। वहीं युवा नेता आकाश शर्मा की नामांकन रैली कल निकाली जाएगी। इसे लेकर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा कि आकाश शर्मा के नामांकन के लिए कल हम बड़ी संख्या में जनता और कार्यकर्ताओं के साथ जायेंगे, बड़ी गैदरिंग के साथ जायेंगे और नामांकन भरेंगे।

कांग्रेस प्रत्याशी घोषित होने के दूसरे

दिन ही अन्य दावेदारों का दर्द सोशल मीडिया में छलकते दिखा। प्रमोद दुबे और कन्हैया अग्रवाल के एक्स (पूर्व में ट्वीटर) पर किए गए पोस्ट चर्चा में हैं। इसे लेकर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा कि- उनकी नाराजगी को बिल्कुल दूर करेंगे। घर की बात है, पार्टी की बात है। थोड़ी देर तकलीफ रहती है, सभी लोग अपने मैदान से क्षेत्र में चुनाव के समय 5 साल काम करते हैं। हम लोग मिलकर सबकी नाराजगी दूर करेंगे।

उन्होंने अन्य दावेदारों को लेकर कहा कि कैंडिडेट सेलेक्ट करने में बहुत मंथन और चिंतन करना पड़ा, इसलिए हमने हाई कमान के ऊपर सब छोड़ दिया था। हाई कमान ने आकाश शर्मा, युवा चेहरे को प्रत्याशी बनाया है।

सूरजपुर हत्या कांड मामले में कलेक्टर-एसपी बदले जाने के सरकार के फैसले को लेकर भी दीपक बैज ने सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि जब से भाजपा की सरकार बनी है, 10 महीने में छत्तीसगढ़ को अपराध का गढ़ बना दिया है। उन्होंने कहा कि यह प्रशासनिक असक्षमता है। सूरजपुर के कलेक्टर एसपी चेंज कर दिए। कवर्धा मामले में भी ऐसा हुआ, छत्तीसगढ़ के इतिहास में आज तक कभी ऐसा नहीं हुआ। इनको बदलने की जगह अगर गृह मंत्री को बदल देते तो अपराध रुक जाते। उन्होंने कहा कि विधायक अजय चंद्राकर का बयान स्वाभाविक और सच्चाई है, सरकार का इंटेलिजेंस और सूचना तंत्र सब फेलियर है।

टिकट पाने से वंचित रहे कांग्रेस नेता प्रमोद दुबे और कन्हैया अग्रवाल के ट्वीट की चर्चा

रायपुर। रायपुर दक्षिण उपचुनाव में टिकट पाने कांग्रेस के कई नेता दौड़ में रहे। लेकिन सफलता युवा कांग्रेस अध्यक्ष आकाश शर्मा को मिली। 22 अक्टूबर को पार्टी ने आकाश के नाम की घोषणा कर दी। आज 23 अक्टूबर को जब कांग्रेस की चुनावी बैठक चल रही है उस बीच टिकट पाने से वंचित रहे नेताओं के ट्वीट की चर्चा भी होने लगी। दरअसल उपचुनाव लड़ने की इच्छा के साथ कांग्रेस के कई नेताओं ने नामांकन फार्म खरीद लिया था। इनमें प्रमुख रूप से प्रमोद दुबे और कन्हैया अग्रवाल के नाम शामिल है। इन्हें भरोसा था पार्टी टिकट देगी, लेकिन पार्टी ने आकाश के नाम की घोषणा कर दी। प्रमोद दुबे और कन्हैया अग्रवाल दोनों ही सीनियर नेता है। दोनों ने आकाश को टिकट मिलने पर बधाई भी दी है। लेकिन बधाई के साथ ही इन नेताओं ऐसा कुछ भी लिख दिया है, जिसकी बाहर खूब चर्चा है। कांग्रेस नेता प्रमोद दुबे ने अपने एक्स लिखा है- न पाने की चिंता न खोने का डर है। जिंदगी का सफर,अब सुहाना सफर है। इसी तरह कन्हैया अग्रवाल ने अपने एक्स पर लिखा है- द्वन्द कहाँ तक पाला जाए, युद्ध कहाँ तक टाला जाए, तू भी है राणा का वंशज, फेंक जहाँ तक भाला जाए।

पार्टी के अंदर और बाहर कांग्रेस नेताओं ने जो किया पोस्ट किया है उसके मायने आप सब बेहतर ही समझते होंगे।

विधायक के आग्रह पर मुख्यमंत्री ने सरगुजा प्राधिकरण के बजट को 75 करोड़ किया

एमसीबी। पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री व भरतपुर-सोनहत विधायक रेणुका सिंह के आग्रह पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के बजट में 25 करोड़ रुपये की वृद्धि की है। भरतपुर-सोनहत विधायक की मांग पर मुख्यमंत्री ने प्राधिकरण का बजट 50 करोड़ से बढ़ाकर 75 करोड़ करने का निर्णय लिया है अब सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण का बजट 75 करोड़ हो जाने से वनांचल क्षेत्रो का तेजी से विकास होगा। सरगुजा संभाग तेजी से विकास पथ पर अग्रसर होगा।

प्राधिकरण के बजट में वृद्धि होने स्व शिक्षा, स्वास्थ्य स्वरोजगार, बिजली, पर्यटन क्षेत्रों मोबाइल नेटवर्क को चिन्हांकित कर विकास किया जाएगा। गौरतलब है कि सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की बैठक प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में मंगलवार को जशपुर के मियाली नेचर कैंप में आयोजित थी जिसमे सरगुजा संभाग के सभी विधायकों के साथ ही प्रदेश के कैबिनेट मंत्रियों के अलावा विभिन्न विभागों के सचिवों ने हिस्सा लिया था। 5 साल बाद हुई प्राधिकरण की बैठक में एक-एक कर मंत्रियों व विधायकों ने अपने-अपने सुझाव रखे। इस दौरान भरतपुर-सोनहत विधायक रेणुका सिंह जो खुद 2003 से लेकर 2008 तक सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष रही हैं, ने कहा कि सरगुजा संभाग काफी बड़ा है कई वनांचल इलाके इस संभाग में है जहां विकास कार्यों की आवश्यकता है, लेकिन प्राधिकरण के बजट में अभी सिर्फ 50 करोड़ है ऐसे में बजट कम होने से कई इलाको में उतना कार्य नहीं हो पाता जितना होना चाहिए विधायक रेणुका सिंह ने अपनी विधानसभा भरतपुर-सोनहत क्षेत्र के भगौलिक व क्षेत्रफल के हिसाब से उदाहरण देते हुए प्राधिकरण की बैठक में कहा कि विधानसभा क्षेत्र के जनसंपर्क के दौरान मेरा कई ऐसे वनांचल क्षेत्रों में जाना हुआ जहां लोग आज भी मूलभूत सुविधाओं को तरसते है। कई इलाके तो ऐसे है जहाँ आज भी मोबाइल नेटवर्क नहीं है। विधायक रेणुका सिंह के आग्रह व तार्किक बातों पर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के बजट 50 करोड़ से बढ़ाकर 75 करोड़ करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री की इस बड़ी घोषणा के लिए विधायक रेणुका सिंह ने भरतपुर-सोनहत विधानसभा क्षेत्रवासियों की तरफ से मुख्यमंत्री का आभार जताया है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, नारायणपुर
जिला-नारायणपुर (छत्तीसगढ़)
टेलीफोन नंबर -07781) 252934 ई-मेल eenar-phe-cg@nic.in", eephedn.npur@gmail.com

मैन्युवल पद्धति से निविदा आमंत्रण सूचना

नि.आ.क्रमांक/30/त. शा./ कार्य. अभि./लो.स्वा.यां.वि./2024 नारायणपुर दिनांक 18/10/2024

छत्तीसगढ के राज्यपाल की ओर से मुहरबंद निविदाएँ प्रपत्र अ प्रतिशत दर पर नारायणपुर जिला अन्तर्गत विकासखण्ड नारायणपुर / ओरछा के ग्रामों में योजनाओं के लिए स्त्रोंत निर्माण कार्य हेतु 150 मि.मी. व्यास के 90 मीटर नलकूप खनन कार्य हेतु डी या उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लो.स्वा.यां. खण्ड नारायणपुर में आमंत्रित की जाती है।

समूह क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रू.लाख में)
1	2	3
1	नारायणपुर जिले के विकासखण्ड नारायणपुर/ ओरछा अन्तर्गत स्वीकृत योजनाओं में स्त्रोंत निर्माण हेतु नलकूप खनन कार्य।	7.98 लाख

उपरोक्त कार्य हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथि 29.10.2024 है। साथ ही निविदा समस्त शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

कार्यपालन अभियन्ता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
नारायणपुर (छग)
जी- 242503341/2

कहीं खेला न हो जाए, इसलिए कांग्रेस ने बदली रणनीति

रायपुर। रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव को काफी गंभीरता से ले रही हैं दोनों प्रमुख पार्टियां,इसलिए कि यह प्रतिष्ठा का सवाल है। एक नहीं कई के लिए। जहां तक कांग्रेस का सवाल है नए चेहरे युवा कांग्रेस अध्यक्ष आकाश शर्मा पर इस बार दांव लगाया है,जो दौड़ में शामिल बड़े चेहरों को चित्त करने में सफल रहे और दिल्ली से अपने नाम पर मुहर लगवा ली.टिकट तो ले लिया है लेकिन चुनाव कैसे जीत पायेंगे,इस पर भी सवाल उठने लगा हैं,क्योकि सत्ताधारी दल हर मायनो में बीस ही पड़ेंगे,वहीं अपने उत्तराधिकारी को जितवाने बृजमोहन अग्रवाल भी पूरी ताकत झोकेंगे। इसलिए यह कहना उचित नहीं कि बृजमोहन मैदान में नहीं हैं। दूसरा अहम सवाल क्या कांग्रेस एकजुट हैं? जिनकी टिकट कटी क्या वे सहयोग करेंगे? जैसे कि सियासी बोलचाल में सहज ही कहा जाता है कि कांग्रेसी ही काफी है कांग्रेस को निपटाने में,क्या यह ठप्पा हटेगा.? यहीं कुछ भांपकर पीसीसी ने

इस बार चुनावी रणनीति बदल दी है। चुनाव की मानीटरिंग भले ही पीसीसी की ओर से होगा लेकिन वार्ड के पार्षद व छाया पार्षदों को कह दिया गया है उन्हे केवल अपने वार्ड का जिम्मा लेना है। आगे निकाय चुनाव में इसी आधार पर पार्षद के लिए नाम तय करेगी पार्टी,वहीं बड़े नेता भी मोर्चा संभालेंगे। दोनों ही दलों में टिकट न मिलने वालों के बीच कहीं न कहीं नाराजगी तो हैं,भले ही वे जाहिर न करें। इसे कैसे भुनाया जाए इसका प्रयास भी दोनों दल के रणनीतिकार करेंगे। हरियाणा चुनाव में जिस प्रकार का खेला कांग्रेस पार्टी के साथ हुआ वैसा कहीं इस उपचुनाव में न हो इसके लिए प्रभारी सचिन पायलट की एक टीम रायपुर पहुंचने वाली है जो चुनाव खत्म होते तक यहां डटेगी। अभी तो शर्मा जी बड़े नेताओं के पास आर्शिवाद लेने व मान मनौव्वल में जुटे हुए है। नामांकन के बाद आगे की तस्वीर साफ होगी।

PUBLIC WORKS DEPARTMENT, E/M CIRCLE, RAIPUR (C.G.)

e-Procurement Tender Notice

Online tenders are invited on behalf of Governor of Chhattisgarh from contractors, C.G. P.W.D in new Registration system **(unified Registration system)** for the following work :-

NIT No.	Name of work	Probable amount of contract in RS Laes	Last date of Bid submission
29/SE E/M/2024-2025 (Call) System Tender No 159664 Registered contractor class in "D" & above For Form "A"(Percentage Rate Tender)	NIT SCHEDULE FOR FOR CONMPREHENSIVE MAINTENANCE AND OPERATION OF ALL TYPES (SPLIT/CASSATE/TOWER) AIR CONDITIONERS INSTALLED AT UNDER PWD E/M SUB DN. DKS (MANTRALAY), RAIPUR. (CG)	25.00	28-10-2024
30/SE E/M/2024-2025 (Call) System Tender No 159671 Registered contractor class in "D" & above For Form "A" (Percentage Rate Tender)	NIT SCHEDULE FOR SUPPLY OF ELECTRICAL ITMES UNDER PWD E/M SUB-DIVISION D.K.S. (M) RAIPUR (C.G.)	40.00	06-11-2024
31/SE E/M/2024-2025 (Call) System Tender No 159688 Registered contractor class in "D" & above For Form "A" (Percentage Rate Tender)	PROVIDING GENERAL ELECTRIFICATION WORK TO PROPOSED SR/MOW/OW/DEPOSIT AT SIRPUR BHAWAN SECTION UNDER PWD E/M WORKSHOP SUBDIVISION RAIPUR (C.G.)	40.00	28-10-2024
32/SE E/M/2024-2025 (1 Call) System Tender No 159691 Registered contractor class in "D" & above For Form "A" (Percentage Rate Tender)	PROVIDING GENERAL ELECTRIFICATION WORK TO PROPOSED OW/MOW/DEPOSIT/SR & ORDINARY MAINTENANCE WORK AT NEW DELHI SECTION (C.G.) BHAWAN, C.G. SADAN, C.G. TRIBAL YOUTH HOSTEL ETC.) UNDER PWD E/M WORKSHOP SUBDIVISION RAIPUR (C.G.)	75.00	28-10-2024
33/SE E/M/2024-2025 (1 Call) System Tender No 159692 Registered contractor class in "D" & above For Form "A" (Percentage Rate Tender)	PROVIDING ELECTRIFICATION WORK M.O.W./S.R. /O.W/ DEPOSIT WORK/GENERAL IN PENSION BADA & BAYRON BAZAR SECTION UNDER P.W.D. E/M. WORKSHOP SUB DIVISION RAIPUR (C.G.)	70.00	28-10-2024

The tender documents can be downloaded from the web-portal http://eproc.cgstate.gov.in.Only those contractors/bidders, interested in bidding shall pay the tender document cost online.

Superintending Engineer
P.W.D., E/M Circle Raipur (C.G.)
G- 242503357/6

पुतिन ने भारत-चीन में कैसे करा दी दोस्ती!

अभिनय आकाश

अमेरिका जो नहीं चाहता था रूस ने वो कर दिखाया। भारत और चीन के बीच दोस्ती की तस्वीर अमेरिका को चुभने वाली है। दुनिया की तीन बड़ी शक्तियां, तीन बड़ी सुपर पावर एक साथ आ गई है। रूस, चीन और भारत का यह संगम पूरे वेस्टर्न वर्ल्ड में तूफान ले आया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ तस्वीर तेजी से वायरल हो रही है। हर तरफ भारत और चीन की दोस्ती की चर्चा होने लगी है। इंडिया चाइना रिलेशन और भारत की डिप्लोमेसी में आया ये बदलाव टर्निंग पॉइंट है। इसने पूरा खेल मानो पलट कर रख दिया है। वह भी तब जब अमेरिका को लग रहा था कि पत्ते उसके हिसाब से बिछ रहे हैं, तब अचानक से पुतिन ने तो पूरा खेल ही पलट दिया। प्रधानमंत्री मोदी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए रूस पहुंचे तो यह किसी ने नहीं सोचा था कि भारत और चीन के बीच दोस्ती हो जाएगी और दोनों देशों के बीच लंबे विवाद सुलझ जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच रूस के कजान में द्विपक्षीय बैठक होगी। 2019 के बाद 5 सालों मैं यह पहला मौका होगा जब दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय बैठक की मेज पर आमने-सामने की बैठक होगी। पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर गतिरोध के बाद यह पहला मौका होगा जब दोनों नेता बैठक करेंगे। दो दिन पहले ही दोनों देशों के बीच एलएसी पर पेट्रोलिंग को लेकर सहमति बनी है। दोनों देशों के बीच सीमा विवाद सुलझाने को लेकर की गई अहम घोषणा के बाद यह पहली मुलाकात होगी। देखना होगा कि दोनों नेताओं के बीच यह बैठक होती है तो उसमें किस तरह की सहमति बनती है। भारत और चीन के बीच इस नई बनी सहमति का ब्रिक्स शिखर बैठक के माहौल और उसके एजेंडे पर किस तरह का पॉजिटिव प्रभाव पड़ता है। भारत और चीन के बीच पिछले कुछ सालों में संबंध काफी उतार-चढ़ाव बड़े रहे हैं गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद से दोनों देशों के बीच संबंधों में भारी गिरावट आई थी। इस संघर्ष के बाद दोनों ने सीमा पर गश्त को लेकर कई दौर की बातचीत की है, लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं निकल पाया। हाल ही में भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि दोनों देशों के वार्ताकार पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गश्त को लेकर एक समझौते पर पहुंचे हैं। इस समझौते में भारत के लिए संतोष की बात यह है कि एलएसी पर फिर से 2020 के पहले जैसी स्थिति बन गई। यही वह सबसे बड़ा मुद्दा था, जहां बातचीत अटक जाती थी। विवाद से जुड़े कई बिंदुओं पर सहमति बन चुकी थी। बाकी मसलों पर भी बातचीत चल रही थी। सहमति इस पर बनी है कि देपसांग और डेमचॉक एरिया में जहां दोनों देशों ने एक दूसरे की पट्रोलिंग ब्लॉक की है वहां डिसइंगमेंट होगा और पट्रोलिंग फिर से शुरू होगी। डेपसांग में जिन जगहों पर भारतीय सैनिक पहले पट्रोलिंग के लिए जाते थे, उनमें से कई जगहों पर चीनी सैनिक आ कर बैठ गए, जिस वजह से वहां भारतीय सेना की पट्रोलिंग रूक गई थी। इसके जवाब में भारतीय सेना ने भी उन जगहों पर अपनी तैनाती की जिससे कुछ पॉइंट्स पर चीन के सैनिकों की पट्रोलिंग भी ब्लॉक हुई। अब यह पट्रोलिंग फिर से शुरू की जाएगी। डेमचॉक में चीन ने उन जगहों पर नए टेंट लगाए हैं जहां पहले उसके टेंट नहीं थे। उसके जवाब में भारतीय सेना ने भी वहां अपने टेंट लगाए और अब लगभग दोनों आमने सामने हैं। यहां से भी दोनों देशों के सैनिक अप्रैल 2020 से पहले वाली पोजिशन में जाएंगे और यहां भी पेट्रोलिंग शुरू होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने दो दिन पहले स्पष्ट किया कि ब्रिक्स गैर-पश्चिमी देशों का मंच भले हो, यह पश्चिम विरोधी मंच नहीं है। यह किसी के खिलाफ नहीं है। वैसे भी भारत पहले से ही राष्ट्रीय हितों पर आधारित स्वतंत्र और संतुलित नीति का अनुसरण करता रहा है। ऐसे में अगर चीन और भारत के द्विपक्षीय रिश्तों में कड़वाहट कम होती है तो यह किसी भी अन्य देश की चिंता का कारण नहीं होना चाहिए। भारत और चीन बॉर्डर के मामले पर लगातार बैठकें कर रहे थे। दोनों देशों के बीच बॉर्डर अफेयर्स पर वर्किंग मैकेनिज्म फॉर कंसल्टेशन एंड कॉर्डिनेशन ऑन इंडिया चाइना की कई दौर की बैठकें हो चुकी हैं।

गांदरबल हमला लोकतंत्र को दहलाने की साजिश

ललित गर्ग

जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में 20 अक्टूबर रविवार रात को आतंकवादियों ने जिस तरह टारगेट किलिंग से एक कंस्ट्रक्शन प्रॉजेक्ट में काम कर रहे लोगों को निशाना बनाया, वह कई लिहाज से गंभीर, चिन्ताजनक एवं चुनौतीपूर्ण घटना है। यह आतंक का अंधेरा फैलाने एवं अमन के उजाले को लीलने की गहरी साजिश है। यह जहां आतंकवादियों की बौखलाहट की निष्पत्ति है वहीं उनकी बदली प्राथमिकताओं की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। राज्य में टारगेट किलिंग की यह कोई नई घटना नहीं है बल्कि हाल ही के वर्षों में सुरक्षा बलों के कैम्पों से लेकर प्रवासी मजदूरों के घरों एवं कश्मीरी पंडितों पर ऐसे टारगेट किलिंग हमले होते रहे हैं जिसके पीछे आतंकी संगठनों की हताशा ही दिखाई देती है। टारगेट किलिंग पाकिस्तान की कश्मीर में अशांति एवं आतंक फैलाने की नई साजिश है। अनुच्छेद-370 हटाए जाने के बाद से ही टारगेट किलिंग की घटनाएं बढ़ी हैं। वर्ष 2022 और 2023 में आतंकियों ने न केवल कश्मीरी पंडितों को निशाना बनाया बल्कि प्रवासी मजदूरों की भी लक्षित हत्याएं की। चुनाव में बाधा डालने के उनके तमाम प्रयास निष्फल हो जाने, लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव शांतिपूर्वक होने और इनमें लोगों की भागीदारी के भी रेकॉर्ड बनने से आतंकवादी हताश एवं निराश हो गये। पाकिस्तान बौखला गया। अब आतंकी तत्वों ने जम्मू-कश्मीर में निर्वाचित सरकार के गठित होते ही इस बड़े हमले को अंजाम देकर यह जताने का प्रयास किया है कि वे जनादेश के तहत बनी इस सरकार की राह में अड़ंगा डालने का हरसंभव प्रयास करते रहेंगे, अशांति एवं आतंक फैलाते रहेंगे। लेकिन इन चुनौतियों को निस्तेज करने के लिये प्रांत एवं केन्द्र सरकार को कमर कसनी होगी। सुरक्षा बलों को नये तेवर दिखाने होंगे।

लक्षित हत्याएं न केवल पीड़ितों और उनके परिवारों को अपूरणीय क्षति पहुंचाती हैं, बल्कि जम्मू-कश्मीर में स्थायी शांति को बढ़ावा देने के प्रयासों को भी गहरा झटका देती हैं। ये हत्याएं न केवल जम्मू-कश्मीर के समाज के विविध ताने-बाने को कमजोर करती हैं, बल्कि घाटी में रहने वाले गैर-स्थानीय और अल्पसंख्यक समुदायों में असुरक्षा भी पैदा करती हैं। ये हत्याएं विकास को अवरूद्ध करती

है, बल्कि उद्योग, व्यापार, पर्यटन एवं सौहार्द को भी खण्डित करती है। सुरक्षा बलों पर विभाजनकारी एवं आतंकी ताकतों के खिलाफ अपना दृढ़ रुख बनाए रखने का दायित्व है, जिसे संदिग्ध गतिविधियों के बारे में जानकारी साझा करने में स्थानीय लोगों के सक्रिय सहयोग से बल मिलता है। जबकि घाटी में शांति ने प्रगति की है, इस नाजुक संतुलन को बाधित करने के किसी भी प्रयास का सुरक्षा बलों और स्थानीय लोगों, दोनों द्वारा कड़ा विरोध किया जाना चाहिए।

कश्मीर में लम्बे समय से अमनचैन एवं शांति के साथ विकास की गंगा प्रवहमान रही है। सुरक्षा बलों की सतर्कता से जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं में आई कमी और आम जनजीवन पर उनके घटते असर से चिंतित आतंकी आकाओं ने आम चुनावों के दरम्यान अपनी सक्रियता बढ़ा दी, लेकिन वे कुछ कर नहीं पाये। अब मौका मिलते ही उन्होंने ऐसे इलाकों को चुना है जहां सुरक्षा बलों की तैनाती कम और मुश्किल थी। टारगेटेड अटैक के जरिए बाहरी लोगों को निशाना बनाया गया ताकि उनमें घबराहट फैले, अफरा-तफरी मचे और पर्यटकों का आना कम हो। इसीलिये आतंकियों ने इस बार हमले के लिए श्रीनगर और सोनमर्ग के बीच बनाई जा रही जेड-मोड टनल का काम कर रहे लोगों को चुना गया। यह टनल न केवल जम्मू-कश्मीर के विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि रणनीतिक तौर पर भी खासी अहमियत रखती है। इसके निर्माण से श्रीनगर और करगिल के बीच निर्बाध संपर्क सुनिश्चित होगा और श्रीनगर व लेह के बीच की यात्रा में लगने वाला समय कम हो जाएगा। यही नहीं, इस टनल के जरिए पर्यटकों के पसंदीदा शहर सोनमर्ग की हर मौसम में सुविधाजनक पहुंच भी सुनिश्चित की जा सकेगी।

गांदरबल का हमला आतंकियों की एक बड़ी सफलता है, कश्मीर में आतंक-अशांति फैलाने और विकास की गति को अवरूद्ध करने की साजिश है। जाहिर है, पाकिस्तानी जमीन पर बैठे आतंकवादी तत्वों ने इस एक हमले के जरिए कई उद्देश्य पूरे करने की कोशिश की है। उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में सरकार गठन के बाद पाकिस्तान के इशारे पर कश्मीर घाटी में एक बड़ी आतंकी घटना को सफलतापूर्वक अंजाम दे दिया जाना हमारे लिये चिन्ता के साथ चेतावनी भी है। यह घटना चेता भी रही है कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के निर्वाचन क्षेत्र गांदरबल में केन्द्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे टनल प्रोजेक्ट में कार्यरत सात प्रवासी श्रमिकों पर अंधाधुंध फायरिंग कर आतंकवादियों ने उनकी हत्या कर दी। मृतकों में एक स्थानीय डॉक्टर भी शामिल था। मरने वालों में पंजाब, बिहार और कठुआ के रहने वाले मजदूर शामिल हैं। कई श्रमिकों के घायल होने की खबर है जिनका अस्पताल में उपचार चल रहा है। ये सभी श्रमिक काम खत्म करने के बाद मेस में खाना खाने बैठे थे। तभी आतंकवादियों ने उन्हें गोलियों से भून दिया। निश्चितरूप से यह आतंकवादियों की कायराना एवं शर्मनाक करतूत है। इस घटना से चार दिन पहले शोपियां में बिहार के एक मजदूर की हत्या कर दी थी। ये हत्याएं आतंकवाद की अंधाधुंध हिंसक एवं आतंकी प्रकृति को उजागर करती हैं जो अपने रास्ते में किसी को भी नहीं छोड़ते। निर्दोष नागरिकों की बेवजह हत्या किसी एक परिवार के किसी प्रियजन को ही नहीं छीनता बल्कि उन लोगों में भी खौफ पैदा करता है जो आतंकवाद की छाया में भी रोजी-रोटी कमाने के लिए जम्मू-कश्मीर में मजदूरी करते हैं।

क्या नई सरकार का गठन आतंकवादियों के लिये सहूलियत भरा है? ऐसा है तो इसके सन्देश को समझना होगा। स्वयं उमर अब्दुल्ला सरकार एवं नेशनल कांफ्रेन्स को इसे गलत साबित करते हुए आतंकवादियों के खिलाफ सख्त होना होगा। एक बड़ा प्रश्न है कि जम्मू कश्मीर में उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में नई सरकार बनने के बाद वहां सक्रिय आतंकवादियों और अलगाववादी ताकतों के हौसले एकाएक बुलंद क्यों हो गये? गौरतलब है कि जब जम्मू कश्मीर में नेशनल कांफ्रेन्स को बहुमत मिला था तो कश्मीर घाटी में इस जीत की खुशी में आपत्तिजनक नारे लगाए गए थे। यहां तक की पाकिस्तान के झंडे भी लहराए गए थे। ऐसा क्यों हुआ? इस तरह आतंकियों के हौसलें बुलन्द होना नवगठित सरकार एवं वहां की जनता के लिये गहन चिन्ता का विषय होना चाहिए। भले ही हमले के बाद आई प्रतिक्रियाओं से साफ है इस मसले पर पक्ष-विपक्ष पूरी तरह एकजुट है। सबसे बड़ी बात यह कि अब आतंक के खिलाफ उठे इन स्वरों में जम्मू-कश्मीर के लोगों की नुमाइंदगी कर रही आवाजें भी शामिल हैं।

सम्मिलित सुनियोजित प्रयासों से जम्मू-कश्मीर को आतंकवाद के बचे-खुचे निशानों से भी मुक्त करने का लक्ष्य अब पहुंच से दूर नहीं कहा जा सकता। लेकिन इसके लिये सन्देह एवं शंकाओं के घेरों को तोड़ना होगा। कश्मीर घाटी में आतंकवादियों के सफाए के लिए भारतीय सेना और सुरक्षा बल के जवान लगातार मुहिम चला रहे हैं उनके प्रयासों को बिना राजनीति किये तीक्ष्ण एवं तीव्र करना होगा। इस बीच जम्मू कश्मीर के उरी सेक्टर में पाकिस्तान के आतंकवादियों ने घुसपैठ करने की कोशिश की है जिसे भारतीय सेना ने नाकाम कर दिया। जाहिर है पाकिस्तान कश्मीर घाटी में अशांति फैलाने के लिए सीमा पार से साजिशें कर रहा है। इसलिए जम्मू कश्मीर में भारतीय सेना और सुरक्षाबलों को और अधिक सतर्क रहने की जरूरत है ताकि आतंकवादी कश्मीर घाटी में फिर ऐसी आतंकी घटना की पुनरावृत्ति न कर पाए। जनता ने स्पष्ट जनादेश देकर यह संदेश दिया कि घाटी में लोकतंत्र महके, ना कि दहके। यह जनादेश आतंकवाद और अलगाववाद से मुक्ति की चाहत का परिणाम है। राज्य की जनता ने अपनी उम्मीदों को लेकर सरकार चुनी और नैशनल कांफ्रेंस पर भरोसा जताया। नई सरकार के सामने जनता की उम्मीदों को पूरा करने की चुनौती तो है ही, सबसे बड़ी चुनौती तो आतंकवाद को जड़ से खत्म करना और ऐसा वातावरण सृजित करना है जिसमें आम आदमी खुद को सुरक्षित महसूस करे और इस क्षेत्र में विकास की धारा के साथ कदम से कदम मिलाकर चले। जम्मू-कश्मीर में गरीबी, अन्याय और आतंकवाद के खिलाफ अभी लम्बा सफर तय करना बाकी है। आतंकवाद के पैर उखाड़ने के लिये जनता एवं सरकार की मिली-जुली शक्तियां सामने आये।

पुराण दिग्दर्शन .... तीसरा अध्याय

वेदपुराण-परम्पराध्यायः

गतांक से आगे...

यदि हमारे कथन पर विश्वास न हो तो नीचे लिखे उदाहरण पर विचार कीजिए- (1) दयानन्दी संस्कारविधि में नामकरण संस्कार के अन्तर्गत नीचे लिखा क्रोऽसि कतमोऽसि आदि मन्त्र आता है। इसका विनियोग उक्त पुस्तक में पिता बालक के नासिकाद्वार से बाहर निकलते हुवे वायु को स्पर्श करके कहने में लिखा है, और दयानन्दी यजुर्भाष्य (7।26) में तथा संस्कार-प्रकाश आदि में इसका निम्नलिखित अर्थ लिखा है यथा: -

कोऽसि कतमोऽसि कस्याऽसि को नामासि । (यजु: 7।26) अर्थात् तू (क:) कौन (असि) है। (कतम:) बहुतों के बीच में कौनसा (असि) है (कस्य) किस का पुत्र (असि) है। तेरा (क:) क्या (नाम) नाम (असि) है।

यह विधि बालक के जन्मदिन से 11वें दिन करनी लिखी है । अब इन बुद्धि के शत्रुओं से कोई पूछे कि वह सद्योजात दुधमुंहा बच्चा उक्त प्रश्नों का क्या उत्तर दे सकता है? तथा बह किस का पुत्र है इस प्रश्न का उत्तर तो कदाचित् उसकी माता ही ठीक 2 दे सकती है। अन्यथा ग्यारह के झमेले में अन्य किसी पुरुष को क्या पता लग सकता है। यह है दयानन्दियों के वैज्ञानिक भाष्य का एक नमूना !

वास्तव में कात्यायनसूत्र- इस मन्त्र को यज्ञस्थ प्रजापति रूप द्रोण कलश प्रार्थना में विनियुक्त करता है। यथा: -

कोऽसीति द्रोणकलशमिति । (का0 6।7।14 उव्वट महीधर आदि सभी भाष्यकारों ने विनियोगानुकूल ही इसका अर्थ किया है कि-

हे द्रोणकलश ! तू (क:) प्रजापति (असि) है (कतम:) अतिशय से प्रजापति (असि) है। (कस्य) प्रजापति का (असि) है। (को नामाऽसि) प्रजापति ही तेरा नाम है!

क्रमशः...

विश्व पोलियो दिवस

नीरज

हर वर्ष 24 अक्टूबर को पोलियो टीकाकरण और पोलियो उन्मूलन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विश्व पोलियो दिवस मनाया जाता है। पोलियो एक तेजी से संक्रमित होने वाली बीमारी है, जो ज्यादातर अल्प आयु के बच्चों को प्रभावित करती है। यह बीमारी सीधा मनुष्य के नर्वस सिस्टम पर अटैक करती है इसलिए यह एक जानलेवा बीमारी की श्रेणी में आती है। विश्व पोलियो दिवस के अवसर पर दुनियाभर में अलग-अलग स्थानों पर कई तरह के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। वहीं समय पर छोटे बच्चों को पोलियो की खुराक दी जाए इसके लिए माता पिता जागरुक रहे, ये कोशिश की जाती है।

पोलियो, जिसे 'पोलियोमेलाइटिस'

भी कहा जाता है। यह एक संक्रामक रोग है जो पोलियो विषाणु से मुख्यत: छोटे बच्चों में होता है। यह बीमारी बच्चें के किसी भी अंग को जीवनभर के लिए कमजोर कर देती है। पैरालिसिस की इस स्थिति में शरीर को हिलाया नहीं जा सकता और व्यक्ति हाथ, पैर या अन्य किसी अंग से दिव्यांग हो सकता है।

पोलियो लाईलाज है क्योंकि इसका लकवापन ठीक नहीं हो सकता है बचाव ही इस बीमारी का एक मात्र उपाय है। लेकिन पोलियो को टीकाकरण से रोका जा सकता है। इससे बचने के लिए बच्चों को 5 वर्ष की आयु तक पोलियो की नियमित खुराक दी जाती है। भारत में पोलियो टीकाकरण की शुरुआत वर्ष 1995 में हुई थी और वर्ष 2014 में हमारे देश को 'विश्व स्वास्थ्य संगठन' ने पोलियो मुक्त घोषित किया गया था। बता दें कि बच्चों को अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करने के लिए, भारत सरकार ने अपने नियमित टीकाकरण कार्यक्रम में इंजेक्टेबल इनएक्टिवेटेड पोलियोवायरस वैक्सीन को भी शामिल किया है। वहीं दुनियाभर में वैक्सीनेशन के कारण हाल के वर्षों में संक्रमण के मामले काफी कम हुए हैं। हालांकि कुछ देश अब भी इस बीमारी के शिकार हैं।

विश्व पोलियो दिवस, वर्ष 1955 में पोलियो वैक्सीन की खोज करने वाले अमेरिकी वायरोलॉजिस्ट 'जोनास साल्क' को समर्पित है। उन्होंने ही पोलियो या 'पोलियोमाइलाइटिस' के खिलाफ वैक्सीन विकसित करने वाली टीम का नेतृत्व किया था। हालांकि इसके बाद वर्ष 1961 में पोलिश-अमरीकी बायोमेडिकल वैज्ञानिक 'अल्बर्ट सबिन' ने ओरल पोलियो वैक्सीन का आविष्कार कर लिया था।

वर्ष 1988 में 'विश्व स्वास्थ्य सभा' ने दुनियाभर से पोलियो के खिलाफ जागरूकता और पोलियो उन्मूलन के लिए एक वैश्विक मिशन शुरू किया। इस मिशन के जरिए बच्चों को इस जानलेवा बीमारी से बचाने के लिए समय पर वैक्सीन देने पर जोर दिया गया। वहीं विश्व पोलियो दिवस इसी पहल का एक हिस्सा है। बता दें कि दुनिया के तमाम देशों की राष्ट्र सरकार और विश्व स्वास्थ्य संगठन के नेतृत्व में 'वैश्विक पोलियो उन्मूलन पहल' पिछले तीन दशकों से इस बीमारी की निगरानी कर रही है।

भारत-चीन संबंधों में सराहनीय सुधार

अनिल त्रिगुणायत

भारत और चीन द्वारा वास्तविक नियंत्रण रेखा पर 2020 से पहले की स्थिति को फिर से बहाल करने पर सहमत होना दोनों देशों के संबंधों में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सीमा से संबंधित दशकों से स्थापित व्यवस्था तथा उनके आधार पर दोनों देशों के बीच विश्वास बढ़ाने के प्रयासों को 2020 में चीन की आक्रामकता से बड़ा झटका लगा था। गलवान में हुई हिंसक झड़प में कई भारतीय और चीनी सैनिकों की मौत भी हुई थी। उस घटना के बाद से सीमा पर तनातनी बढ़ती गयी तथा बड़ी संख्या में दोनों देशों ने अपने सैनिकों को तैनात किया। फिर भी भारत ने अपनी संप्रभुता, संयुक्त राष्ट्र चार्टर आदि को ध्यान में रखते हुए कूटनीति और संवाद का सिलसिला जारी रखा। सैन्य अधिकारियों के अलावा हमारे विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार चीन के अपने समकक्ष पदाधिकारियों से मिलते रहे। दोनों देशों के बीच सैनिक अधिकारियों की जो वर्किंग कमिटी है, उसकी कई बैठकें हो चुकी हैं। साथ ही, कूटनीतिक और सैन्य अधिकारियों की संयुक्त समिति की बैठकें भी होती रही हैं। इन प्रयासों से तनाव को समाप्त करने में धीमी गति से प्रगति होती रही। इसका एक कारण यह है कि चीन भारत को एक प्रतिद्वंद्वी की तरह देखता है तथा यह समझता है कि उसे नियंत्रित करने में भारत अमेरिका को सहयोग देता है। पर वास्तव में भारत की नीति स्पष्ट है कि हम किसी भी देश के विरुद्ध नहीं हैं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समावेशी माहौल होना चाहिए तथा स्थापित नियमों का पालन सभी देशों को करना चाहिए।

बीते चार वर्षों में दोनों देशों के शीर्ष नेताओं की मुलाकात के भी प्रयास होते रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की अंतिम मुलाकात दक्षिण अफ्रीका में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान हुई थी। हालांकि उस मुलाकात से संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति नहीं हुई, पर भारत विभिन्न स्तरों, विशेषकर व्यापार-वाणिज्य के क्षेत्र में, पर अपना प्रयास जारी रखा कि चीन से होने वाले आयात को कम किया जाए या उसे संतुलित किया जाए। साथ ही, सीमा पर तनाव को समाप्त करने के लिए वार्ताओं के दौर चलते रहे। कुछ समय पहले चार स्थानों से दोनों देश अपने सैनिकों को पीछे हटाने पर सहमत हुए थे। वे क्षेत्र गलवान घाटी, पैंगोंग त्सो के उत्तरी एवं दक्षिणी छोर और गोगरा-गर्म झरना हैं। सोमवार को भारतीय विदेश सचिव ने जानकारी दी कि अब शेष दो स्थानों- देपसांग और डेमचोक- से भी वहां तैनात सैनिक टुकड़ियां पीछे हटा दी जायेंगी। हालिया सहमति में यह भी तय हुआ है कि 2020 से पहले गश्त लगाने समेत जो भी व्यवस्थाएं थीं, वे फिर से बहाल हो जायेंगी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आशा जतायी है कि 2020 से पहले वास्तविक नियंत्रण रेखा पर जो शांति थी, अब वह फिर से बहाल की जा सकेगी। उल्लेखनीय है कि भारत हमेशा से कहता रहा है कि सीमा तनाव समाप्त करने के लिए आवश्यक है कि अप्रैल 2020 से पहले की यथास्थिति स्थापित हो, जो चीन के रवैये के कारण अस्त-व्यस्त हो गयी थी।

चीन ने भारत की मांग को मान लिया है, जिसे हम परस्पर विश्वास बनाने की पहल या सहमति कह सकते हैं। इस सहमति से इस संभावना को बल मिला है कि रूस के कजान में आयोजित ब्रिक्स समूह के सदस्य देशों के नेताओं की शिखर बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी के बीच द्विपक्षीय बातचीत हो। यदि दोनों नेताओं की बातचीत होती है, तो ऐसी आशा की जा सकती है कि बचे हुए विवादित मामलों को सुलझा लिया जायेगा या उस दिशा में आगे बढ़ने का रास्ता खुलेगा। उल्लेखनीय है कि दोनों देशों के बीच सैन्य अधिकारियों की समिति के अलावा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की भी एक संयुक्त समिति है। इन समितियों तथा नेताओं की बातचीत से यह उम्मीद मजबूत हुई है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा से संबंधित समस्याओं का समाधान निकाल लिया जायेगा।

लेकिन चीन के साथ भारत की मुश्किल केवल सीमा तनाव तक सीमित नहीं है। हमें यह देखना होगा कि अन्य मामलों, विशेष रूप से दक्षिण एशिया, में चीन का व्यवहार कैसा रहता है। अभी तक चीन की नीति भारत को चारों तरफ से घेरने की रही है। हमारे पड़ोस में चीन अपनी कर्ज कूटनीति और अन्य उपायों से अपना प्रभाव बढ़ाने में लंबे समय से लगा हुआ है। मेरा मानना है कि दक्षिण एशिया के साथ-साथ पश्चिम एशिया में भी चीन भारत के लिए एक बड़ी चुनौती है और बना रहेगा। इसके बरक्स हमें अपनी शक्ति और क्षमता को हर तरह से बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। इसका महत्व गलवान के बाद के दौर में देखा भी गया है कि अगर आप में क्षमता है, इच्छाशक्ति है, तो आपका विरोधी, चाहे वह कितना भी ताकतवर क्यों न हो, आपके पास आकर आपकी बात सुनता है। सीमा को लेकर यथास्थिति बहाल करने का यह समझौता इसका एक बड़ा उदाहरण है।अब सवाल उठता है कि यहां से आगे का रास्ता क्या होगा। मेरा मानना है कि अगर प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी की बातचीत होती है, तो कुछ अन्य समस्याओं का भी समाधान हो सकता है। अभी दोनों देशों के बीच आवाजाही कम है तथा वीजा के मामले में भी स्थिति सामान्य नहीं है। संभवतः इसमें कुछ प्रगति की अपेक्षा की जा सकती है। जहां तक दोनों देशों के बीच वाणिज्य-व्यापार का मामला है, तो वह उद्योग जगत, वित्तीय संस्थाओं और कारोबारियों पर निर्भर करता है। जहां तक सरकार की बात है, तो उसने वाणिज्य और निवेश के संबंध में स्पष्ट नीतिगत व्यवस्था कर दी है, उत्पादन-संबद्ध प्रोत्साहन योजना भी चल रही है, जिसमें विविधता की आवश्यकता है। पर यह एक दीर्घकालिक प्रक्रिया है। चीन से आयात को एकदम से तो रोका या कम नहीं किया जा सकता है। भारत को विभिन्न क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनाने, उत्पादन को बढ़ावा देने तथा निर्यात में वृद्धि के लिए कई प्रयास किये जा रहे हैं, लेकिन उनके ठोस परिणाम सामने आने में समय लगेगा। चीन के निवेश को लेकर चर्चाएं चल रही हैं। उसमें यह देखना होता है कि संवेदनशील क्षेत्रों में ऐसे निवेश की अनुमति दी जाए या नहीं। यह हर देश अपने हिसाब से देखता है। बहुत कुछ चीन के रवैये पर भी निर्भर करेगा। जैसा कि जयशंकर कहते हैं कि संबंधों के तीन आधार होते हैं- परस्पर सम्मान, परस्पर हित और परस्पर संवेदना। अगर चीन इन पर ध्यान देता है, तो परस्पर सहयोग बढ़ेंगे।

आज का इतिहास

1793 फ्रेंच रिपब्लिकन कैलेंडर राष्ट्रीय सम्मेलन द्वारा अपनाया गया।
1795 पोलैंड के तीसरे विभाजन के परिणामस्वरूप, पोलिश-लिथुआनियाई राष्ट्रमंडल का अस्तित्व एक स्वतंत्र प्रतिमा के रूप में मौजूद था, जिसका क्षेत्र ऑस्ट्रिया, प्रशिया और रूस के बीच विभाजित था।
1855 वान डायमेन के भूमि का आधिकारिक तौर पर तस्मानिया नाम दिया गया।
1856 दक्षिणी ऑस्ट्रेलिया ने संविधान को मान्यता दी।
1857 संचालन में विश्व के सबसे पुराने एसोसिएशन फुटबॉल क्लबस्टाइल के शेफील्ड एफसी की स्थापना की गई थी।
1861 कैलिफोर्निया के जस्टिस स्टीफन जे फील्ड ने अमेरिकी राष्ट्रपति लिंकन को पहला अंतरमहाद्वीपीय टेलीग्राफ संदेश भेजा।
1901 एक स्कूल शिक्षक, अन्ना एडसन, नियाग्रा फॉल्स पर पहली सफल बैरल सवारी में सुरक्षित रूप से सवारी करता है।
1912 प्रथम बाल्कन युद्ध-सर्बियाई सेनाओं ने वरदार मैसेडोनिया में कुमानोवो की लड़ाई में तुर्क सेना को हराया।
1915 अमेरिकी शहर न्यूयॉर्क में 25 हजार महिलाओं ने मतदान के अधिकार के लिए प्रदर्शन किया।।
1931 जॉर्ज वॉशिंगटन ब्रिज, आज दुनिया का सबसे व्यस्त मोटर वाहन पुल है, जो न्यू यॉर्क सिटी को फोर्ट ली, न्यू जर्सी से जोड़ता है।
1944 द्वितीय विश्व युद्ध-इंपीरियल जापानी युद्ध जहाज मुशी, जो सबसे भारी और सबसे शक्तिशाली सशस्त्र कभी निर्मित था, लेटे गल्फ की लड़ाई में डूब गया था।
1945 चीन, फ्रांस, सोवियत संघ, ब्रिटेन और अमेरिका ने एक नए और आधिकारिक तौर पर स्थापित संयुक्त राष्ट्र के लिए चार्टर को मंजूरी दी।
1945 संयुक्त राष्ट्र का संविधान, संयुक्त राष्ट्र का संविधान, चीन गणराज्य, फ्रांस, सोवियत संघ, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका, और अन्य हस्ताक्षरकर्ताओं के बहुमत द्वारा अनुमोदित होने के बाद लागू हुआ।
1947 पाकिस्तान के पहले राष्ट्रपति ने आज़ाद कश्मीर को पाकिस्तान में स्थापित किया।
1949 न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय की आधारशिला रखी गई।
1955 ट्रेन फेरी एमवी एसेक्स फेरी, यूनाइटेड किंगडम के हार्विच में शुरू की गई।
1964 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक टोक्यो में आयोजित किया गया।
1975 बंधुआ मजदूर प्रथा को समाप्त करने के लिए एक अध्यादेश लाया गया और अगले दिन से यह प्रभाव में आ गया।

महाराष्ट्र में हर चुनाव में बदल जाते हैं समीकरण

डॉ. प्रकाश हिंदुस्तानी

महाराष्ट्र की राजनीति में हर चुनाव में राजनीतिक समीकरण बदल जाते हैं। नई पार्टियां बन जाती है, पुरानी पार्टियों में विघटन हो जाता है। महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव दो कोणीय या त्रिकोणीय नहीं, छह कोणीय होने जा रहे हैं । बीजेपी और कांग्रेस तो मैदान में हैं ही, दो-दो शिवसेना और दो-दो एनसीपी भी मैदान में हैं। तीन तीन पार्टियों के दो मोर्चे हैं। कौन पार्टी बदल ले, गुट बदल ले और दूसरे मोर्चे में चला जाए, कहना मुश्किल होता है! एकनाथ शिंदे के बारे में किसने सोचा था कि वे अलग हो जाएंगे और अजित पवार के बारे में किसी ने भी शायद ही सोचा होगा कि वे अपने चाचा का साथ छोड़ देंगे?

महाराष्ट्र की राजनीति में दल बदल स्थायी भाव है। चुनाव के पहले वहां दल बदल का जोर हमेशा ही रहता है। इस बार भी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के पहले ही धमाके पर धमाके हो रहे हैं। उद्धव ठाकरे की शिवसेना में दो बड़े नेताओं ने एंट्री कर ली है जिससे मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के दो मंत्री और एक विधायक मुश्किल में आ गए हैं। भारतीय जनता पार्टी को भी झटके पर झटके लग रहे हैं। अब पूर्व विधायक राजन तेली, दीपक सालुंखे और सुरेश बनकर उद्धव ठाकरे के की शिवसेना में शामिल हो गए हैं। इन नेताओं ने न केवल पार्टी बदली है, बल्कि अपना अपना मोर्चा भी संभाल लिया है।

एकनाथ शिंदे ने जब बगावत कर दी थी, तब उद्धव ठाकरे, शिंदे और उनके 40 विधायकों को गद्दार बताते थे, लेकिन अब उद्धव ठाकरे ने उन्हीं गद्दारों को अपने यहां बुलाना शुरू कर दिया है। इसी रणनीति के तहत मातोश्री में तीन नेता शिवसेना (उद्धव) में आ गए।

अजित पवार गुट की एनसीपी के नेता और पूर्व विधायक दीपक सालुंखे ने इसकी अगुवाई की। वे पार्टी के सोलापुर जिलाध्यक्ष थे। यह अजित पवार के लिए झटका है। वे सांगोला में शिवसेना (शिंदे) के विधायक शाह जी बापू पाटिल देंगे। विधायक हैं। बीजेपी के नेता और पूर्व विधायक राजन तेरी भी शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट में शामिल हो गए हैं। 19 साल बाद यह उनकी घर वापसी है।

राजन तेली का उद्धव ठाकरे की शिवसेना में आना राणे गुट के लिए झटका है। बीजेपी के एक और नेता सुरेश बनकर अपने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ उद्धव ठाकरे की शिवसेना में शामिल हो गए। छत्रपति संभाजी नगर विधानसभा क्षेत्र से 200 गाड़ियों के काफिले के साथ वे मुंबई, बांद्रा पूर्व स्थित मातोश्री में पहुंचे, जहां उद्धव ठाकरे रहते हैं। उन्होंने 35 साल तक बीजेपी के लिए काम किया। उनके साथ 103 बूथ प्रमुख 115 शक्ति प्रमुख और सैकड़ों पन्ना प्रमुख भी शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट में आ गए।

महाराष्ट्र में 2022 से अब तक कई महत्वपूर्ण दल बदल और राजनीतिक घटनाक्रम हुए हैं, जो राज्य की राजनीति को प्रभावित कर चुके हैं। खासतौर पर शिव सेना में बड़ा विभाजन और बीजेपी के साथ नया गठबंधन प्रमुख घटनाएं रही हैं। 2022 में शिवसेना के भीतर सबसे बड़ा राजनीतिक

संकट तब शुरू हुआ जब एकनाथ शिंदे, जो उस समय उद्धव ठाकरे की महा विकास आघाडी (एमवीए) सरकार में मंत्री थे, ने पार्टी के विधायकों के एक बड़े समूह के साथ बगावत कर दी।

एकनाथ शिंदे और उनके समर्थक विधायक शिवसेना की एनसीपी और कांग्रेस के साथ गठबंधन से असंतुष्ट थे। उनका मानना था कि यह गठबंधन शिवसेना की हिंदुत्ववादी विचारधारा से समझौता कर रहा है। परिणाम यह हुआ कि शिंदे और उनके समर्थक विधायकों ने बगावत कर दी और शिवसेना के लगभग 40 विधायकों को अपने पक्ष में कर लिया। इसके बाद शिंदे ने भाजपा के साथ हाथ मिलाकर सरकार बनाई। 2022 के जून महीने में शिंदे ने मुख्यमंत्री पद संभाला और भाजपा के देवेंद्र फडणवीस उपमुख्यमंत्री बने।शिव सेना का औपचारिक विभाजन हुआ और शिव सेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और शिव सेना (एकनाथ शिंदे गुट) के रूप में दो धड़े सामने आए।

2023 में महाराष्ट्र की राजनीति में एक और बड़ा घटनाक्रम तब हुआ जब एनसीपी में शरद पवार के भतीजे अजित पवार ने बगावत कर दी। अजित पवार ने पार्टी के एक बड़े धड़े के साथ एनसीपी से अलग होकर भाजपा और एकनाथ शिंदे की सरकार में शामिल होने का फैसला किया। वह महाराष्ट्र सरकार में उपमुख्यमंत्री बने और उनके साथ कई एनसीपी नेता भी सरकार में शामिल हुए। एनसीपी का भी औपचारिक विभाजन हो गया। शरद पवार ने अजित पवार के कदम की आलोचना की और कहा कि एनसीपी में बगावत से पार्टी को नुकसान हुआ है। हालांकि, एनसीपी का अजित पवार धड़ा अब राज्य सरकार का हिस्सा है।

महाविकास आघाड़ी गठबंधन का हिस्सा कांग्रेस भी थी। कांग्रेस ने भी महाराष्ट्र में दल बदल देखे। भाजपा और शिंदे गुट के साथ कई नेताओं ने कांग्रेस छोड़ दी। नारायण राणे महाराष्ट्र के एक प्रमुख नेता रहे हैं, जिन्होंने शिव सेना से राजनीति की शुरुआत की थी। शिव सेना छोड़ने के बाद वे कांग्रेस में शामिल हो गए और राज्य के मुख्यमंत्री भी बने। लेकिन 2017 में नारायण राणे ने कांग्रेस से इस्तीफा दिया और अपनी पार्टी महाराष्ट्र स्वाभिमान पक्ष बनाई। बाद में वे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए।

राणे अभी लोकसभा के सदस्य हैं। राधाकृष्ण विखे पाटिल महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के एक वरिष्ठ कांग्रेसी नेता थे। वे राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता भी रहे। 2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों से पहले उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा दिया और भाजपा में शामिल हो गए। इसके पीछे मुख्य कारण उनके बेटे सुजय विखे पाटिल का कांग्रेस में स्थान न मिलना था। हरिभाऊ बागड़े

कांग्रेस से शिव सेना में (1980 के दशक में) और फिर बीजेपी में चले गए। हरिभाऊ बागड़े, जो बाद में महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष बने, कांग्रेस के सक्रिय नेता थे, लेकिन उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा देकर पहले शिवसेना और फिर भारतीय जनता पार्टी का रुख किया। कृष्णा खोपड़े कांग्रेस से बीजेपी में (2014)= नागपुर से ताल्लुक रखने वाले कृष्णा खोपड़े भी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता थे। 2014 में उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा देकर भाजपा का दामन थाम लिया। वह नागपुर क्षेत्र में सक्रिय हैं और महाराष्ट्र विधानसभा के सदस्य भी रहे हैं। अशोक चव्हाण, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने बीजेपी की सदस्यता ली और राज्यसभा सदस्य हैं।

महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपनी पहचान 1980 के दशक में बनानी शुरू की, लेकिन 1995 में जब भाजपा-शिवसेना गठबंधन सत्ता में आया, तब इसे एक प्रमुख पार्टी के रूप में मान्यता मिली। भाजपा धीरे-धीरे महाराष्ट्र के ग्रामीण क्षेत्रों और शहरी मध्यम वर्ग में अपनी पकड़ मजबूत करती रही। 2022 में महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ा उथल-पुथल तब हुआ जब शिवसेना का विभाजन हो गया। 2023 में शरद पवार की एनसीपी भी विभाजन का शिकार हो गई, जब उनके भतीजे अजित पवार ने बागी होकर भाजपा के साथ गठजोड़ किया। शरद पवार और अजित पवार के बीच विभाजन ने राज्य की राजनीति में अनिश्चितता बढ़ा दी।

महाराष्ट्र की राजनीति जटिल मोड़ पर है। शिवसेना का विभाजन और एनसीपी में गुटबाजी इसे जटिल बनाते हैं। उद्धव ठाकरे की शिव सेना (यूबीटी), एनसीपी (शरद पवार धड़ा) और कांग्रेस का गठबंधन भविष्य में फिर से सक्रिय हो सकता है, खासकर अगर वे भाजपा के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने का निर्णय लेते हैं। शरद पवार की रणनीति और नेतृत्व इस गठबंधन के भविष्य को तय करेंगे। अजित पवार बीजेपी के साथ कितने समय तक बने रहते हैं, यह भी सवाल है। क्या एनसीपी का उनका धड़ा राज्य की राजनीति में लंबी अवधि तक प्रभावी रह पाता है या वे खुद शरद पवार के साथ चले जाएंगे, यह अनिश्चित है। महाराष्ट्र के आगामी चुनावों में महाराष्ट्र की राजनीति में और भी बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं, खासकर 2024 के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर। ऐसे में यह कहना मुश्किल है कि कौन किसके साथ जाएगा, लेकिन यह स्पष्ट है कि महाराष्ट्र की राजनीति में बदलाव का दौर चलता रहेगा, और यहाँ की राजनीति देश की राजनीति पर भी गहरा प्रभाव डालती रहेगी।

हिजबुल्लाह ने इजराइल पर हमला कर आ बैल मुझे मार वाली कहावत चरितार्थ कर दी

नीरज कुमार दुबे

इजराइल हमेशा अपने दुश्मन को उसके घर में घुस कर मारता है इसीलिए आज दुश्मन ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के घर में घुस कर हमले का प्रयास किया लेकिन वह विफल हो गया। हम आपको बता दें कि इजराइली प्रधानमंत्री कार्यालय का कहना है कि हमले के समय प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा घर पर नहीं थी और घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। बताया जा रहा है कि शनिवार सुबह लेबनान से दागे गए दो ड्रोनों को हवाई सुरक्षा बलों ने मार गिराया। इस घटना के बाद तेल अवीव क्षेत्र में सायरन बजने लगे। हम आपको बता दें कि हिज्बुल्ला की ओर से किये गये इस हमले के तहत कैसरिया क्षेत्र में स्थित नेतन्याहू के आवास की ओर एक ड्रोन लॉन्च किया गया था। हालांकि ड्रोन ने प्रधानमंत्री के घर के आसपास के क्षेत्र को निशाना बनाया लेकिन हमले में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। इज़राइली सेना ने पुष्टि की है कि एक ड्रोन ने केंद्रीय शहर पर हमला किया था जहां नेतन्याहू रहते हैं। इजराइली सेना ने कहा है कि दो अन्य ड्रोनों को उनके लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही रोक दिया गया था।

वहीं इजराइली प्रधानमंत्री के आवास को निशाना बना कर किये गये हमले से ईरानी सेना बहुत खुश नजर आई। ईरानी सेना की ओर से जारी किये गये बयान में कहा गया है कि लेबनानी भाइयों ने ड्रोन हमले में नेतन्याहू के आवास को निशाना बनाया। ईरानी सेना ने अपने ऑनलाइन बयान में नेतन्याहू के घर के आसपास के क्षेत्र के दृश्य भी साझा किए, जो इस घटना में

हिजबुल्लाह की संलिप्तता का संकेत देते हैं। वैसे देखा जाये तो हसन नसरल्लाह की मौत के बाद भी हिजबुल्लाह कमजोर नहीं पड़ा है क्योंकि उसकी ओर से लगातार इजराइल को जवाब दिया जा रहा है। आज भी उसने इजराइल पर कई रॉकेट दाग कर वहां धुएं का गुबार उठा दिया है। हालांकि हिज्बुल्लाह के रॉकेटों से कोई नुकसान नहीं हुआ है क्योंकि उन्हें या तो इजराइली रक्षा कवचों ने बीच में रोक दिया या रॉकेट खुद ही इधर-उधर गिर गये।

इस बीच, इज़राइली प्रधानमंत्री के आवास के बाहर सुरक्षा और कड़ी कर दी गयी है। ताजा दृश्यों में इजराइली प्रधानमंत्री के आवास के बाहर एम्बुलेंस और चिकित्सा सेवा के अधिकारी भी दिखाई दे रहे हैं। हम आपको बता दें कि इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के आवास को निशाना बनाकर किया गया ड्रोन हमला इजराइली बलों द्वारा गाजा में हमास प्रमुख याह्या सिनवार को खत्म करने के ठीक दो दिन बाद हुआ। 62 वर्षीय सिनवार को गुरुवार को मार गिराया गया था। हम आपको बता दें कि हमास ने अब तक सिनवार के उत्तराधिकारी के नाम की घोषणा नहीं की है। माना जा रहा है कि जल्द ही सिनवार के उत्तराधिकारी का नाम सामने आ जायेगा। बताया जा रहा है कि हमास की गतिविधियों पर इजराइल की पैनी नजर होने के चलते संगठन का संचालन बहुत मुश्किल हो गया है इसीलिए नया नाम सामने आने में देरी हो रही है।

भारत-पाक संबंधों को लेकर बहुत आशावादी न हों

टी.सी.ए.राघवन

भारत-पाकिस्तान के बीच व्याप्त गतिरोध को क्षेत्रीय और बहुपक्षीय बैठक में भारत की भागीदारी के आड़े नहीं आना चाहिए, यह तर्कसंगत और आवश्यक भी लगता है। लेकिन हाल ही में उनके संबंधों के पहलुओं को लेकर इतनी विषाक्तता और नकारात्मकता रही है कि किसी तरह से एस.सी.ओ. बैठक में भाग लेना अपने आप में कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। इसके विपरीत को फिर से दोहराना उचित है। इसमें भाग न लेने का मतलब यह होता कि भारत अपने ही क्षेत्र में अलग-थलग पड़ जाता। इसलिए इस तथ्य के बावजूद कि बैठक में द्विपक्षीय सामग्री कम थी (क्रिकेट संबंधों को फिर से हवा देने की अनौपचारिक बातचीत के साथ)फिर भी यह बैठक हुई जो भारत-पाकिस्तान संबंधों के वर्तमान प्रक्षेपवक्र में एक तरह से एक संकेतक है। जिसके अंतर्गत एस.सी.ओ. शिखर सम्मेलन में हमारी भागीदारी सुनिश्चित की जा सकती है।

क्या कोई व्यापक संदर्भ है जिसके भीतर एस.सी.ओ. शिखर सम्मेलन में हमारी भागीदारी देखी जा सकती है? आशावादी लोग तर्क दे सकते हैं कि इससे अन्य संभावनाओं के लिए, भले ही थोड़ा-बहुत, द्वार खुलते हैं। दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) का वार्षिक शिखर सम्मेलन 2016 में पाकिस्तान में होने वाला था क्योंकि संघ की अध्यक्षता नेपाल से पाकिस्तान को मिल गई है। हालांकि, 2016 से देशों के बीच मतभेद लगातार बढ़ रहे हैं और 2019 में जम्मू-कश्मीर विधायी परिवर्तनों के बाद इसमें और बढ़ौतरी हो गई है जिसका मतलब है कि भारत पाकिस्तान में ऐसी बैठक में भाग लेने के लिए सहमत नहीं होगा। परिणामस्वरूप सार्क 2014 से अपने पारंपरिक वार्षिक शिखर सम्मेलन के बिना रहा है। यह तकनीकी और नौकरशाही के संदर्भ में जीवित है,

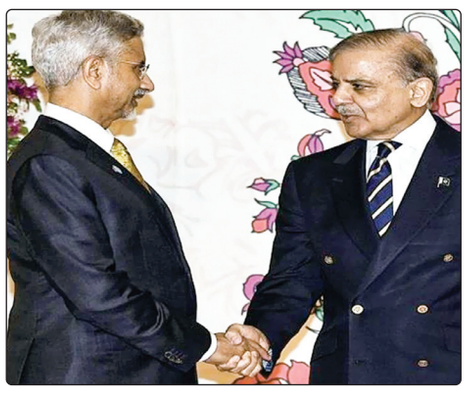

लेकिन अन्यथा एक तरह से अधर में है। सार्क शिखर सम्मेलनों में कुछ समय के लिए देरी होना असामान्य नहीं है।

क्या यह तथ्य कि जयशंकर बहुपक्षीय क्षेत्रीय बैठक के लिए पाकिस्तान की यात्रा कर सकते हैं, सार्क शिखर सम्मेलन के लिए एक मिसाल पेश करता है? यहां दो बिंदु प्रासंगिक प्रतीत होते हैं। पहला, सार्क शिखर सम्मेलनों में पारंपरिक रूप से प्रधानमंत्री शामिल होते हैं और इसलिए, दोनों आयोजनों का पैमाना तुलनीय नहीं है। दूसरा, दुनिया में कहीं भी विदेश नीति और कूटनीति शायद ही कभी मिसालों या तार्किक स्थिरता से निर्देशित होती है। इसलिए, इस सवाल का जवाब कि क्या अब भारत के लिए सार्क शिखर सम्मेलन में भाग लेने का द्वार खुला है, इस बात पर निर्भर करेगा कि भारत वर्तमान दक्षिण एशियाई संदर्भ में शिखर सम्मेलन के महत्व का आकलन कैसे करता है और, इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि क्या उसे लगता है कि पाकिस्तान के संबंध में अब कुछ बदलाव वांछनीय हैं।

भारत-पाकिस्तान के बीच संबंधों में उतार-चढ़ाव दोनों देशों के गठन के बाद से ही देखने को मिल रहे हैं। यह हमारे लगभग सभी पड़ोसियों या वास्तव में दुनिया में कहीं भी पड़ोसी देशों के साथ हमारे संबंधों जैसा ही है। अंतर यह है कि मौजूदा गिरावट अब तक की सबसे लंबी है। उरी और बालाकोट के बाद से, राजनयिक प्रतिनिधित्व में कमी आई है, कोई उच्चायुक्त नहीं है, व्यापार पर प्रतिबंध है, अंतर-देशीय यात्रा पर लगभग रोक है आदि। 1965 और 1971 के युद्ध, कारगिल संघर्ष और दिसंबर 2001 में हमारी संसद पर आतंकवादी हमले के बाद की रुकावट, लंबाई और अवधि के मामले में मौजूदा गिरावट से मेल नहीं खा सकती। कश्मीर मुद्दा 1947 से ही समय के साथ रुका हुआ लगता है।

फिर भी पाकिस्तान के साथ हमारे संबंध, स्थिर होने से बहुत दूर, लगातार बदल रहे हैं, जिसमें पानी और नदी जल बंटवारे जैसे नए मतभेद मौजूदा पोर्टफोलियो में जुड़ रहे हैं। साथ ही, जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों की तीव्रता बढ़ रही है, जिसके लिए न्यूनतम संबंध और किसी प्रकार के क्षेत्रीय सहयोग की आवश्यकता है। भविष्य की घटनाओं की दिशा इस बात पर निर्भर करेगी कि दो अलग-अलग अनिवार्यताओं का मूल्यांकन और समाधान कैसे किया जाता है। एक ओर, क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देना स्पष्ट रूप से भारत के हित में है। दूसरी ओर, पाकिस्तान के साथ फिर से जुडना अल्पावधि में राजनीतिक और अन्य जोखिमों से रहित नहीं है इससे होने वाले लाभ केवल लंबी अवधि में ही प्राप्त किए जा सकते हैं और तब भी वे हमेशा मात्रात्मक नहीं हो सकते, हालांकि फिर भी वे बहुत मूल्यवान हैं। भारत-पाक संबंधों में अधिक स्थिरता दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय सहयोग पहलों को गति प्राप्त करने के लिए एक मंच प्रदान करती है। यदि हाल ही में एस.सी.ओ. बैठक ने इन मुद्दों की फिर से जांच करने के लिए एक रास्ता बनाया है, तो इसमें भाग लेना निश्चित रूप से इसके लायक था।

कनाडा के साथ कूटनीतिक तनाव का नया दौर

हरि जयसिंह

भारत की एक्ट ईस्ट नीति के 10 साल पूरे होने का जश्न मनाते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आसियान-भारत व्यापक रणनीतिक सांझेदारी की उपलब्धियों का मूल्यांकन करने और भविष्य के सहयोग की योजना बनाने के लिए 21वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में भाग लिया। जब मोदी ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से मुलाकात की, तो तनाव पहले से ही बहुत ज्यादा था। ट्रूडो ने पिछले साल कनाडा में एक सिख अलगाववादी की हत्या में भारत की कथित भूमिका पर चर्चा करने पर ध्यान केंद्रित किया।

इस बीच, भारतीय अधिकारियों ने कनाडा से उन गतिविधियों से निपटने का आग्रह किया, जिन्हें वे भारत की सुरक्षा के लिए खतरा मानते हैं। चल रहे संघर्ष की जड़ें ज्यादा विवादास्पद मुद्दों से जुड़ी हैं। पिछले साल, कनाडा में एक सिख कार्यकर्ता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या, जो कथित तौर पर भारत सरकार से जुड़ा हुआ था, ने शुरुआती विवाद को जन्म दिया। प्रधानमंत्री ट्रूडो ने भारत की संलिप्तता का संकेत दिया और जांच में सहयोग का आग्रह किया, जिसे भारत ने अस्वीकार कर दिया।

यह घटना कनाडा और संयुक्त राज्य अमरीका को शामिल करते हुए एक व्यापक कूटनीतिक गतिरोध में बदल गई, जिसने सीधे तौर पर भारत पर आरोप नहीं लगाया, लेकिन कनाडा की जांच का समर्थन किया और भारत की संलिप्तता का संकेत देने वाली खुफिया जानकारी सांझा की। हाल ही में स्थिति तब और खराब हो गई जब 14 अक्तूबर को कनाडा ने 6 भारतीय राजनयिकों को गलत कामों के नए सबूतों का हवाला देते हुए निष्कासित कर दिया। जवाब में, भारत ने सुरक्षा कारणों से अपने राजनयिकों को तुरंत कनाडा से बाहर निकाल लिया और 6 कनाडाई राजनयिकों को निष्कासित कर दिया।

वाशिंगटन पोस्ट की एक रिपोर्ट से पता चला है कि कनाडाई अधिकारियों ने सिंगापुर में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के साथ एक गुप्त बैठक की थी। उन्होंने सबूत सांझा किए, जो बताते हैं कि कनाडा में भारतीय राजनयिक सिख अलगाववादियों के बारे में खुफिया जानकारी जुटा रहे थे, जिसका इस्तेमाल भारत ने हमलों की योजना बनाने के लिए किया। गंभीर आरोपों और प्रत्यारोपों के बाद भारत और

कनाडा के बीच कूटनीतिक तनाव गहरा गया है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारत पर कनाडा के सिख हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया।

इस आरोप के कारण कूटनीतिक विवाद पैदा हो गया और इसके तुरंत बाद भारत को अमरीका में गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या के प्रयास में फंसाया गया। हाल ही में हुई घटनाओं में तनाव और बढ़ गया जब कनाडा के अधिकारियों ने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े 3 लोगों को गिरफ्तार किया। संदेह है कि वे भारत की खुफिया एजैंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) से जुड़े थे। बढ़ते सबूतों के जवाब में, कनाडा ने उच्चायुक्त सहित 6 भारतीय राजनयिकों को निष्कासित कर दिया, जिसका जवाब भारत ने 6 कनाडाई राजनयिकों को निष्कासित करके दिया। निष्कासन के कुछ घंटों बाद, प्रधानमंत्री ट्रूडो ने ओटावा में एक प्रैस कांफ्रैंस में जोर देकर कहा कि की गई कार्रवाई का उद्देश्य तनाव पैदा करना नहीं था, बल्कि भारत के सहयोग की कमी के कारण यह आवश्यक था।

उन्होंने खुलासा किया कि कनाडाई अधिकारियों ने भारतीय समकक्षों के साथ रॉयल कैनेडियन माऊंटेड पुलिस के साक्ष्य सांझा किए थे, जिसमें आपराधिक गतिविधियों में शामिल 6 भारतीय सरकारी एजैंटों की पहचान की गई थी, लेकिन भारत ने सहयोग नहीं किया। इस प्रैस कांफ्रैंस के दौरान, ट्रूडो ने विदेश मंत्री मेलानी जोली और सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री डोमिनिक लेब्लांक के साथ मिलकर आरोपों की गंभीर प्रकृति को दोहराया। ट्रूडो ने कहा कि कनाडा की धरती पर हत्या और जबरन वसूली सहित आपराधिक गतिविधियों में भारत की संलिप्तता 'बिल्कुल अस्वीकार्य' है।

उन्होंने सिंगापुर में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के बीच हाल ही में हुई बैठक के महत्व पर प्रकाश डाला, जिसे उन्होंने पी.एम. मोदी के समक्ष महत्वपूर्ण बताया था, फिर भी यह बैठक परिणाम देने में विफल रही।

विदेश मंत्री जोली ने कनाडा और भारत के बीच संबंधों को देखते हुए कूटनीतिक टकराव में शामिल होने से परहेज किया, लेकिन चल रही जांच में भारत के सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने इस स्थिति और अमरीका में इसी तरह की जांच के बीच महत्वपूर्ण अंतरों को इंगित किया, विशेष रूप से यह कि ड्क्षहसा और राजनयिकों की भागीदारी प्रत्यक्ष थी और बढ़ गई थी।

ट्रूडो और उनके मंत्रियों ने स्थिति पर चर्चा करने और समर्थन प्राप्त करने के लिए ब्रिटिश प्रधानमंत्री सर कीर स्टार्मर और फाइव आइज इंटैलीजैंस गठबंधन सहित अंतर्राष्ट्रीय भागीदारों से संपर्क किया है। कनाडा सरकार का कहना है कि प्रतिबंधों सहित सभी विकल्पों पर विचार किया जा रहा है, क्योंकि वे भारत से इन गंभीर आरोपों को हल करने में रचनात्मक रूप से शामिल होने का आग्रह करते हैं। नवीनतम कूटनीतिक संकट भारत के अपने प्रवासी समुदाय के भीतर की कार्रवाइयों के बारे में व्यापक चिंताओं को उजागर करता है और अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों के साथ भारत की सुरक्षा प्रथाओं के संरेखण के बारे में सवाल उठाता है, खासकर जब तनाव वैश्विक कूटनीति और सार्वजनिक सुरक्षा के क्षेत्रों में फैल जाता है।

इस घटना ने भारत की अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाया है और वैश्विक राजनीति, खुफिया-साझाकरण और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय हितों के बीच संतुलन की चुनौती की जटिल प्रकृति को उजागर किया है। यह अंतर्राष्ट्रीय व्यवहार में जटिलताओं को उजागर करता है, मुख्य रूप से जब देश रहस्य रखते हैं और अपने हितों को प्राथमिकता देते हैं। भारत को पश्चिमी सहयोगियों से वैध निराशा है जो अपनी धरती से भारत को लक्षित चरमपंथी गतिविधियों को संबोधित करने में धीमे रहे हैं। हालांकि, हत्या की साजिशों में भारत की कथित संलिप्तता ने इसकी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा को धूमिल किया है।

हिंसा इस्त्राइल की सुरक्षा की गारंटी नहीं

जगदीश रत्नानी

अनुभव किसी भी ओर अच्छा या बुरा ले जा सकता है। इस्त्राइल के मामले में यह स्पष्ट है कि यह बुरे की ओर ले गया है। जिस देश में भयंकर नाजी उत्पीड़न के भुक्तभोगी हों, वह देश अब वैसा ही नृशंस होता जा रहा है और उस क्षेत्र पर बड़े युद्ध की आशंका मंडराने लगी है। उसके परिणामों की कल्पना असंभव है। इस्त्राइल पर हमास के हमले और इस्त्राइल की भयावह प्रतिक्रिया के शुरू हुए एक साल बीत चुके हैं। इस्त्राइल का कहना है कि पिछले साल सात अक्टूबर को हमास के हमले में लगभग 12 सौ इस्त्राइली एवं विदेशी नागरिक मारे गये थे तथा 250 लोगों को बंधक बनाया गया था, जिनमें से 96 अभी भी हमास के कब्जे में हैं। इसके जवाब में हुए इस्त्राइल के हमले में, गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, अब तक लगभग 42 हजार लोग मारे जा चुके हैं। ऐसा जनसंहार हालिया इतिहास में सबसे भयावह है। ऑक्सफैम इंटरनेशनल ने 30 सितंबर को प्रकाशित रिपोर्ट में बताया कि उस समय तक गाजा में 11 हजार से अधिक बच्चे और छह हजार से अधिक महिलाएं मारी जा चुकी थीं। बीते 18 वर्षों में एक साल में किसी लड़ाई में इतनी बड़ी संख्या में बच्चों की हत्या नहीं हुई है। फिर भी इस्त्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कुछ दिन पहले संयुक्त राष्ट्र महासभा में कहा कि वे यहां सच बोलने आये हैं और सच यह है कि इस्त्राइल शांति चाहता है। कहा जाता है कि अक्सर अनुभव भविष्य के कार्यों की बेहतरी का आधार होता है। इस अर्थ में अनुभव रखना अच्छी बात है। लेकिन जर्मन वैज्ञानिक एवं कवि गेटे ने कहा था कि अनुभव केवल आधा अनुभव ही होता है। शेष आधा वह है, जिसे हम कैसे समझते हैं और अपना अर्थ उसे देते हैं। हिंसक माहौल में बड़ा हुआ कोई व्यक्ति उसके दर्दनाक परिणामों को देखते हुए हिंसा को खारिज कर सकता है, या फिर वह यह भरोसा कर सकता है कि हिंसा के आधार पर ही दुनिया आगे बढ़ती है। तो, अनुभव किसी भी ओर- अच्छा या बुरा- ले जा सकता है। इस्त्राइल के मामले में यह स्पष्ट है कि यह बुरे की ओर ले गया है। जिस देश में भयंकर नाजी उत्पीड़न के भुक्तभोगी हों, वह देश अब वैसा ही नृशंस होता जा रहा है और उस क्षेत्र पर बड़े युद्ध की आशंका मंडराने लगी है। उसके परिणामों की कल्पना असंभव है। हमें नहीं पता कि उसका अंजाम क्या होगा। पर एक सवाल जरूर पूछा जाना चाहिए और उसका जवाब भी स्पष्ट होना चाहिए- क्या इस्त्राइल इस जनसंहार के बाद अधिक सुरक्षित हो गया है? क्या हजारों बच्चों और महिलाओं का कत्लेआम कर इस्त्राइल शांति हासिल कर सकेगा? ऑक्सफैम की रिपोर्ट बताती है कि इस्त्राइल के लगातार हमलों ने गाजा में भारी तबाही की है। इन हमलों ने यह दिखा दिया है कि इस्त्राइल के लिए कोई सीमा नहीं है और उसे मानवता समेत किसी भी हद की कोई परवाह नहीं है। इस्त्राइल को धन और हथियार देने वाले अमेरिका समेत पश्चिमी देशों को इस पर जल्दी पुनर्विचार करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा कि इस्त्राइल ने गाजा में निर्दोष नागरिकों को बर्बाद करने का आतंकी कृत्य किया है। इस संदर्भ में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैकरां का बयान अहम है। कुछ दिन पहले उन्होंने गाजा में इस्त्राइल द्वारा इस्तेमाल हो रहे हथियारों की आपूर्ति रोकने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा है कि अब प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि हम राजनीतिक समाधान की ओर लौटें और इस्त्राइल को हथियारों की आपूर्ति रोक दें। यह बयान देने से पहले राष्ट्रपति मैकरां ने पेरिस में एक बैठक में युद्धविराम के आह्वानों के बावजूद लड़ाई जारी रहने पर चिंता जतायी थी तथा लेबनान में हमला करने के इस्त्राइल के फैसले की निंदा की थी।

इन वास्तु उपायों को अपनाने से बच्चों का पढ़ाई में लगने लगेगा मन, आलस्य भी रहेगा दूर

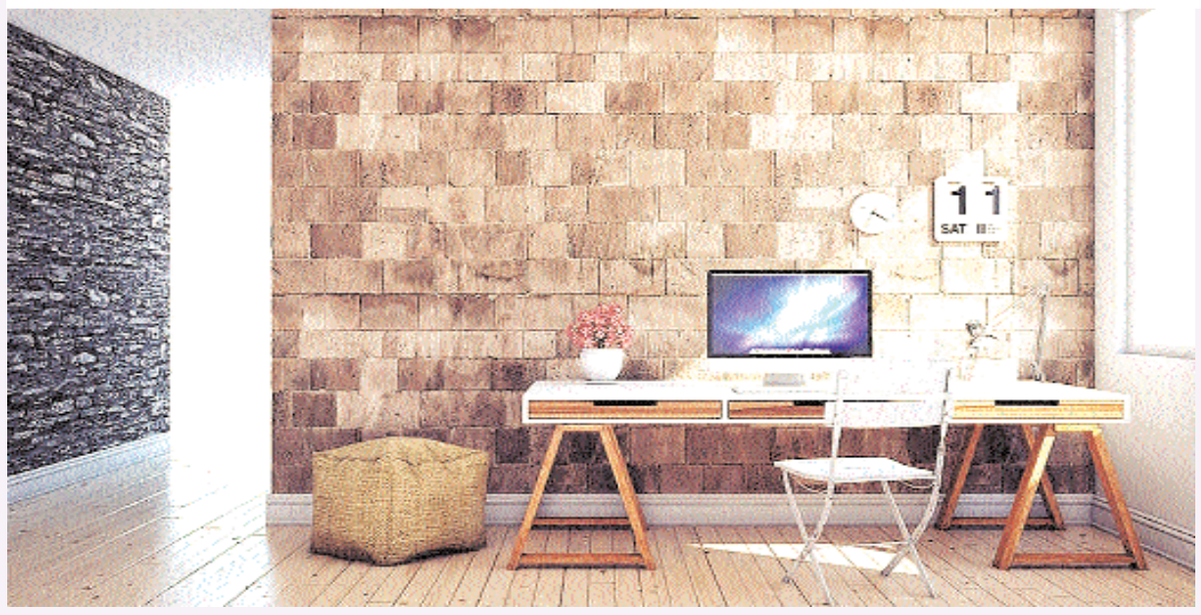

अक्सर देखा जाता है कि बच्चों का पढ़ाई-लिखाई में अचानक से मन नहीं लगता है। या पढ़ाई संबंधित चीजों को याद रखने में परेशानी होती है। वहीं आज के समय में शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ते कॉम्पटीशन को देखते हुए बच्चे तनाव में भी देखे गए हैं। बच्चों की इन समस्या का एक कारण वास्तु दोष भी हो सकता है। वास्तु दोष की वजह से बच्चे अक्सर बीमार भी रहते हैं या उनका पढ़ाई में मन नहीं लगता या आलस्य हावी रहता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको वास्तु के कुछ ऐसे उपायों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको अपनाने से बच्चे की स्मरण शक्ति और बुद्धि में वृद्धि होती है।

अक्सर देखा जाता है कि बच्चों का पढ़ाई-लिखाई में अचानक से मन नहीं लगता है। ऐसे में आज हम आपको वास्तु के कुछ ऐसे उपायों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको अपनाने से बच्चे की स्मरण शक्ति और बुद्धि में वृद्धि होती है।

पढ़ाई के कमरे में न रखें ये चीजें

बच्चों के पढ़ाई वाले कमरे में रोशनी की कमी नहीं होनी चाहिए। क्योंकि कम रोशनी निगेटिव एनर्जी का संचार करती हैं और इसकी वजह से बच्चों का मन स्थिर नहीं रहता है। वहीं पढ़ाई-लिखाई में नीरसता आती है। बच्चों के स्टडी रूम में सीडी प्लेयर, वीडियो गेम्स, टीवी, मैगजीन और रद्दी आदि अनुपयोगी सामान नहीं रखना चाहिए।

बच्चों की स्टडी टेबल

बच्चों के पढ़ाई के कमरे में मां सरस्वती और भगवान गणेश की प्रतिमा या तस्वीर लगानी चाहिए। इसके साथ ही स्टडी टेबल चौकोर होनी चाहिए। टेबल को दीवार या दरवाजे से सटाकर नहीं रखना चाहिए। लाइट के नीचे या उसकी छाया में भी टेबल न सेट करें। इससे बच्चे की पढ़ाई प्रभावित हो सकती है।

इस दिशा में हो पढ़ाई का कमरा

बता दें कि हमेशा उत्तर पूर्व दिशा में बच्चों के पढ़ाई का कमरा होना चाहिए। इस दिशा के स्वामी सूर्यदेव होते हैं और सूर्य देव तेज व शक्ति का प्रतीक माने जाते हैं। इस दिशा में पढ़ाई का कमरा होने से बच्चे का मन, बुद्धि और विवेक प्रभावित होता है और उनका पढ़ाई में मन लगता है। वहीं दक्षिण या दक्षिण पूर्व दिशा में बच्चों के पढ़ाई का कमरा नहीं होना चाहिए। इस दिशा में पढ़ाई का कमरा होने से बच्चों का मन एकाग्र नहीं रहता है।

इस रंग की न रखें दीवारें

वास्तु शास्त्र के मुताबिक जहां पर बच्चे पढ़ाई करते हैं वहां की दीवारों का रंग आसमानी, बादामी, सफेद या हल्का फिरोजी होना चाहिए। इसके अलावा यदि बच्चे की स्टडी टेबल भी इसी रंग की हो, तो ज्यादा अच्छा होगा। स्टडी रूम की दीवारें कभी भी काले, नीले या लाल रंग की नहीं होनी चाहिए। इससे पढ़ाई में नुकसान हो सकता है।

अक्सर घर में होता है रहता है क्लेश तो वास्तु दोष हो सकता है कारण

घर में वास्तु दोष होने से परिवार के सदस्यों की सफलता की राह में अवरोध आते हैं। वहीं घर का वास्तु दोष खराब होने से जातक को आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। घर की कुछ छोटी-छोटी गलतियों से वास्तु दोष पैदा हो सकता है। घर में वास्तु दोष उत्पन्न होने से घर में निगेटिविटी बढ़ती है। वहीं घर के सदस्यों को जीवन में कई बाधाओं को सामना करना पड़ता है। परिवार के सदस्यों की सफलता की राह में अवरोध आते हैं। वहीं घर का वास्तु दोष खराब होने से जातक को आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। वास्तु में गृह-क्लेश से मुक्ति पाने के लिए कई नियमों व उपायों के बारे में बताया गया है। घर की पॉजिटिविटी को बढ़ाने के लिए वास्तु के कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं।

ठीक कराएं वास्तु

वास्तु के मुताबिक घर का नैऋत्य कोण, आग्नेय कोण, वायव्य कोण और ईशान कोण को ठीक कराने से वास्तु दोष खत्म हो जाता है।

घर का रंग

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर की सुख-शांति के लिए घर को ज्यादा डार्क रंग से पेंट नहीं करवाना चाहिए। बता दें कि घर के अंदर और बाहर ऑफ व्हाइट और हल्के रंग का पेंट कराना चाहिए, यह लकी रंग माना गया है।

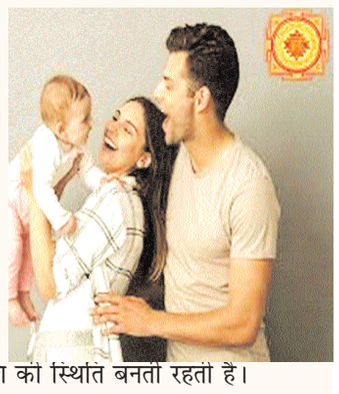

किचन का वास्तु

मान्यता के मुताबिक घर के ईशान कोण, पूर्व और दक्षिण दिशा में रसोई घर होना शुभ नहीं माना जाता है। इन दिशाओं में रसोई घर होने से गृह-क्लेश की स्थिति बनती रहती है।

बेडरूम का वास्तु

वास्तु शास्त्र के मुताबिक बेडरूम में पानी संबंधित तस्वीरें नहीं लगाना चाहिए। बेडरूम में पानी संबंधित तस्वीरें लगाने से वैवाहिक जीवन में परेशानियां बढ़ सकती हैं। बेडरूम के अग्निकोण या पूर्व दिशा में आप शांत समुद्र की तस्वीरें लगा सकते हैं।

ड्राइंग रूम का वास्तु

घर में सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए आप ड्राइंग रूप में फैमिली की ऐसी तस्वीर लगानी चाहिए, जिसमें पूरे परिवार के सभी सदस्य हंसते-मुस्कुराते दिखाई दें।

इस तरह खरीदें डेकोरेशन आइटम्स, राजमहल जैसे जगमगा उठेगा आपके सपनों का आशियाना

त्योहार आदि के मौके पर लोग घरों को सजाने के लिए तमाम तरह के डेकोरेशन आइटम्स की खरीददारी करते हैं। घरों को सजाना आसान होने के साथ काफी मुश्किल होता है। अक्सर लोग अपने घर को खूबसूरत बनाने के लिए आर्टिफिशियल फूलों के साथ, स्टैचू और वॉल पेंटिंग खरीदकर लाते हैं। लेकिन समस्या यह होती है कि इन आइटम्स को कहां और किस जगह पर लगाया जाए। वहीं क्या ये डेकोरेशन आइटम्स घर को सुंदर दिखाएं। ऐसी तमाम तरह की बातें हमारे दिमाग में चलती रहती हैं।

ी हैऔर जानें

हालांकि इस बात में कोई शक नहीं है कि घर की साज-सज्जा के लिए यदि सही चीज का चुनाव किया जाए, तो एक ही डेकोरेटिव आइटम पूरे घर को चमका सकते हैं। घर का सामान खरीदते समय यदि आप कुछ बातों का ध्यान रखती हैं, तो आप घर को बेहतर तरीके से सजा सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको होम डेकोर के कुछ ऐसे टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे आप डेकोरेशन आइटम खरीदने के दौरान अपना सकती हैं।

टिकाऊ और मजबूत डेकोरेशन आइटम

मार्केट में अलग-अलग तरह के डेकोरेशन आइटम्स मिलते हैं। कुछ आइटम्स इतने कमजोर होते हैं, जिन पर हल्का सा धक्का लग जाए तो वह टूट जाएंगे। वहीं कुछ सामान ऐसे होते हैं, जो मजबूत होते हैं। ऐसे में अगर आप किसी आइटम को खरीदने के लिए अच्छा खासा बजट खर्च कर रहे हैं, तो आप मजबूत और टिकाऊ सामान लें।

फर्नीचर

घर को भरा और सुंदर दिखाने के लिए अक्सर लोग डिजाइनर फर्नीचर और सोफा खरीदना पसंद करते हैं। कई बार हम काम के लिए अलग-अलग फर्नीचर खरीदते हैं। ऐसे में आप अलग-अलग फर्नीचर खरीदने की जगह मल्टीपर्पज फर्नीचर ले सकते हैं। बेड और सोफा अलग-अलग लेने की बजाय आप सोफा कम बेड ले सकते हैं। मार्केट में इस तरह के तमाम फर्नीचर मौजूद हैं, जो बजट और समय दोनों की बचत करते हैं।

इको फ्रेंडली आइटम्स

डेकोरेशन का सामान खरीदने के दौरान प्रयास करें कि आप ऐसा सामान खरीदें, जो इको फ्रेंडली हों। ऐसी चीजों जिनको खराब होने पर उन्हें फेंकने से किसी तरह का कोई नुकसान न हो। आप घर के लिए आर्टिफिशियल प्लांट की जगह रियल इंडोर और आउटडोर प्लांट खरीदें।

दिवाली से पहले घर से इन 6 चीजों को निकाल दें, अन्यथा बनीं रहेगी दरिद्रता

दिवाली से पहले घर की साफ-सफाई जरुर की जाती है। शास्त्रों मे बताया गया है जिन घरों में साफ-सफाई की जाती है, वहां मां लक्ष्मी का सदैव वास रहता है। इस लेख में हम आपको ऐसी वस्तुओं के बारें में बताने जा रहे हैं, जिन्हें आप दिवाली से पहले घर से बाहर निकाल देना चाहिए। वरना माता लक्ष्मी रुष्ट हो जाएगी।

कार्तिक मास की अमावस्या की तिथि पर हर साल दिवाली का त्योहार मनाया जाता है। इस साल पूरे देश में 31 अक्टूबर 2024 को दीपावली का पर्व मनाया जाएगा। दिवाली के दिन भगवान गणेश, माता लक्ष्मी और भगवान कुबेर की पूजा की जाती है। दिवाली का त्योहार पांच दिनों तक चलता है, इसकी शुरुआत धनतेरस से होती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, दिवाली के दिन माता लक्ष्मी हर घर में भ्रमण करती है। इस दौरान घर की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाता है, क्योंकि माता लक्ष्मी का वास साफ और स्वच्छ जगह पर ही होता है। शास्त्रों मे बताया गया है जिन घरों में साफ-सफाई की जाती है, वहां मां लक्ष्मी का सदैव वास रहता है। ऐसे में दिवाली से पहले घर से बाहर इन चीजों को निकाल दे, वरना माता लक्ष्मी नाराज हो सकती है।

दिवाली से पहले इन चीजों को घर से बाहर निकाल दें

टूटी-फूटी वस्तुएं

यदि आपके घर में टूटी हुई चीजें, जैसे कि बर्तन, फर्नीचर या सजावटी सामान, नकारात्मक ऊर्जा का कारण बन सकता है। इन्हें घर से तुरंत ही निकाल दें।

बिना उपयोग की जाने वाली वस्तुएं

आमतौर पर लोग बिना उपयोग में आने वाली वस्तुओं को भी घर में रखे रहते हैं, हालांकि, वास्तु के अनुसार इन चीजों को घर में रखना अच्छा नहीं माना जाता है। दिवाली की सफाई के समय इन वस्तुओं को घर से निकाल देना चाहिए। जैसे कि पुराने कपड़े, किताबें या उपकरण आदि।

अशुभ तस्वीरें

ध्यान रहे कि घर में कभी भी नकारात्मकता को दर्शाने वाली तस्वीरों को नहीं लगाना चाहिए।

सूखे और मृत पौधे

अगर आपके घर में सूखे और मुरझाए हुए पेड़-पौधे को घर से तुरंत निकाल दें क्योंकि यह नकारात्मक ऊर्जा लाते है। घर में नए और हरे पौधे लगाने चाहिए। हरे पौधे जीवन और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है।

खराब रिश्ते की यादें

यदि आपके जीवन में किसी बुरे अनुभव या रिश्तों की याद दिलाते हैं। दिवाली की सफाई के दौरान इन चीजों को घर से बाहर निकाल दें। चाहे तो आप इन चीजों को दान कर दें।

खंडित मूर्तियां

वास्तु मुताबिक, घर में कभी भी देवी-देवताओं की खंडित मूर्ति नहीं रखनी चाहिए। इन्हें दुर्भाग्य का कारण बन सकता है। इसलिए दिवाली की सफाई के दौरान खंडित मूर्तियां को किसी पवित्र स्थान में ले जाकर रख दें या फिर किसी नदी में प्रवाहित कर दें।

आखिर क्यों धनतेरस पर धनिया खरीदना शुभ होता है?

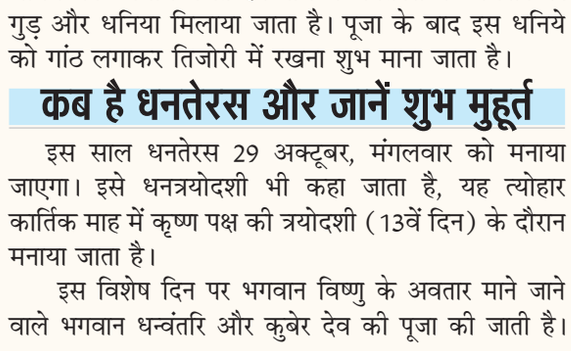

धनतेरस के दिन धनिया खरीदने की काफी मान्यता मानी जाती है। धनिया खरीदने का रिवाज पीढ़ियों से चला आ रहा है। ऐसा माना जाता है कि जो भक्त पूजा के दौरान देवी लक्ष्मी को धनिया अर्पित करते हैं उन्हें देवी का आशीर्वाद प्राप्त होता है। प्रचलित मान्यताओं के अनुसार, इस दिन देवताओं के चिकित्सक भगवान धन्वंतरि समुद्र मंथन से प्रकट हुए थे। त्योहारों का मौसम चल रहा है और पूरा देश दिवाली की तैयारी में लगा हुआ है। दिवाली देश भर में मनाए जाने वाले महत्वपूर्ण हिंदू त्योहारों में से एक और यह पांच दिवसीय उत्सव के तौर पर मनाया जाता है। जो धनतेरस से शुरू होती है और भाई दूज पर समाप्त होती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, धनतेरस पर धनिया खरीदना शुभ माना जाता है, इससे देवी लक्ष्मी की कृपा और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। धनिया खरीदने का रिवाज पीढ़ियों से चला आ रहा है। ऐसा माना जाता है कि जो भक्त पूजा के दौरान देवी लक्ष्मी को धनिया अर्पित करते हैं उन्हें देवी का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इससे उनके घर में शांति और समृद्धि भी बनी रहती है। आज भी कई जगहों पर धनतेरस पर चढ़ाने के लिए सूखे धनिये का उपयोग करते हैं। गांव में धनतेरस के अवसर पर गुड़ और धनिया मिलाया जाता है। पूजा के बाद इस धनिये को गांठ लगाकर तिजोरी में रखना शुभ माना जाता है।

कब है धनतेरस और जानें शुभ मुहूर्त

इस साल धनतेरस 29 अक्टूबर, मंगलवार को मनाया जाएगा। इसे धनत्रयोदशी भी कहा जाता है, यह त्योहार कार्तिक माह में कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी (13वें दिन) के दौरान मनाया जाता है।

इस विशेष दिन पर भगवान विष्णु के अवतार माने जाने वाले भगवान धन्वंतरि और कुबेर देव की पूजा की जाती है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

उपराज्यपाल ने श्रीनगर में चार को विधानसभा का सत्र बुलाया

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने चार नवंबर को श्रीनगर में विधानसभा का सत्र बुलाया है। मंगलवार को सत्र के संबंध में जानकारी दी गई। जम्मू कश्मीर विधानसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों को सोमवार को प्रोटेम विधानसभा अध्यक्ष मुबारक गुल ने शपथ दिलाई। राजभवन के एक प्रवक्ता ने कहा, ''उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जम्मू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 की धारा 18 और 19 के तहत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सोमवार चार नवंबर को पूर्वाह्न साढ़े 11 बजे श्रीनगर में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर के लिए विधानसभा का सत्र बुलाया है।'' प्रवक्ता ने बताया कि विधानसभा की प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियम 9(1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सिन्हा ने अध्यक्ष के चुनाव के लिए चार नवंबर की तारीख तय की है।

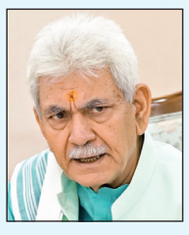

मोहन भागवत से मिले सीएम योगी, दो घंटे तक चली बैठक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत से मुलाकात कर दो घंटे तक विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की है। मथुरा में गौतम कुटीर में हुई इस मुलाकात के कई मायने निकाले जा रहे हैं। हम आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश में जल्द ही नौ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है। लोकसभा चुनावों में प्रदेश में भाजपा को करारा झटका लगने के बाद यह उपचुनाव योगी सरकार के लिए राजनीतिक रूप से बहुत मायने रखते हैं। जहां तक योगी और भागवत की ताजा मुलाकात की बात है तो आपको बता दें कि इस बारे में संघ के एक पदाधिकारी ने कहा कि योगी आदित्यनाथ ने भागवत के साथ कुछ राष्ट्रीय समस्याओं और सामान्य मुद्दों पर चर्चा की। हम आपको बता दें कि सरसंघचालक गौतम कुटीर में ठहरे हुए हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले से भी मुलाकात की और सप्त कुटीर में करीब ढाई घंटे रहे।

गिरिराज सिंह की विवादित टिप्पणी पर भड़का तेजस्वी

पटना। बिहार की राजनीति में आजकल खूब हिंदू-मुस्लिम देखने को मिल रहा है। हम आपको बता दें कि केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने विवादास्पद टिप्पणी करते हुए लोगों से अपने घरों में भाले, तलवार और त्रिशूल रखने का आह्वान किया, जिसका इस्तेमाल देवताओं की पूजा के साथ-साथ आत्मरक्षा के लिए भी किया जा सके। तो वहीं दूसरी ओर राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने कहा है कि अगर किसी ने मुसलमानों की तरफ बुरी नजर से देखा तो ईंट से ईंट बजा देंगे। दूसरी ओर राजद प्रमुख लालू यादव ने गिरिराज सिंह के बयान पर टिप्पणी करते हुए कहा है कि ये लोग दंगा कराना चाहते हैं तो वहीं उनके बेटे तेजस्वी यादव ने कहा है कि आज भाजपा के एक सांसद ने बिहार में माहौल बिगाड़ने के लिए भड़काऊ बयान दिया और आज ही उस सांसद को नीतीश कुमार ने अतिरिक्त सुरक्षा मुहैया करा दी। उन्होंने कहा कि इस देश की मिट्टी में सबकी महक और आज़ादी में सबका योगदान है।

झामुमो ने 35 उम्मीदवारों की पहली सूची की जारी

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने बुधवार को 35 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की, जिसमें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बरहेट सीट से और कल्पना सोरेन गांडेय सीट से चुनाव मैदान में हैं। राज्य में विधानसभा चुनाव दो चरणों में 13 और 20 नवंबर को होंगे और चुनाव परिणाम 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। हेमंत सोरेन साहिबगंज जिले की बरहेट (सुरक्षित) विधानसभा सीट से विधायक हैं। झामुमो की ओर से जारी इस सूची के अनुसार निवर्तमान मुख्यमंत्री के भाई बसंत सोरेन दुमका विधानसभा सीट से, झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो नाला विधानसभा सीट से, मंत्री मिथिलेश ठाकुर गढ़वा विधानसभा सीट से, सोनू सुदिव्य गिरिडीह विधानसभा सीट से और बेबी देवी डुमरी विधानसभा सीट से चुनाव चुनाव मैदान में हैं। बसंत सोरेन ने झामुमो का गढ़ माने जाने वाली दुमका सीट से भाजपा के पूर्व मंत्री लुईस मरांडी को 6,842 से अधिक मतों से हराया था।

एनसीपी ने जारी की उम्मीदवारों की पहली लिस्ट

मुंबई। महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर तमाम पार्टियां तैयारियों में जुट गई है। चुनाव को देखते हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने अपने उम्मीदवारों की पहली सूची बुधवार को जारी कर दी है। इस सूची के आधार पर अजित पवार आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अपने पारिवारिक गढ़ बारामती से चुनाव लड़ेंगे, पार्टी ने बुधवार को इसकी घोषणा की। वहीं, येओला से छगन भुजबल को मैदान में उतारा है। एनसीपी, भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रही है। इस बीच, शिवसेना ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए 45 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की है, जिसमें मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे कोपरी-पचपाखड़ी विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। अन्य उम्मीदवारों में जोगेश्वरी (पूर्व) से मनीषा रवींद्र वायकर, नांदगांव से सुहास द्वारकानाथ कांडे, छत्रपति संभाजीनगर (मध्य) से प्रदीप शिवनारायण जायसवाल और नांदेड़ उत्तर से बालाजी देवीदासराव कल्याणकर शामिल हैं।

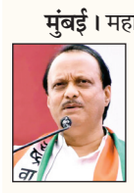

वायनाड से प्रियंका गांधी वाड्रा ने नामांकन दाखिल किया, मगर

नव्या हरिदास को हरा पाना इतना आसान नहीं होगा

वायनाड। केरल की वायनाड संसदीय सीट पर हो रहे उपचुनाव में बाहरी और स्थानीय उम्मीदवार के बीच सीधी लड़ाई देखी जा रही है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा जोकि बचपन से दिल्ली में रही हैं वह अपनी संसदीय पारी की शुरुआत के लिए वायनाड से चुनाव लड़ रही हैं। यह सीट उनके भाई राहुल गांधी ने 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में जीती थी। 2024 का चुनाव राहुल गांधी ने चूंकि वायनाड के अलावा उत्तर प्रदेश के रायबरेली से भी जीता था इसलिए उन्होंने वायनाड से इस्तीफा दे दिया और अपनी बहन को यहां से सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवार बताते हुए उनका नामांकन दाखिल करा दिया। प्रियंका गांधी ने हालांकि 2019 के लोकसभा चुनावों से पहले सक्रिय राजनीति में कदम रखते हुए उत्तर प्रदेश को अपनी कर्मभूमि के रूप में चुना था लेकिन वहां वह बुरी तरह विफल रहीं इसलिए अब उन्होंने कोई रिस्क नहीं लेते हुए ऐसी सीट से लड़ना पसंद किया जहां जीत की संभावना सबसे अधिक है।

दूसरी ओर यदि भाजपा उम्मीदवार के बारे में बात करें तो उनका नाम नव्या हरिदास जो है जोकि स्थानीय हैं और कोझिकोड में एक दशक तक पार्षद के रूप में सेवाएं दे चुकी हैं। वायनाड में त्रिकोणीय मुकाबला देखा जा रहा है। यहां से वाममोर्चा ने सत्यन मोकेरी को अपना उम्मीदवार बनाया है। प्रख्यात भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) नेता और पूर्व विधायक सत्यन मोकेरी मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीएम) के नेतृत्व वाले सत्तारुढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं।

हम आपको बता दें कि इस क्षेत्र से प्रियंका गांधी वाड्रा ने नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले कालपेट्टा में रोड शो किया, जिसमें संयुक्त प्रगतिशील मोर्चा (यूडीएफ) के नेताओं व कार्यकर्ताओं समेत हजारों लोग जुटे। मंगलवार रात अपनी मां और कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के साथ वायनाड पहुंचीं प्रियंका ने अपने भाई व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ कालपेट्टा स्थित नए बस स्टैंड से रोड शो का नेतृत्व किया। रोड शो के दौरान प्रियंका के साथ उनके पति रॉबर्ट वाड्रा, कांग्रेस और आईयूएमएल के वरिष्ठ नेता मौजूद थे। सुबह से प्रतीक्षा कर रहे यूडीएफ कार्यकर्ताओं और समर्थकों के साथ-साथ सभी आयु वर्ग के आम लोगों ने प्रियंका और राहुल गांधी

की तस्वीरों, पार्टी के रंगों वाले गुब्बारों से और ढोल बजाकर उनका स्वागत किया। रोड शो के लगभग दो किलोमीटर लंबे मार्ग के दोनों ओर कांग्रेस और उसकी सहयोगी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के रंगों वाले गुब्बारे भी लगे हुए थे। आईयूएमएल के हरे झंडे और कांग्रेस के तिरंगे भी रोड शो के दौरान दिखाई दिए। वैसे हम आपको याद दिला दें कि इस वर्ष अप्रैल में लोकसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी के रोड शो में आईयूएमएल के हरे झंडे दिखाई नहीं दिए थे, लेकिन प्रियंका के रोड शो में ये दिखाई दिए।

जहां तक भाजपा उम्मीदवार नव्या हरिदास की बात है तो आपको बता दें कि 13 नवंबर को होने वाले उपचुनाव में नव्या हरिदास अपने सियासी अनुभव के बूते कांग्रेस प्रत्याशी प्रियंका गांधी वाड्रा को चुनौती देंगी। सिंगापुर और नीदरलैंड में काम करके अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल कर चुकीं हरिदास एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं जो एक दशक तक कोझिकोड में एक पार्षद के रूप में भी काम कर चुकी हैं। हरिदास को भरोसा है कि उनकी पृष्ठभूमि उन्हें प्रियंका गांधी वाड्रा को चुनौती देने में सक्षम बनाती है, जो अपने भाई राहुल गांधी द्वारा खाली किए गए इस पहाड़ी लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस की जीत का सिलसिला जारी रखने की इच्छुक हैं।

हरिदास ने कहा कि प्रियंका गांधी वाड्रा भले की कांग्रेस की एक पदाधिकारी हैं, लेकिन एक जनप्रतिनिधि के रूप में उनके पास अनुभव की कमी है। हरिदास ने कहा, ''नेहरू परिवार की पृष्ठभूमि के कारण प्रियंका गांधी एक राष्ट्रीय हस्ती हैं, लेकिन यह उनका पहला चुनाव है। दूसरी ओर मैंने लगातार दो बार कोझिकोड नगर निगम में पार्षद के रूप में काम किया है और 2021 का विधानसभा चुनाव लड़ा है।'' उन्होंने कहा, ''मैं कई वर्षों से लोगों का प्रतिनिधित्व कर रही हूं, इसलिए प्रियंका गांधी के खिलाफ चुनाव लड़ना मेरे लिए कोई अलग चीज नहीं है। मेरा मानना है कि मेरे पास उनसे कहीं अधिक अनुभव है।''

हरिदास ने कहा, ''लड़ाई केवल कांग्रेस और भाजपा के बीच है। देखिए, कांग्रेस की गैरजिम्मेदारी के कारण यह चुनाव जरूरी हो गया। वायनाड के कई हिस्सों में आप अब भी 'फ्लेक्स बोर्ड' देखेंगे जिसमें राहुल गांधी के लिए वोट मांगा जा रहा है। हालांकि, उन्होंने रायबरेली सीट को अपने पास बनाए रखने का विकल्प चुना और वायनाड सीट अपनी बहन को सौंप दी। यह परिवार के प्रभुत्व का एक उदाहरण है और वह मतदाताओं के सामने इस मुद्दे को उजागर करेंगी।'' हम आपको बता दें कि नव्या हरिदास भाजपा की प्रदेश इकाई की महिला शाखा (महिला मोर्चा) की राज्य महासचिव हैं। हरिदास का मानना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकास का एजेंडा वायनाड में पार्टी के पक्ष में काम करेगा।

इंजीनियरिंग में स्नातक हरिदास ने राजनीति में लगभग संयोग से प्रवेश किया। बी.टेक की डिग्री हासिल करने के बाद उन्होंने एक सॉफ्टवेयर पेशेवर के रूप में काम किया। वर्ष 2009 में उन्होंने समुद्री इंजीनियर शोबिन श्याम से शादी की और सिंगापुर चली गईं, जहां उन्होंने चार साल तक काम किया। उन्होंने नीदरलैंड और अजरबैजान में भी काम किया। फिर वर्ष 2015 में छुट्टियों के दौरान कोझिकोड की यात्रा के दौरान (उन्हें उनके परिवार के आरएसएस से जुड़ाव के कारण) अप्रत्याशित रूप से केरल के स्थानीय निकाय चुनावों में एक उम्मीदवार के रूप में नामांकित किया गया था।

हम आपको बता दें कि लोकसभा के आम चुनाव के दौरान वाममोर्चा की उम्मीदवार एनी राजा थीं जिन्होंने राहुल गांधी को टक्कर दी थी। राहुल गांधी ने हालांकि तीन लाख 60 हजार से ज्यादा के रिकॉर्ड अंतर से यह सीट जीत ली थी। हालांकि यहां यह बात गौर करने लायक है कि 2019 में वायनाड में राहुल गांधी की जीत का अंतर चार लाख वोटों से ज्यादा का था। यहां यह भी गौर करने लायक है कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में वर्ष 2019 के आम चुनाव के मुकाबले भाजपा ने वायनाड में अपनी वोट हिस्सेदारी 5.75 प्रतिशत तक बढ़ायी जब उसके प्रदेश अध्यक्ष के. सुरेंद्रन ने राहुल गांधी को टक्कर दी।

महाविकास अघाड़ी में सीटों के बंटवारे को लेकर गतिरोध टूटा

महाराष्ट्र में कांग्रेस अधिकतम सीटों पर चुनाव लड़ेगी

मुंबई। महाराष्ट्र में विपक्षी दलों के गठबंधन महा विकास अघाड़ी (एमवीए) ने आगामी राज्य विधानसभा चुनावों के लिए अपने सीट-बंटवारे के समझौते को अंतिम रूप दे दिया है। हाल के लोकसभा चुनावों में उनके प्रदर्शन को देखते हुए कथित तौर पर कांग्रेस सबसे अधिक सीटों पर चुनाव लड़ेगी। प्रस्तावित समझौते के अनुसार, कांग्रेस 104 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) को 96 सीटें आवंटित की गई हैं, और शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) 88 निर्वाचन क्षेत्रों में उम्मीदवार उतारेगी। समाजवादी पार्टी (एसपी) और किसान और श्रमिक पार्टी (पीडब्ल्यूपी) जैसे अन्य सहयोगियों को उपर्युक्त संख्याओं में से चुनाव लड़ने के लिए सीटें दी जाएंगी। विदर्भ क्षेत्र की कुछ सीटों को लेकर कुछ असहमति थी, लेकिन उन पर भी आम सहमति बन गई है।

सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस नागपुर पश्चिम, कामठी, गोंदिया और भंडारा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। शिवसेना (यूबीटी) को इस क्षेत्र में वाणी और रामटेक सहित कुल 11 सीटें आवंटित की गई हैं, जबकि एनसीपी (शरद पवार) 11 से 12 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। 2019 के राज्य चुनावों के बाद गठित एमवीए गठबंधन, भाजपा, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और एनसीपी के अजीत पवार गुट से मिलकर बने सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन को हराने की उम्मीद कर रहा है।

शुरुआत में कुछ असहमतियाँ थीं, खास तौर पर विदर्भ क्षेत्र में सीटों के बंटवारे को लेकर। हालाँकि, अब गठबंधन में आम सहमति बन गई है। रिपोर्ट के अनुसार, कांग्रेस नागपुर पश्चिम, कामठी, गोंदिया और भंडारा की प्रमुख सीटों पर चुनाव लड़ेगी। शिवसेना (यूबीटी) वाणी और रामटेक सहित 11 निर्वाचन क्षेत्रों में उम्मीदवार उतारेगी, जबकि एनसीपी-एसपी इस क्षेत्र में 11 से 12 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

2019 के राज्य चुनावों के बाद गठित एमवीए का लक्ष्य सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन को चुनौती देना है। इस गठबंधन में भाजपा, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाला शिवसेना गुट और एनसीपी का अजित पवार गुट शामिल है। हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों में एमवीए ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 30 सीटें हासिल कीं, जबकि महायुति को 17 सीटें मिलीं। कांग्रेस ने 17 सीटों पर चुनाव लड़ा और 13 सीटें जीतीं, जबकि शिवसेना (यूबीटी) को 21 में से 9 सीटें मिलीं। इस सफलता ने एमवीए को राज्य विधानसभा चुनावों में भी अपने प्रदर्शन को दोहराने की उम्मीद दी है।

सीटों के बंटवारे को लेकर एमवीए में आंतरिक विवाद उभरे थे, जिसमें शिवसेना के संजय राउत और कांग्रेस के नाना पटोले जैसे नेताओं ने आलोचनाओं का आदान-प्रदान किया। इन विवादों को सुलझाने के लिए एमवीए नेतृत्व ने दक्षिण मुंबई के ट्राइडेंट होटल में नौ घंटे लंबी बैठक की। बाद में, कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) नेताओं ने एनसीपी-एसपी प्रमुख शरद पवार से हस्तक्षेप करने की मांग की, जिन्होंने मध्यस्थता करके मतभेदों को सुलझाने में मदद की। 288 सदस्यीय महाराष्ट्र विधानसभा के लिए चुनाव 20 नवंबर को एक ही चरण में होने वाले हैं, जिसके नतीजे 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।

खेल
प्रमुख समाचार

भारत और न्यूजीलैंड के बीच दूसरा टेस्ट मैच आज से

पुणे। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और मुख्य कोच गौतम गंभीर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच से पहले पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट संघ स्टेडियम पिच का निरीक्षण किया। भारत और न्यूजीलैंड के बीच गुरुवार से तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला जाना है। कीवी टीम फिलहाल भारत से सीरीज में 1-0 से आगे चल रही है।

न्यूजीलैंड ने भारत को बंगलुरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए पहले मुकाबले में आठ विकेट से हराया था और 36 साल बाद भारतीय जमीन पर कोई टेस्ट मैच जीता था। भारतीय टीम पर सीरीज में वापसी करने का दबाव होगा क्योंकि टीम पर 11 साल में घर पर पहली टेस्ट सीरीज हारने का खतरा मंडरा रहा है।

दूसरे टेस्ट मैच से पहले गंभीर और रोहित को अन्य सहायक स्टाफ के साथ पिच का निरीक्षण करते देखा गया था। माना जा रहा है कि पुणे की पिच स्पिनरों के मददगार वाली होगी। बंगलुरू टेस्ट में भारत की पहली पारी में बल्लेबाजी बेहद खराब रही थी और टीम 46 रन पर ढेर हो गई थी जो उसका घर पर टेस्ट में न्यूनतम स्कोर था। ओवरकास्ट कंडीशंस में भारतीय बल्लेबाज न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजी आक्रमण का सामना करने में नाकाम रहे थे। भारत ने दूसरी पारी में वापसी की कोशिश की थी और 462 रन बनाए थे, लेकिन न्यूजीलैंड की बढ़त इतनी ज्यादा थी कि भारतीय टीम यह मुकाबला हार गई।

बंगलुरू टेस्ट के बाद कप्तान रोहित शर्मा ने इस बात को स्वीकार किया था कि वह पिच को समझ नहीं सके थे जिस कारण टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का उनका फैसला गलत साबित हुआ था। भारतीय बल्लेबाजों से दूसरे टेस्ट में शानदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी क्योंकि टीम की नजरें वापसी पर टिकी हुई हैं।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

लगातार तीसरे दिन लाल निशान में बंद हुआ शेयर बाजार

नईदिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में आज लगातार तीसरे दिन गिरावट देखने को मिली। विदेशी निवेशकों की तरफ से जमकर शेयरों की बिकवाली, चीन की तरफ उनके झुकाव और मिडिल-ईस्ट तनाव के बीच सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट नहीं थम सकी। इसके अलावा, अमेरिका में आगामी 5 नवंबर को हो रहे राष्ट्रपति चुनाव को लेकर बनी अनिश्चितता से भी निवेशकों में घबराहट देखने को मिली। हालांकि, आईटी शेयरों ने बड़ी गिरावट से बचाने में कामयाबी हासिल की। बीएसई का बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स आज यानी 23 अक्टूबर को 138.74 अंक या 0.17% की गिरावट के साथ 80,081.98 के लेवल पर क्लोज हुआ। वहीं, एनएसई का बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी 50 36.60 अंक या 0.15% लुढ़ककर 24,435.50 के लेवल पर बंद हुआ। सेक्टोरल इंडेक्स की बात की जाए तो आज निफ्टी आईटी एक मात्र ऐसा सेक्टर रहा जो 1% से ज्यादा की उछाल दर्ज कर सका।

भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है

नईदिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है और देश की वृहद आर्थिक बुनियाद अच्छी है। आईएमएफ में एशिया प्रशांत विभाग के निदेशक कृष्णा श्रीनिवासन ने एक साक्षात्कार में कहा, '' भारत, दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। हम वित्त वर्ष 2024-25 में सात प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाते हैं, जिसे ग्रामीण खपत में सुधार से समर्थन मिलेगा क्योंकि फसलें अनुकूल रही हैं। खाद्य कीमतों के सामान्य होने से कुछ उतार-चढ़ाव के बावजूद वित्त वर्ष 2024-25 में मुद्रास्फीति घटकर 4.4 प्रतिशत रहने की उम्मीद है।'' अन्य बुनियादी बातों के संदर्भ में उन्होंने कहा, '' चुनाव के बावजूद राजकोषीय समेकन पटरी पर है। 'रिजर्व' की स्थिति काफी अच्छी है।

वेदांता रिसोर्सेज ने 'टैप इश्यू' से 30 करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटाए

मुंबई। मुंबई स्थित खनन समूह वेदांता लिमिटेड की मूल कंपनी वेदांता रिसोर्सेज ने मौजूदा बॉन्ड निर्गम पर 'टैप इश्यू' का इस्तेमाल कर 30 करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटाए हैं। 'टैप इश्यू' एक ऐसी प्रक्रिया है जो कंपनियों को पिछले निर्गम से बॉण्ड या अन्य अल्पकालिक ऋण उपकरण जारी करने की अनुमति देती है। वेदांता रिसोर्सेज लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी वेदांता रिसोर्सेज फाइनेंस II पीएलसी ने सिंगापुर एक्सचेंज को दी गई सूचना में बताया, उसने सितंबर में जारी होने वाले 90 करोड़ अमेरिकी डॉलर के बॉन्ड पर 'टैप इश्यू' विकल्प का इस्तेमाल किया है, जिससे 9.99% की दर से 30 करोड़ अमेरिकी डॉलर और जुटाए जा सकेंगे। वेदांता के मुख्य वित्तीय अधिकारी अजय गोयल ने कहा,कंपनी सितंबर 2024 में हमारे 90 करोड़ डॉलर के बॉण्ड जारी करने के तुरंत बाद अपनी 'टैप' पेशकश को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया से काफी खुश है।

सरकार ने उसना-भूरा चावल को निर्यात शुल्क से छूट दी

नईदिल्ली। सरकार ने उसना चावल और भूरा चावल को निर्यात शुल्क से छूट दे दी है। वित्त मंत्रालय की ओर से मंगलवार देर रात जारी अधिसूचना के अनुसार, उसना चावल, भूरा चावल (ब्राउन राइस) और धान पर निर्यात शुल्क 10% से घटाकर ''शून्य'' कर दिया गया है। यह छूट 22 अक्टूबर से प्रभावी हो गई। सूत्रों ने बताया कि इस शुल्क कटौती पर निर्वाचन आयोग की मंजूरी मिल गई है, बशर्ते कि इससे कोई राजनीतिक लाभ न उठाया जाए। झारखंड और महाराष्ट्र में अगले महीने चुनाव होने वाले हैं। सरकार ने पिछले महीने गैर-बासमती सफेद चावल को निर्यात शुल्क से छूट दे दी थी। इसके अलावा उसना चावल, भूरा चावल और धान पर भी निर्यात शुल्क 20% से घटाकर 10% कर दिया था। वहीं निर्यात को बढ़ावा देने तथा किसानों की आय बढ़ाने के लिए बासमती चावल के न्यूनतम निर्यात मूल्य को भी समाप्त कर दिया गया है।

भारत के पास विदेशी मुद्रा भंडार की मजबूत ढाल

राजेश कुमार

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से रुपया दबाव में आ गया है। पिछले सप्ताह यह अमेरिकी डॉलर की तुलना में 84 के पार चला गया। तनाव बढ़ता ही रहा तो दो कारणों से रुपये की चाल पर अनिश्चितता और बढ़ सकती है।

पहला, पश्चिम एशिया में चल रहा तनाव विदेशी निवेशकों में जोखिम भरे दांव खेलने का जज्बा कम कर सकता है, जिस कारण वे भारत से निवेश निकाल सकते हैं।

दूसरा, तनाव से कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित हो सकती है, जिससे इसके दाम और बढ़ जाएंगे। भारत ईंधन की अपनी जरूरत पूरी करने के लिए भारी मात्रा में कच्चा तेल आयात करता है, इसलिए दाम बढ़ने से डॉलर की जरूरत भी बढ़ जाएगी। ईंधन के दाम बढ़ना भारत के लिए हमेशा सिरदर्द रहा है।

फिलहाल तेल के दाम नियंत्रण में हैं और भारत को भरोसा है कि वह वैश्विक वित्तीय एवं ऊर्जा बाजार की उठापटक से निपट सकता है। इस भरोसे ही बड़ी वजह भारत का विशाल विदेशी मुद्रा भंडार है, जो हाल ही में 700 अरब डॉलर पार कर गया। विशाल मुद्रा भंडार और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के सक्रिय हस्तक्षेप के कारण मुद्रा बाजार में उतार-चढ़ाव काबू मे रहा है। इस वर्ष की शुरुआत से रुपया महज 1 प्रतिशत कमजोर हुआ है। कुछ अर्थशास्त्री तो कह रहे हैं कि यह उठापटक बहुत कम है।

विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ाने के कई कारण हैं और उदारीकरण के बाद भारत कुछ मौकों को छोड़कर लगातार ऐसा करता रहा है। रिजर्व बैंक मुख्य रूप से अनिश्चितता कम करने के लिए ही विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप करता है।

देश के वित्तीय तंत्र से विदेशी रकम अचानक निकलने पर विदेशी मुद्रा भंडार बीमा की तरह काम करता है। भारत दूसरे देशों से और भी ज्यादा जुड़ रहा है, इसलिए वैश्विक स्तर पर होने वाली उठापटक का सामना करने के लिए इसके पास पर्याप्त मुद्रा भंडार होना चाहिए। उथल-पुथल बढ़ने पर मुद्रा बाजार में अनिश्चितता बढ़ती है और वास्तविक आर्थिक गतिविधियों पर असर पड़ता है।

उदाहरण के लिए 2022 में जब यूक्रेन युद्ध के कारण कमोडिटी के दाम एकाएक चढ़ने से व्यापार घाटा बढ़ गया था तब अत्यधिक उतार-चढ़ाव को काबू में करने के लिए रिजर्व बैंक ने अपने विदेशी मुद्रा भंडार का इस्तेमाल किया था। इस बीच अमेरिकी फेडरल रिजर्व और उसके बाद कई देशों के केंद्रीय बैंकों ने जब मौद्रिक सख्ती की तो भारत से रकम निकासी तेज हो गई।

विदेशी निवेशकों ने जनवरी और जून 2022 के बीच 30 अरब डॉलर से अधिक के शेयर एवं बॉन्ड बेच डाले। इस दोहरे झटके से निपटने में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार अक्टूबर 2022 तक 525 अरब डॉलर रह गया, जो जनवरी में 635 अरब डॉलर था।

हालांकि कुछ कमी तो वैश्विक मुद्रा बाजार में जबरदस्त उठापटक के कारण पुनर्मूल्यांकन किए जाने का नतीजा भी रही होगी मगर रिजर्व बैंक रुपये में उतार-चढ़ाव को इसलिए काबू में रख पाया क्योंकि उसके पास डॉलर का विशाल भंडार था और वह उसका इस्तेमाल करने को तैयार था।

विशाल मुद्रा भंडार देश के वित्तीय तंत्र से पूंजी निकलने पर प्रतिकूल परिस्थितियों से निपटने में सहायक हो सकते हैं। अर्थशास्त्री चेतन घाटे एवं अन्य ने एक नए शोध पत्र में कहा है कि वैश्विक वित्तीय संकट की स्थिति में विदेशी मुद्रा भंडार देश से पूंजी बाहर जाने की रफ्तार कम कर देता है। भारत में चालू खाते का घाटा है (जो इसकी निवेश जरूरतों को देखते हुए सही है) और विदेशी मुद्रा भंडार व्यापार आधिक्य के बल पर नहीं बना है, इसलिए 2022 सरीखे वैश्विक झटकों से निपटने के लिए अधिक मुद्रा भंडार रखना जरूरी हो जाता है। विदेशी मुद्रा भंडार ज्यादा हो तो नीतिगत निर्णय लेने में भी आसानी होती है।उदाहरण के लिए कोविड महामारी के बाद भारत का सामान्य सरकारी बजट घाटा काफी अधिक हो गया था और सार्वजनिक ऋण भी काफी अधिक हो गया था। 2022 में जब दुनिया में ब्याज दरें तेजी से बढ़ रही थीं तब स्थिति और विकराल हो सकती थी।

रायपुर उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार सुनील का मुहूर्त नामांकन

■ बृजमोहन अग्रवाल रहे मौजूद

रायपुर। रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव में जोर आजमाइश का दौर शुरू हो चुका है। बीजेपी और कांग्रेस दोनों दलों ने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। बीजेपी की तरफ से सुनील सोनी मैदान में हैं तो कांग्रेस से आकाश शर्मा ताल ठोक रहे हैं। इस सीट पर नामांकन का सिलसिला जारी है। बुधवार को बीजेपी उम्मीदवार सुनील सोनी ने इस सीट से मुहूर्त नामांकन दाखिल किया है।

बीजेपी उम्मीदवार सुनील सोनी ने कलेक्टोरेट में नामांकन दाखिल किया है। यह नॉमिनेशन मुहूर्त नामांकन के तौर पर किया गया है। इस दौरान सुनील सोनी ने नामांकन फॉर्म सहित अन्य जरूरी दस्तावेज दाखिल किया। इस नामांकन की प्रक्रिया के वक्त उनके साथ रायपुर के बीजेपी सांसद बृजमोहन अग्रवाल भी मौजूद रहे।

सुनील सोनी का यह मुहूर्त नामांकन था। वह जल्द ही विशाल रैली निकालकर पूर्ण रूप से नामांकन दाखिल करेंगे।

मीडिया में जारी खबरों के मुताबिक सुनील सोनी 25 अक्टूबर को नामांकन दाखिल करेंगे। इस दिन बीजेपी की तरफ से एक विशाल रैली निकाली जाएगी। नामांकन रैली में बीजेपी के कई दिग्गज नेता मौजूद रहेंगे और इसके साथ सुनील सोनी नामांकन दाखिल करेंगे। बीजेपी नॉमिनेशन को लेकर सारी तैयारियां कर रही है।

रायपुर दक्षिण सीट पर साल 2023 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी के बृजमोहन अग्रवाल ने चुनाव जीता। वह यहां से चुने जाने के बाद मंत्री बनाए गए। इस बीच लोकसभा चुनाव 2024 में बीजेपी ने उन्हें रायपुर लोकसभा सीट का प्रत्याशी बनाया। बृजमोहन अग्रवाल चुनाव जीत गए और सांसद बन गए। इस वजह से यह सीट खाली हो गई। अब इस सीट पर चुनाव हो रहा है। बीजेपी ने सुनील सोनी को टिकट दिया है जबकि कांग्रेस ने आकाश शर्मा को मैदान में उतारा है। दोनों के बीच यहां पर टक्कर है।

इस सीट पर बीजेपी सात बार से लगातार चुनाव जीतते जा रही है। विधानसभा चुनाव के इतिहास में यह सीट बीजेपी का गढ़ मानी जाती रही है। इस बार कांग्रेस ने इस सीट पर इतिहास बदलने की बात कही है। दीपक बैज ने दावा किया है कि जनता इस बार कांग्रेस पर भरोसा जताएगी। दूसरी तरफ बीजेपी के बृजमोहन अग्रवाल का दावा है कि इस सीट पर बीजेपी की बंपर जीत होगी।

कांग्रेस प्रत्याशी आकाश ने भाजपा प्रत्याशी सुनील व बृजमोहन का पैर छूकर लिया आशीर्वाद

रायपुर। राजधानी रायपुर की दक्षिण विधानसभा सीट पर उपचुनाव की सरगर्मियां तेज हो रही हैं। इसी सिलसिले में अब वहां कई मजेदार तस्वीरें भी देखने को मिल रही हैं।

ऐसा ही कुछ नजारा आज कलेक्टोरेट परिसर में दिखा जहां कांग्रेस प्रत्याशी आकाश शर्मा ने मुहूर्त के अनुसार अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन से पहले उन्होंने सांसद बृजमोहन अग्रवाल और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के रायपुर दक्षिण प्रत्याशी सुनील सोनी से आशीर्वाद लिया। इस अनोखी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मीडिया बातचीत में आकाश शर्मा ने कहा कि बड़े काम की शुरुआत करने से पहले बड़ों का आशीर्वाद लेना शुभ माना जाता है, और मैंने भी यही किया है। राजनीति में विचारधारा अलग हो सकती है, लेकिन मैंने उन्हें सम्मान दिया है क्योंकि वे मुझसे उम्र और अनुभव में बड़े हैं।

रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट पर 13 नवंबर 2024 को उपचुनाव के लिए मतदान होगा और इसके परिणाम 23 नवंबर 2024 को घोषित किए जाएंगे।

चुनावी प्रक्रिया को लेकर स्थानीय प्रशासन ने सभी तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। उम्मीदवार 25 अक्टूबर 2024 तक अपने नामांकन दाखिल कर सकते हैं।

नामांकन की संवीक्षा 28 अक्टूबर को की जाएगी, और उम्मीदवार 30 अक्टूबर तक अपना नामांकन वापस ले सकेंगे। इस प्रक्रिया के दौरान कार्यालयीन दिनों में सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक नामांकन दाखिल किए जा सकते हैं।

भूपेश बघेल के एक्स पोस्ट पर भाजपा के वरिष्ठ किसान नेता ने जारी किए भूपेश कार्यकाल के आंकड़े पूछा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ किसान नेता व प्रदेश प्रवक्ता संदीप शर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के एक्स पोस्ट पर चुनौती देते हुए कहा है कि कांग्रेस की पिछली भूपेश सरकार ने लगातार गन्ने की प्रोत्साहन राशि हर साल घटाई, बघेल पहले उस पर जवाब दें। श्री शर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री बघेल पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि हर स्तर पर प्रदेश के किसानों के साथ छल-कपट और धोखाधड़ी का कलंक लिए फिर रहे बघेल को अब किसानों के नाम पर घड़ियाली आँसू बहाने और प्रदेश को दिग्भ्रमित करने में शर्म महसूस करनी चाहिए।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री शर्मा ने कहा कि बघेल अब गन्ने की प्रोत्साहन राशि के विषय में किसी भी प्रकार का सवाल-जवाब करने का अपना अधिकार खो चुके हैं। बघेल पहले तो यह बताएं कि गन्ने की प्रोत्साहन राशि सन 2020-21 में 93.75 रुपए से घटाकर 84.25 रुपए क्यों की गई? फिर 2021-22 में यह प्रोत्साहन राशि 84.25 रुपये से घटाकर 79.50 रुपए, और 2022-23 में 79.50 रुपए से घटाकर 72.88 रुपए क्यों की गई? अपने पूरे कार्यकाल में गन्ने की प्रोत्साहन राशि में 20.87 रुपए की कटौती करके किसानों की खुली लूट मचाने वाले बघेल अपने कृत्यों पर क्यों नहीं बोलते? गन्ना में प्रति पंजीकृत किसान को 50 किलो शक्कर भाजपा सरकार मुफ्त देती थी जिसे भूपेश बघेल ने बंद कर दिया था। पाँच वर्षों तक उन किसानों की शक्कर तक खा गए! अब भाजपा के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार ने सत्ता में आते ही गन्ना उत्पादक किसानों के हक की 50 किलो मुफ्त शक्कर पुन: देना प्रारंभ किया है। श्री शर्मा ने कहा कि कदम-कदम पर किसानों के शोषण की सारी हदें पार कर चुकी पिछली कांग्रेस सरकार के मुखिया के तौर पर अब बघेल जो प्रलाप करके किसानों को उकसाने और उसकी आड़ में प्रदेश में अराजकता फैलाने की नाकाम कोशिश कर रहे हैं क्योंकि प्रदेश का किसान अब बघेल और कांग्रेसियों के झाँसे में कतई नहीं आने वाले हैं।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में पूर्व मुख्यमंत्री बघेल जैसे लबरा कांग्रेस नेता नहीं देखे गए हैं। हर बात पर झूठ फैलाने में माहिर हो चले बघेल गन्ने की बोनस राशि में कटौती का आरोप लगाने से पहले विगत 5 वर्षों की विवरण सूची देख लें, तो स्पष्ट हो जाएगा कि 355 रुपए गन्ने का कुल भुगतान (मूल भुगतान और बोनस को जोड़कर) पूर्व की भांति इस वर्ष भी किया जा रहा है। मुख्यमंत्री जैसे पद पर रहे बघेल का इस प्रकार से भ्रम फैलाना और झूठ बोलना उनके राजनीतिक दीवालिएपन को दर्शाने के लिए पर्याप्त है। श्री शर्मा ने पेराई सत्रवार एफआरपी व गन्ना प्रोत्साहन भुगतान राशि (बोनस राशि) की जानकारी देते हुए बताया कि पेराई सत्र 2019-20 गन्ने की एफआरपी दर (प्रति क्विंटल 9.5त्न रिकव्हरी के मान पर) प्रति क्विंटल 261.25 रु. थी और गन्ना प्रोत्साहन राशि 93.75 रु. प्रति क्विंटल के मान से दी गई।

पेराई सत्र 2020-21 में गन्ने की एफआरपी दर (प्रति क्विंटल 9.5% रिकव्हरी के मान पर) प्रति क्विंटल 270.75 रु. थी और गन्ना प्रोत्साहन राशि 84.25 रु. प्रति क्विंटल के मान से दी गई। पेराई सत्र 2021-22 में गन्ने की एफआरपी दर (प्रति क्विंटल 9.5त्न रिकव्हरी के मान पर) प्रति क्विंटल 275.50 रु. थी और गन्ना प्रोत्साहन राशि 79.50 रु. प्रति क्विंटल के मान से दी गई। पेराई सत्र 2022-23 में गन्ने की एफआरपी दर (प्रति क्विंटल 9.5त्न रिकव्हरी के मान पर) प्रति क्विंटल 282.12 रु. थी और गन्ना प्रोत्साहन राशि 72.88 रु. प्रति क्विंटल के मान से दी गई।

कोई भाषण देने नहीं आया हूं, द. विस को जीत कर कांग्रेस की झोली में डालेंगे - आकाश

रायपुर। दक्षिण विधानसभा उपचुनाव को लेकर आज जिला कांग्रेस कमेटी में प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक बैज के नेतृत्व में वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ताओं की बैठक रखी गई। इस बैठक में विधानसभा के प्रत्याशी आकाश शर्मा मौजूद रहे। बैठक का आयोजन शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गिरीश दुबे द्वारा किया गया जिसमें बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता शामिल हुए।कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री सत्यनारायण शर्मा पैर में चोट लगने के बावजूद भी बैठक में सबसे पहले पहुंचे। प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि रायपुर शहर के कांग्रेस के सभी नेता एवं कार्यकर्ता को एकजुट होकर विधानसभा के प्रत्याशी आकाश शर्मा के लिए मिलकर काम करना है। आप सभी कांग्रेस परिवार के कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर में जाकर कार्य करना है। भारतीय जनता पार्टी के पिछले 9 महीने की सरकार में जिस तरह से पूरे प्रदेश में अपराध अपनी चरण सीमा पार कर चुका है, महिलाओं के साथ छेड़खानी, बलात्कार के अनगिनत मामले प्रदेश में दर्ज हो चुके हैं। कानून व्यवस्था बेहाल हो चुकी है, इन सभी मुद्दों को लेकर हमें दक्षिण की जनता के बीच में जाना है।

दक्षिण की जनता भली-भाती जान रही है कि भारतीय जनता पार्टी ने एक निष्क्रिय व्यक्ति को अपना प्रत्याशी चुना है।हमें मिलकर हमारे युवा प्रत्याशी को इस दक्षिण विधानसभा के उपचुनाव में भारी मतों से जीत दिलानी है। दक्षिण विधानसभा प्रत्याशी आकाश शर्मा ने कहा कि आज मैं बैठक में कोई भाषण देने नहीं आया हूं सिर्फ आप सभी वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं से आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आया हू। जिस प्रकार कांग्रेस पार्टी ने मुझ जैसे सामान्य वर्ग के घर से आने वाले कार्यकर्ता को विधानसभा का प्रत्याशी बनाया है उसके लिए मैं सर्वप्रथम राष्ट्रीय के शीश नेतृत्व एवं प्रदेश के शीश नेतृत्व का दिल से धन्यवाद देना चाहता हूं। सबको यह विश्वास दिलाता हूं कि हम सभी मिलकर इस दक्षिण विधानसभा को जीत कर कांग्रेस की झोली में डालेंगे। जिस प्रकार भारतीय जनता पार्टी ने एक निष्क्रिय व्यक्ति को अपना प्रत्याशी बनाया है हम सभी एकजुट होकर मेहनत करेंगे तो निश्चित तौर पर इस विधानसभा को जीतने में सफल रहेंगे। बैठक में मुख्य रूप से जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गिरीश दुबे पूर्व मंत्री धनेंद्र साहू, सत्यनारायण शर्मा राष्ट्रीय सचिव राजेश तिवारी महामंत्री मलकीत सिंह गेंदु पूर्व राज्यसभा सांसद छाया वर्मा महापौर एजाज डेबर ब्लॉक अध्यक्ष प्रशांत ठेंगड़ी उपस्थित थे।

प्रमोद और कन्हैया का छलका दर्द

कांग्रेस में दावेदार तो दक्षिण विधानसभा के लिए कई थे लेकिन नाम फाइनल हुआ आकाश शर्मा का। अन्य दो नाम जो प्रमुखता से लिए जा रहे थे उसमें नगर निगम के सभापति प्रमोद दुबे व पूर्व पराजित प्रत्याशी कन्हैया अग्रवाल का था। स्वाभाविक है टिकट न मिलने की पीड़ा तो होगी,सोशल मीडिया में किए गए पोस्ट से उनका दर्द छलक रहा है। प्रमोद दुबे ने एक्स पर लिखा- न पाने की चिंता, न खोने का गम है, जिंदगी का सफर अब सुहाना सफर है। कन्हैया अग्रवाल ने फेसबुक में लिखा - द्वंद्व कहां तक पाला जाए, युद्ध कहां तक टाला जाए, तू भी है राणा का वंशज, फेंक जहां तक भाला जाए।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

अब तक 16 अभ्यर्थियों ने जमा किए अपने नामांकन

रायपुर। रायपुर नगर (दक्षिण) उप निर्वाचन-2024 अंतर्गत अभी तक सोलह उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। आज 23 अक्टूबर को भारतीय जनता पार्टी से सुनील कुमार सोनी, इंडियन नेशनल कांग्रेस से आकाश शर्मा, शक्ति सेना (भारत देश) से सविता बंजारे, निर्दलीय शेख जैनब बेगम, हैदर भाटी, राधेश्वरी गायकवाड़ ने अपना नामनिर्देशन पत्र जमा किया। उल्लेखनीय है कि रायपुर नगर (दक्षिण) उपनिर्वाचन 2024 के लिए उम्मीदवार 25 अक्टूबर 2024 तक अपना नामांकन दाखिल कर सकते हैं। शासकीय अवकाश दिवसों को छोड़कर कार्यालयीन दिवसों में प्रात: 11 बजे से दोपहर तीन बजे तक नामांकन दाखिल किया जा सकता है। प्राप्त नामांकन पत्रों की संवीक्षा 28 अक्टूबर को की जाएगी। उम्मीदवार 30 अक्टूबर तक अपना नामाकंन वापस ले सकेंगे।

महतारी वंदन में सभी महिलाओं को राशि नहीं मिल रही - कांग्रेस

रायपुर। महतारी वंदन में सभी पात्र महिलाओं को महतारी वंदन की राशि नहीं मिल रही है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि विधानसभा चुनाव के समय भाजपा ने वादा किया था सभी विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपये. दिया जायेगा। मुख्यमंत्री और कलेक्टर की पत्नी को भी राशि देने का दावा भाजपा ने किया था। भाजपा के चुनावी वादे के अनुसार 1 करोड़ 4 लाख महिलाओं को महतारी वंदन की राशि मिलनी चाहिये। लेकिन सरकार बनाने के बाद भाजपा अपने वादे से मुकर गयी है तथा अनेक नियम कानून बना दिया जिसके कारण लगभग चालीस लाख महिलाएं योजना के दायरे से बाहर हो गयी, मात्र 70 लाख महिलाओं को पात्र बताया गया। पिछले कुछ महिने से अधिकांश महिलाये के खाते में पैसा नहीं आ रहा है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि जिन 70 लाख महिलाओं को सरकार ने पात्र बताया है उन सभी के खाते में भी पैसा नहीं जा रहा है। सरकार घोषित 70 लाख में से 25 प्रतिशत महिलाओं के खाते में पैसे डाल रही है। रायपुर, बिलासपुर, रायगढ़, सरगुजा, बस्तर सभी जगह से राशि नही मिलने की शिकायते आ रही है।

रायपुर मंडल के 15 स्टेशनों पर पुनर्विकास कार्य तेज़ी से जारी

रायपुर। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल में स्थित 15 स्टेशनों का पुनर्विकास कार्य मंडल रेल प्रबंधक श्री संजीव कुमार के मार्गदर्शन में तेजी से प्रगति कर रहा है। इन स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करके यात्रियों के लिए अधिक आरामदायक, सुरक्षित और स्तरीय बनाया जा रहा है। भारतीय रेलवे द्वारा इस योजना के तहत मंडल में यात्री सुविधाओं को और बेहतर करने हेतु विशेष प्रयास किए जा रहे हैं, जोकि यात्रियों की सुरक्षा, संरक्षा और सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं। मंडल के 15 स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकास का कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है जिनमे 1) भाटापारा, (2) भिलाई पावर हाउस, (3) तिल्दा-नेवरा, (4) बेल्हा, (5) भिलाई, (6) बालोद, (7) दल्ली राजहरा, (8) भानुप्रतापपुर, (9) हथबंद, (10) सरोना, (11) मरोदा, (12) मंदिर हसौद, (13) उरकुरा, (14) निपनिया, (15) भिलाई नगर, शामिल हैं। स्टेशनों की सुंदरता, स्वच्छता और यात्री सेवाओं का उच्चतम स्तर सुनिश्चित किया जा रहा है। साथ ही पर्यावरण-अनुकूल तकनीक और डिज़ाइन से पुनर्विकसित किया जा रहा है.

रेल मंडल के स्टेशनों पर लिफ्ट और एस्केलेटर की सुविधा

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में यात्रियों की सुविधाओं में लगातार वृद्धि की जा रही है एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म पर आने जाने के लिए यात्रियों की सुविधा के लिए रायपुर रेल मंडल के स्टेशनों पर 10 लिफ्ट और 07 एस्केलेटर की सुविधा उपलब्ध है। जिसके माध्यम से महिला, बुजुर्ग, दिव्यांग यात्रियों मरीजों को आवागमन में सुविधा रहती है। रायपुर रेल मंडल के स्टेशनों पर वर्तमान समय में रायपुर स्टेशन पर 07 प्लेटफार्म है इन प्लेटफार्म पर आवागमन हेतु तीन लिफ्ट एवं चार एस्केलेटर की सुविधा उपलब्ध है। दुर्ग स्टेशन पर 06 प्लेटफार्म है। एक दूसरे प्लेटफार्म पर आने-जाने हेतु यात्रियों की सुविधा के लिए तीन लिफ्ट एवं दो एस्केलेटर की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। तिल्दा नेवरा स्टेशन पर एक लिफ्ट उपलब्ध है। भाटापारा स्टेशन पर तीन लिफ्ट और एक एस्केलेटर की सुविधा यात्रियों के लिए उपलब्ध है। रायपुर एवं दुर्ग स्टेशनों पर मेजर रीडेवलपमेंट का कार्य किया जायेगा। मेजर रीडिवेलपमेंट के तहत इन स्टेशनों पर भविष्य में रायपुर स्टेशन पर 16 एस्केलेटर एवं 42 लिफ्ट मिलने से यात्रियों को आवागमन में और सहूलियत रहेगी दुर्ग स्टेशन पर 21 एस्केलेटर एवं 49 लिफ्ट की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

द. विस उपचुनाव: जम्वाल ने ली संगठनात्मक बैठक

रायपुर। आगामी रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव के संदर्भ में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया। यह बैठक जिला भाजपा कार्यालय, एकात्म परिसर में संपन्न हुई, जिसमें संगठन के प्रमुख पदाधिकारी, मोर्चों के प्रदेश पदाधिकारी, प्रकोष्ठों के संयोजक एवं सहसंयोजक, शक्तिकेंद्रों और जिला एवं मंडलों के सभी पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक का उद्देश्य चुनावी रणनीतियों पर चर्चा और भाजपा की जीत सुनिश्चित करना था। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि लगभग 33 वर्षों तक भाजपा का अभेद्य किला है रायपुर दक्षिण और इसे सदैव अपना मजबूत गढ़ बनाए रखना आपकी बड़ी जिम्मेदारी है। आपके परिश्रम का नतीजा सदैव आपके बड़े मतांतर से जीत से प्रदर्शित होता है और इस बार भी सिर्फ चुनाव जीतना हमारा आपका लक्ष्य नहीं होना चाहिए, अपितु सभी नेताओं के स्वर में स्वर मिलाते हुए बड़ी मार्जिन की जीत का रिकॉर्ड हासिल करना आपका हमारा प्रमुख लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री ने विद्या भारती के क्षेत्रीय संस्कृति महोत्सव का किया शुभारंभ

नई पीढ़ी को संस्कार और संस्कृति से जोड़ना महत्वपूर्ण कार्य: साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय रायपुर के रोहिणीपुरम स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में आयोजित क्षेत्रीय संस्कृति महोत्सव 2024 का शुभारंभ करते हुए कहा कि नई पीढ़ी को संस्कारवान् बनाने और भारतीय संस्कृति से जोड़ने में विद्या भारती द्वारा महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस तीन दिवसीय संस्कृति महोत्सव में नई पीढ़ी के बच्चे अपने सांस्कृतिक गौरव से परिचित होंगे। साथ ही वे संस्कारवान् भी बनेंगे। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने नई शिक्षा नीति 2020 के सफल क्रियान्वयन के लिए सरस्वती शिशु मंदिर रोहिणीपुरम में आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था के लिए 50 लाख रुपए की राशि स्वीकृति की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में कहा कि उनका सरस्वती शिशु मंदिर से बचपन से जुड़ाव रहा है। भारतीय संस्कृति के संवर्धन हेतु क्षेत्रीय संस्कृति महोत्सव का आयोजन अत्यंत महत्वपूर्ण है। नई शिक्षा नीति बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सहायक सिद्ध होगी और शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक बदलाव लाएगी। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना देते हुए निरंतर मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। रायपुर लोक सभा सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ को नई शिक्षा नीति लागू करने वाला पहला राज्य है। उन्होंने इस मौके पर खरोरा स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में सांस्कृतिक भवन के निर्माण के लिए 20 लाख रुपए की राशि स्वीकृति की मंजूरी दी।

कार्यक्रम को विद्या भारती के पदाधिकारी श्री भाल चंद्र रावले, श्री प्रकाश ठाकुर और श्री शशिकांत फड़के ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में विधायक मोतीलाल साहू और पुरन्दर मिश्रा, विद्या भारती के सचिव विवेक सक्सेना सहित वल्लभ लाहोटी, अन्य गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे उपस्थित थे।

इस चुनाव में दक्षिण में नया इतिहास रचेंगे

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि अबकी बार हम दक्षिण में नया इतिहास रचेंगे। जनता के आर्शिवाद से यहां से कांग्रेस के प्रत्याशी आकाश शर्मा चुनाव जीतेंगे। दक्षिण विधानसभा का चुनाव में साय सरकार के 11 माह के कुशासन के खिलाफ जनता मतदान करने को तत्पर है। 11 माह में राज्य की बिगड़ती कानून व्यवस्था भाजपा की वायदाखिलाफी, सरकार का कुशासन बड़ा चुनावी मुद्दा होगा। केई सरकार 11 माह के अल्प समय में ही इतनी ज्यादा अलोकप्रिय साबित हो सकती है। इसका उदाहरण छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार है। जनता भाजपा सरकार से ऊब चुकी है, अत: जनमानस भाजपा के खिलाफ है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा के राज में आम आदमी अपने आपको असुरक्षित महसूस कर रहा है। राजधानी में दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में बस स्टैण्ड में एक महिला के साथ सामूहिक दुराचार हो गया। राजधानी में भाजपा के राज में 4 बार गोली चल गयी, अंतरराष्ट्रीय गैंग पर पैर पसार रहे राजधानी चाकूपुर बन गया, मरीन ड्राइव मर्डर ड्राइव बन गया है। रायपुर की कानन व्यवस्था बिगड़ गयी है। इन सब मुद्दो को लेकर कांग्रेस दक्षिण के उपचुनाव में जनता के बीच जायेगी। सन 2000 में छत्तीसगढ़ का निर्माण हुआ और जीतने उपचुननाव हुआ सबसे ज्यादा उपचुनाव कांग्रेस ने जीता है। दक्षिण के उपचुनाव के लिये कांग्रेस पार्टी की संगठनात्मक तैयारी भी पूरी है। सभी 19 वार्डो में पार्टी की बूथ कमेटियां चुनाव में जुट गयी है। वार्ड स्तर पर जिम्मेदारी दी जा चुके है, सरकार की असफलता से जनता में भाजपा के खिलाफ आक्रोश है। युवा प्रत्याशी होने के कारण कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में दक्षिण उपचुनाव को लेकर उत्साह है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि सभी के मन में भाजपा सरकार को लेकर डर समाया हुआ है, लोग भयभीत है और इन सरकार के खिलाफ में छत्तीसगढ़ की जनता का आक्रोश और गुस्सा है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.